P-12

अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इंसाफ़ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

P-12

RNI.No. : DELMUL/2012/47011

www.timesofpedia.com

वर्ष : 14 अकं: 11 नई दिल्ली, शनिवार, 11 अप्रैल 2026 Email.timesofpedia@gmail.com पृष्ठ: 12 मूल्य : 01./-

संक्षिप्त समाचार

जस्टिस यशवंत वर्मा ने दिया इस्तीफा

दिल्ली वाले घर से मिले थे जले हुए नोट

प्रयागराज (एजेंसी)। कैश कांड में फंसे इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा ने अपना इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। आपको बता दें कि उनके दिल्ली वाले आवास पर जले हुए कैश मिले थे। इस विवाद के बाद उनका दिल्ली हाईकोर्ट से वापस इलाहाबाद तबादला कर दिया गया था। उन्होंने 5 अप्रैल, 2025 को शपथ ली थी। फिलहाल उनके खिलाफ आरोपों के संबंध में एक आंतरिक जांच चल रही है। इस मामले की जांच के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम

बिरला द्वारा गठित तीन सदस्यीय समिति आगामी मानसून सत्र में अपनी रिपोर्ट सौंप सकती है। पिछले साल 12 अगस्त को न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को पद से हटाने की मांग वाला एक बहुदलीय नोटिस स्वीकार करने के बाद महाभियोग की प्रक्रिया शुरू करने के संदर्भ में उनके खिलाफ आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया था। इससे पहले जनवरी में सुप्रीम कोर्ट ने यशवंत वर्मा की ओर से दायर उस रिट याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के तहत जांच समिति गठित करने के लोकसभा अध्यक्ष के फैसले को चुनौती दी थी। यह निर्णय न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने सुनाया था। 21 जुलाई, 2025 को संसद के दोनों सदनों में महाभियोग की बात चली थी।

आपको प्रणाम कर रहे हैं पहले तो हम यहीं ना थे

- पुरानी संसद देख भावुक हुए बिहार सीएम नीतिश कुमार

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने शुक्रवार को संसद भवन में राज्यसभा सांसद पद की शपथ ली। वे पुराना संसद भवन देखकर भावुक हो गए। वे नए संसद भवन से मुस्कुराते हुए बाहर निकले। उनकी नजर सामने स्थित पुराने संसद भवन पर पड़ी तो वे उसे कुछ पल निहारते रहे। इसके बाद उन्होंने पुराने भवन की ओर हाथ उठाकर हिलाया और फिर हाथ जोड़ लिए। नीतिश कुमार 21 साल बाद संसद भवन में लौटे हैं। उन्होंने शुक्रवार को राज्यसभा सदस्यता की शपथ ली और विधिवत सांसद बन गए। शपथ लेने के बाद वे अपने

सुरक्षा कर्मियों और अन्य कुछ लोगों के साथ नए संसद भवन से बाहर आए। बाहर आने पर उनकी नजर जैसे ही पुराने संसद भवन पर पड़ी तो वे कुछ क्षण तक उसे देखते रहे। इसके बाद उन्होंने अपना हाथ उठाया और संसद भवन की ओर से ऐसे हिलाया जैसे किसी व्यक्ति से कुछ कहना चाह रहे हों। पुराने संसद भवन को निहारते हुए भावनाओं में डूबे नीतिश कुमार ने उसकी ओर हाथ हिलाया और फिर अभिवादन की मुद्रा में हाथ भी जोड़े। उन्होंने पुराने संसद भवन को देखते हुए हाथ जोड़कर कहा–आपको प्रणाम कर रहे हैं। पहले तो हम यहीं न थे। पुराने संसद भवन को देखकर नीतिश कुमार की स्मृतियां ताजा हो गईं।

कठिन राह और हौसलों की

साइकिल पर भारत यात्रा

- 5700 किमी की दूरी तय कर कोलकाता पहुंचीं आशा
- एनसीसी कैडेटों ने किया स्वागत

कोलकाता (एजेंसी)। हजारों किलोमीटर की कठिन राह, बदलते मौसम, अनगिनत चुनौतियां- लेकिन हौंसले बुलंद हों तो हर मंजिल करीब लगती है।

इसी जज्बे की जीती-जागती मिसाल बनकर उभरी हैं आशा मालवीय, जिन्होंने अपनी साइकिल यात्रा के जरिए नारी शक्ति, देशभक्ति और अदम्य साहस का ऐसा संदेश दिया है, जिसने युवाओं के दिलों में नई ऊर्जा भर दी है। 78वें भारतीय सेना दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय स्तर की एथलीट, पर्वतारोही व साइक्लिस्ट आशा मालवीय ने 11 जनवरी 2026 को राजस्थान के जयपुर से 7,800 किलोमीटर लंबी देशव्यापी पूर्व-पश्चिम एकल साइकिल अभियान (यात्रा) की शुरुआत की थीं। इस सफर में वह राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड को पार करते हुए करीब 5,700 किलोमीटर की दूरी तय कर कोलकाता पहुंचीं, जहां गुरुवार को एनसीसी कैडेटों व अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। 7,800 किलोमीटर में से अब तक वह लगभग 5,700 किमी की दूरी तय कर चुकी हैं, जबकि उनका अंतिम लक्ष्य चीन की सीमा से लगे अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्र किबिथु तक पहुंचना है। इस प्रेरणादायक अभियान का उद्देश्य महिला सशक्तीकरण, देशभक्ति और अटूट साहस का संदेश देना है। कोलकाता में एनसीसी के बंगाल व सिक्किम निदेशालय में गुरुवार को उनके सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में एनसीसी कैडेटों को उनसे सीधे संवाद का अवसर मिला।

बैलगाड़ियां और ढोल लेकर फिर सड़क पर उतरे किसान

- नए खरीद नियमों पर भड़के अन्नदाता, आंदोलन शुरू

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के किसानों ने गेहूं खरीद के नए नियमों का खुलकर विरोध किया है। बैलगाड़ी, ढोल-नगाड़ों और नारों के साथ उन्होंने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया। नए नियमों में बायोमेट्रिक सत्यापन, वाहन ट्रैकिंग, जियोफेंसिंग और तीन स्तर की जांच शामिल है। किसान इन्हें बोझिल और अपमानजनक बता रहे हैं।

यमुनानगर की सदहुरा मंडी और जिंद की जुलाना मंडी में किसानों ने पुरानी ट्रॉली और बैलगाड़ी से फसल लाकर सरकार के डिजिटल सिस्टम का विरोध जताया। संयुक्त किसान मोर्चा ने शनिवार को चार घंटे हाईवे ब्लॉक करने की घोषणा की है। नए खरीद नियमों के तहत किसानों को पहले मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण कराना पड़ता है। मंडी पहुंचने पर बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन, ट्रैक्टर-ट्रॉली की फोटो, वाहन नंबर और जियोफेंसिंग के जरिए फसल की पुष्टि करनी होती है। सरकार का दावा है कि इससे पड़ोसी राज्यों से सस्ते चावल की घुसपैठ रोकी जा सकेगी।

स्वदेशी मिसाइलों से लैस होंगे राफेल विमान

रक्षा मंत्रालय ने बनाया प्लान, खरीदो और बनाओ की नीति तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत जिन 114 राफेल लड़ाकू विमानों को खरीदने का प्लान बना रहा है, उनको लेकर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि स्वदेशी रूप से विकसित मिसाइलों और हथियार प्रणालियों को इनमें एकीकृत किया जा सके। रिपोर्ट के मुताबिक, मामले की जानकारी रखने वालों ने बताया कि खरीदो और बनाओ सौदे के तहत होने वाली सरकार-से सरकार डील में तथाकथित इंटरफेस कंट्रोल डॉक्यूमेंट को अनिवार्य किया जाएगा।

रक्षा मंत्रालय से उम्मीद है कि वह अगले महीने फ्रांसीसी जेट निर्माता कंपनी डसॉल्ट को रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल जारी करेगा और उसके बाद अनुबंध पर बातचीत शुरू होगी। रक्षा अधिग्रहण परिषद ने 12 फरवरी को इस सौदे को मंजूरी दे दी थी।

96 फाइटर जेट भारत में ही बनाए जाएंगे

मामले के जानकार लोगों ने कहा कि योजना यह है कि 3.25 लाख करोड़ रुपये की इस मेगा डील के फाइनल कॉन्ट्रैक्ट में आईसीडी को पक्का कर दिया जाए। आईसीडी एक बहुत ही जरूरी सिस्टम इंजीनियरिंग डॉक्यूमेंट है, जो किसी सिस्टम और उसके सब–सिस्टम के बीच के सभी अहम प्रोटोकॉल को कंट्रोल और डिफाइन करता है। डीएसी द्वारा मंजूर किए गए प्रस्ताव के मुताबिक, 18 फाइटर जेट फ्रांस से फ्लाई–अवे कंडीशन में डिलीवर किए जाएंगे, जबकि बाकी 96 भारत में ही बनाए जाएंगे, जिनमें 25 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल होगा। इस तरह की रिपोर्टों के बीच कि इस मेगा डील में एक रुकावट आ गई है, क्योंकि फ्रांसीसी राफेल निर्माता डसॉल्ट ने भारत को लड़ाकू विमान का सोर्स कोड देने से इनकार कर दिया है। रक्षा मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों ने

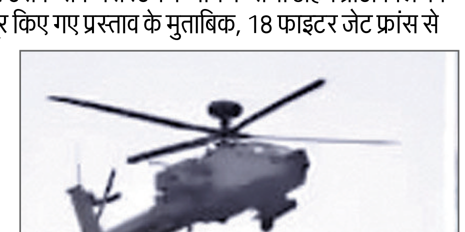

पुष्टि की है कि कोई भी देश ये मालिकाना सॉफ्टवेयर कोड (जो रडार, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सूट और हथियार एकीकरण को नियंत्रित करते हैं) किसी तीसरे देश को नहीं देता है और यह डील पूरी तरह से सही रास्ते पर है। ये सोर्स कोड असल में पूरे लड़ाकू विमान को नियंत्रित करते हैं, जिसमें एवियोनिक्स, टारगेट ट्रैकिंग, फ्लाइट कंट्रोल, हथियार लॉन्च और हथियार छोड़ने के एल्गोरिदम शामिल हैं। अधिकारियों ने आगे बताया कि यह कोड मूल उपकरण निर्माता की बौद्धिक संपदा है, जिसे सबसे करीबी सहयोगियों के साथ भी साझा नहीं किया जाता है।

भारत तेजस पर दे रहा ध्यान

भले ही भारत ने अमेरिका या रूस, किसी से भी पांचवीं पीढ़ी के विमान खरीदने का कोई फैसला नहीं लिया है, लेकिन वह भविष्य के लिए स्वदेशी रूप से तेजस मार्क एलए के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसके साथ ही, वह लंबी दूरी की मिसाइलों और दो इंजन वाले एलए पर भी काम कर रहा है, ताकि विदेशी हवाई प्लेटफॉर्म, बियॉन्ड विज़ुअल रेंज हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों और हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइलों पर अपनी निर्भरता कम कर सके।

बंगाल में महिलाओं को 3000 का वादा

- *गृहमंत्री अमित शाह ने जारी किया बीजेपी का संकल्प पत्र*
- *घुसपैठ पर जीरो टॉलरेंस नीति, 7वें वेतन आयोग का वादा*

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल विधानसभा चुनाव के ठीक 13 दिन पहले शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपने चुनावी वादों का पिटारा खोल दिया। गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पार्टी का चुनावी घोषणापत्र जारी किया। इस घोषणापत्र को पार्टी ने भरोसा पत्र नाम दिया गया है। इसमें महिलाओं से लेकर युवाओं तक, प्रमुख वोटर वर्ग के लिए नकदी के वादे किए

गए हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को बंगाल में 2026 विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का 'संकल्प पत्र' जारी किया। इस दौरान उन्होंने राज्य में सत्ता परिवर्तन का आह्वान किया।

घुसपैठ को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति करेंगे लागू

अमित शाह ने कहा कि हमारी सरकार घुसपैठ को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति पर आगे बढ़ेगी। पश्चिम बंगाल की जनता को भरोसा दिलाना चाहता हूं कि पूर्ण बहुमत की सरकार बनाइए। हम घुसपैठियों को बाहर निकाल देश और बंगाल को सुरक्षित बनाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि बकाया डीए भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा और सरकार बनने के 45 दिन के भीतर सातवें वेतन आयोग को लागू किया जाएगा।

बंगाल की महिलाओं के लिए किए बड़े वादे

संकल्प पत्र में महिलाओं के लिए कई अहम घोषणाएं की गई हैं। इसके तहत केजी से पीजी तक लड़कियों की शिक्षा मुफ्त करने और सरकारी नौकरियों में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा किया गया है। साथ ही हर महिला के बैंक खाते में हर महीने 3,000 रुपये देने की भी बात कही गई है। इसके अलावा घोषणा पत्र में टीएमसी सरकार के कथित भ्रष्टाचार पर श्वेत पत्र जारी करने का वादा, सातवें वेतन आयोग को लागू करने, घुसपैठ और गोतस्करी पर रोक लगाने का संकल्प, उत्तर बंगाल में प्रौद्योगिकी संस्थान खोलने का संकल्प है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह संकल्प पत्र भरोसे का है।

डॉक्टर हरिवंश फिर से बने राज्यसभा सांसद

- जेडीयू ने नहीं भेजा तो सरकार ने किया नामित

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा के उपसभापति रहे हरिवंश को फिर से राज्यसभा की सदस्यता मिल गई है। इस बार उन्हें जेडीयू ने राज्यसभा नहीं भेजा था। माना जा रहा था कि अब राज्यसभा का उनका कार्यकाल समाप्त हो गया है, लेकिन उन्हें एक और चांस मिल गया है। यह मौका उन्हें नामित करके दिया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से जारी आदेश के चलते उन्हें मनोनीत किया गया है। अधिसूचना में कहा गया है कि एक मनोनीत सांसद के रिटायरमेंट से जो रिक्ति हुई है, उस स्थान पर हरिवंश को मौका दिया गया है। अब वह फिर से राज्यसभा सांसद होंगे। हरिवंश को बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार का

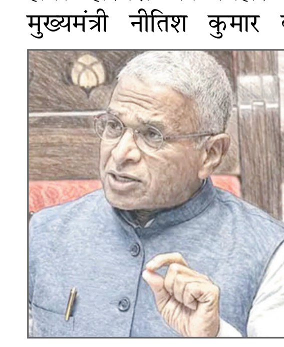

करीबी माना जाता था, लेकिन बीते कुछ समय से उनके रिश्तों में वह गर्मजोशी नहीं दिखी है। इसी वजह से मौका नहीं दिया।

अंतरिक्ष में इतिहास रचने के करीब भारत!

- गगनयान के दूसरे एयर ड्रॉप टेस्ट में इसरो को शानदार कामयाबी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने भारत के पहले मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन गगनयान की दिशा में एक और ऐतिहासिक मील का पत्थर पार कर लिया है। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी है कि इसरो ने गगनयान के लिए दूसरा इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह परीक्षण श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में किया गया। गगनयान मिशन का सबसे जटिल और महत्वपूर्ण हिस्सा अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष से सुरक्षित वापस पृथ्वी पर लाना है। जब अंतरिक्ष यात्री अपना मिशन पूरा करके वापस

लौटेंगे, तो उनका क्रू मॉड्यूल (वह कैप्सूल जिसमें वे बैठे होंगे) तेज गति से पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करेगा। इस वापसी के दौरान पैराशूट सिस्टम की भूमिका अहम होगी। मॉड्यूल की गति को धीमा करने और उसे सुरक्षित रूप से समुद्र (या सतह) पर उतारने के लिए एक बेहद जटिल पैराशूट प्रणाली का इस्तेमाल होता है।

जल्द इंसानों को अंतरिक्ष में भेजेगा इसरो

डॉ. जितेंद्र सिंह ने अपने ट्वीट में स्पष्ट किया है कि यह सफलता गगनयान मिशन की तैयारियों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। किसी भी मानव मिशन में इंसानी जान की सुरक्षा सर्वोपरि होती है। यह परीक्षण सुनिश्चित करता है कि लैंडिंग के वक्त कोई दुर्घटना नहीं होगी। ऐसे हर सफल परीक्षण के साथ इसरो गगनयान के फाइनल लॉन्च के एक कदम और करीब पहुंच जाता है। गगनयान भारत का पहला ऐसा अंतरिक्ष मिशन है जिसमें इंसानों को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। इसके तहत 3 अंतरिक्ष यात्रियों के दल को 400 किलोमीटर की ऊंचाई वाली पृथ्वी की निचली कक्षा में 3 दिन के मिशन के लिए भेजा जाएगा।

- गलत ट्रांजेक्शन कैंसिल करने का मौका मिलेगा, आ गया नया प्रस्ताव

10 हजार से ज्यादा के ऑनलाइन पेमेंट पर अब 1 घंटे का रहेगा होल्ड

- *आरबीआई ने 'किल स्विच' का सुझाव भी दिया, डिजिटल फ्राड रुकेगा*

मुंबई (एजेंसी)। जल्द ही ऐसा हो सकता है कि आपका 10 हजार से ज्यादा का ऑनलाइन ट्रांजैक्शन तुरंत न हो। उसमें 1 घंटे की देरी हो सकती है। इससे ग्राहकों को गलत ट्रांजैक्शन रोकने या कैंसिल करने का मौका मिलेगा। देश में बढ़ते डिजिटल फ्रॉड को रोकने के लिए आरबीआई ने ये प्रस्ताव रखा है। आरबीआई का मानना है कि जालसाज अक्सर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाकर जल्दबाजी में पैसे ट्रांसफर करवाते हैं, यह देरी उस दबाव को खत्म करेगी। फिलहाल ज्यादातर डिजिटल ट्रांजैक्शन तुरंत होते हैं, जिससे यूजर को सोचने या गलती सुधारने का मौका नहीं मिलता।

सीनियर सिटीजंस के लिए 'ट्रस्टेड पर्सन' सुविधा- 70 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों और

दिव्यांगों के लिए सुरक्षा और सख्त होगी। 50,000 रुपए से ज्यादा के ट्रांजैक्शन के लिए एक ट्रस्टेड पर्सन (भरोसेमंद व्यक्ति) की मंजूरी जरूरी हो सकती है। यह फ्रॉड के खिलाफ सुरक्षा की एक दूसरी लेयर की तरह काम करेगा। अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति या मर्चेंट को पैसे भेज रहे हैं, जिसे आप जानते हैं, तो आप उसे व्हाइटलिस्ट में शामिल कर सकते हैं।

डिजिटल पेमेंट बंद करने के लिए 'किल स्विच'

आरबीआई ने एक किल स्विच का सुझाव भी दिया है। अगर किसी ग्राहक को लगता है कि उसका अकाउंट हैक हो गया है या कोई गलत ट्रांजैक्शन हो रहा है, तो वह एक क्लिक से अपनी सभी डिजिटल पेमेंट सेवाओं को तुरंत बंद कर सकेगा। पिछले साल देश में डिजिटल फ्रॉड के कारण होने वाला नुकसान 22 हजार करोड़ रुपए के पार पहुंच गया। आरबीआई के अनुसार 10 हजार रुपए से ऊपर के ट्रांजैक्शन कुल फ्रॉड केस का सिर्फ 45 फीसदी हैं, लेकिन कुल फ्रॉड वैल्यू में इनकी हिस्सेदारी 98.5 फीसदी है। इसी को ध्यान में रखते हुए 10 हजार की लिमिट तय की गई है।

राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों के विधानसभा चुनाव 2026

विनोद कुमार सिंह

निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों ने इस लोकतांत्रिक उत्सव को और अधिक अर्थपूर्ण बना दिया है। असम में लगभग 85 प्रतिशत से अधिक मतदान, केरल में लगभग 78 प्रतिशत और पुडुचेरी में लगभग 90 प्रतिशत के आसपास रिकॉर्ड मतदान यह स्पष्ट संकेत देता है कि भारत का मतदाता अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय और निर्णायक भागीदार बन चुका है। यह आंकड़े केवल प्रतिशत नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति जनता के विश्वास,उसकी प्रतिबद्धता और उसकी आकांक्षाओं का जीवंत प्रमाण हैं।

प्रथम चरण का मतदान मेंजनमत की गूंज,लोकतंत्र का आत्मविश्वास और बदलते राजनीतिक संकेत...

हमारा लोकतंत्र केवल एक संवैधानिक व्यवस्था नहीं,बल्कि जनचेतना की वह जीवंत धारा है , जो समय-समय पर अपने स्वरूप, अपने तेवर और अपनी दिशा को स्वयं निर्धारित करती है।वर्ष 2026 के विधानसभा चुनावों का प्रथम चरण - असम,केरल और केन्द्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में सम्पन्न मतदान - इसी लोकतांत्रिक चेतना का प्रखर और व्यापक प्रतिबिंब बनकर सामने आया है।यह चरण केवल मतपेटियों तक सीमित एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं,बल्कि जनमत की वह गूंज है जिसमें सामाजिक परिवर्तन की आहट, राजनीतिक पुनसंर्तुलन की छाया और भविष्य की राजनीति की स्पष्ट रूपरेखा सुनाई देती है।

निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों ने इस लोकतांत्रिक उत्सव को और अधिक अर्थपूर्ण बना दिया है। असम में लगभग 85 प्रतिशत से अधिक मतदान, केरल में लगभग 78 प्रतिशत और पुडुचेरी में लगभग 90 प्रतिशत के आसपास रिकॉर्ड मतदान यह स्पष्ट संकेत देता है कि भारत का मतदाता अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय और निर्णायक भागीदार बन चुका है। यह आंकड़े केवल प्रतिशत नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति जनता के विश्वास,उसकी प्रतिबद्धता और उसकी आकांक्षाओं का जीवंत प्रमाण हैं।

असम में उच्च मतदान यह संकेत देता है कि वहां चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनसरोकारों की अभिव्यक्ति का मंच बन चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों तक जिस प्रकार मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, वह इस बात का द्योतक है कि मतदाता अब अपने अधिकारों के प्रति अधिक सजग और सचेत है।यह उत्साह जहां एक ओर सत्तारूढ़ दल के लिए चुनौती का संकेत देता है, वहीं दूसरी ओर यह भी दशार्ता है कि यदि सरकार ने अपने कार्यों से जनविश्वास अर्जित किया है,तो उसे पुनः अवसर भी मिल सकता है।

केरल का मतदान प्रतिशत अपनी प्रकृति में भले ही संतुलित प्रतीत होता हो, लेकिन उसकी गहराई में एक परिपक्व लोकतांत्रिक चेतना का प्रवाह दिखाई देता है।यहाँ का मतदाता परंपरागत रूप से विचारधारा आधारित मतदान करता है और यही कारण है कि मतदान का प्रतिशत स्थिर रहते हुए भी अत्यंत महत्वपूर्ण संकेत देता है। लगभग 78 प्रतिशत मतदान यह बताता है कि केरल में लोकतंत्र केवल एक प्रक्रिया नहीं,बल्कि एक वैचारिक अभ्यास है,जिसमें हर मतदाता अपने निर्णय को एक जिम्मेदारी के रूप में देखता है।

पुडुचेरी में लगभग 90 प्रतिशत के आसपास मतदान ने यह सिद्ध कर दिया है कि लोकतंत्र का उत्साह क्षेत्रफल या जनसंख्या पर निर्भर नहीं करता,बल्कि जनभागीदारी की भावना पर आधारित होता है। छोटे से केन्द्र शासित प्रदेश में इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं का मतदान करना यह दशार्ता है कि लोकतंत्र की जड़ें कितनी गहरी और मजबूत हैं। यह मतदान न केवल राजनीतिक दलों के लिए संदेश है, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा भी है कि लोकतंत्र की असली शक्ति जनता की सक्रिय भागीदारी में निहित है।

इस प्रथम चरण का एक और महत्वपूर्ण पक्ष मतदाता संरचना में हो रहा परिवर्तन है।लगभग 5.3 करोड़ से अधिक मतदाताओं की भागीदारी यह दशार्ती है कि लोकतंत्र अब केवल संख्याओं का खेल नहीं, वरन विविधता और समावेश का उत्सव बन चुका है। महिला मतदाताओं की बढ़ती संख्या और उनकी सक्रिय भागीदारी इस परिवर्तन का सबसे सशक्त संकेत है।केरल और पुडुचेरी जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की संख्या पुरुषों के बराबर या उससे अधिक होना केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं,बल्कि एक सामाजिक क्रांति का संकेत है।

महिलाएं अब केवल मतदान करने वाली इकाई नहीं,बल्कि नीति निर्धारण को प्रभावित करने वाली शक्ति बन चुकी हैं।उनके मुद्दे अब चुनावी विमर्श के केंद्र में हैं - चाहे वह महंगाई हो, स्वास्थ्य सेवाएं हों, शिक्षा हो या सुरक्षा।राजनीतिक दलों ने भी इस परिवर्तन को स्वीकार करते हुए अपनी रणनीतियों में बदलाव किया है और महिला मतदाताओं को ध्यान में रखकर योजनाएं और घोषणाएं प्रस्तुत की हैं।यह स्पष्ट है कि आने वाले समय में महिला मतदाता भारतीय राजनीति की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभाएंगी।

युवा मतदाताओं की भागीदारी इस चुनाव की आत्मा है।लाखों नए मतदाताओं का पहली बार मतदान करना यह दशार्ता है कि भारत का भविष्य अब मतदान केंद्रों तक पहुंच चुका है। यह युवा वर्ग पारंपरिक राजनीति से अलग सोच रखता है।उसके लिए जातीय या धार्मिक समीकरणों की अपेक्षा रोजगार, शिक्षा, डिजिटल अवसर और वैश्विक प्रतिस्पर्धा अधिक महत्वपूर्ण हैं।वह केवल वादों से प्रभावित नहीं होता,बल्कि परिणाम चाहता है,पारदर्शिता चाहता है और अवसर चाहता है। यही कारण है कि आज की राजनीति में युवाओं की भूमिका केवल सहायक नहीं, बल्कि निर्णायक बन चुकी है।

पुरुष मतदाताओं की भूमिका अब भी महत्वपूर्ण है,लेकिन महिला और युवा मतदाताओं के उभार ने चुनावी समीकरणों को अधिक संतुलित और प्रतिस्पर्धी बना दिया है।यह परिवर्तन लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है,क्योंकि इससे चुनाव अधिक निष्पक्ष और परिणाम अधिक प्रतिनिधिक बनते हैं।

अगर हम वर्त्तमान राजनीतिक परिदृश्य की बात करें तो असम, केरल और पुडुचेरी तीनों ही क्षेत्रों में अलग-अलग प्रकार के चुनावी समीकरण देखने को मिल रहे हैं। असम में जहां भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन और कांग्रेस गठबंधन के बीच सीधा मुकाबला है,वहीं केरल में पारंपरिक एल डी एफ (छऊऋ) और यु डी एफ (वऊऋ.)के बीच वैचारिक संघर्ष जारी है। पुडुचेरी में त्रिकोणीय मुकाबला चुनाव को और अधिक जटिल और रोचक बना रहा है।

असम में उच्च मतदान यह संकेत देता है कि चुनाव अत्यंत प्रतिस्पर्धी है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि सत्तारूढ़ गठबंधन अपने लाभार्थी वर्ग और महिला मतदाताओं का समर्थन बनाए रखने में सफल रहता है,तो उसे बढ़त मिल सकती है ,लेकिन उच्च मतदान अक्सर सत्ता विरोधी भावना का भी संकेत होता है, जिससे चुनाव परिणाम अनिश्चित हो जाता है।

केरल में स्थिति और भी जटिल है, क्योंकि वहां का मतदाता अत्यंत जागरूक और वैचारिक है।यहाँ चुनाव परिणाम बहुत ही सूक्ष्म अंतर से तय होते हैं और यही कारण है कि दोनों प्रमुख गठबंधन पूरी ताकत से मैदान में हैं।पुडुचेरी में रिकॉर्ड मतदान यह संकेत देता है कि मतदाता परिवर्तन चाहता है या स्पष्ट जनादेश देना चाहता है, लेकिन त्रिकोणीय मुकाबले के कारण यहां हंग असेंबली की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

मतदान प्रतिशत के भीतर छिपे राजनीतिक संकेतों को यदि समझा जाए कि उच्च मतदान केवल संख्या नहीं,बल्कि एक संदेश है।यह संदेश कभी बदलाव का होता है, कभी समर्थन का और कभी संतुलन का।महिला मतदाताओं की सक्रियता यह दशार्ती है कि कल्याणकारी योजनाएं और सामाजिक सुरक्षा अब राजनीति के केंद्र में हैं।युवा मतदाताओं की भागीदारी यह बताती है कि भविष्य की राजनीति विकास और अवसरों के इर्द-गिर्द घूमेगी।

प्रथम चरण का यह मतदान यह भी स्पष्ट करता है कि भारतीय लोकतंत्र अब एक नए दौर में प्रवेश कर चुका है।यह दौर परंपरागत समीकरणों से आगे बढ़कर विकास,पारदर्शिता और जवाबदेही पर आधारित है। मतदाता अब केवल भावनाओं के आधार पर नहीं,वरन अपने अनुभव और अपेक्षाओं के आधार पर निर्णय लेता है।

संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि 2026 के विधानसभा चुनावों का प्रथम चरण केवल एक चुनावी प्रक्रिया नहीं,बल्कि भारत के लोकतांत्रिक आत्मविश्वास का सशक्त प्रमाण है।यह वह क्षण है जब राज्य का हर नागरिक यह महसूस करता है कि उसकी आवाज महत्वपूर्ण है,उसका वोट मूल्यवान है और उसका निर्णय देश के भविष्य को दिशा देने में सक्षम है।

यह केवल मतदान नहीं,बल्कि जनविश्वास का उत्सव है। यह केवल मतदान केआंकड़े नहीं,बल्कि जनभावनाओं की अभिव्यक्ति है। मतदाताओं की यही अभिव्यक्ति भारत के लोकतंत्र को न केवल जीवित रखती है,बल्कि उसे निरंतर सशक्त और समृद्ध भी बनाती है।

(स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार)

संपादकीय

घातक किशोर अपराध

बदलते वक्त के साथ समाज में बढ़ते आक्रामक व्यवहार के चलते अपराधों का ग्राफ भी तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन किशोरों की अपराधों में संलिप्तता बढ़ना गंभीर चिंता का विषय है। हाल के दिनों में देश में किशोर अपराधों से जुड़ी अनेक ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने देश को गहरी चिंता में डाला है। जो बाल अपराधों के सामाजिक कारणों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत पर बल देता है। निस्संदेह, यह विचारणीय प्रश्न है कि छोटे-छोटे विवादों के बीच किशोर हिंसक क्यों हो रहे हैं। जिसकी परिणति अकसर क्रूर हत्या के रूप में सामने आती है। पिछले दिनों दिल्ली के दयालपुर क्षेत्र में सिर्फ चार सौ रुपये के विवाद में एक युवक की निर्मम हत्या डराने वाली है। वहीं किशोरों में कानून का भय न होना गंभीर मसला है। बताया जाता है कि इस युवक की हत्या में तीन नाबालिग संलिप्त थे। इस घटना में तीन किशोर एक युवक पर लगातार चाकू मारते रहे। हिंसक प्रवृत्ति की पराकाष्ठा देखिए कि इनका चौथा साथी बाकायदा मोबाइल पर घटना का वीडियो बनाता रहा। निस्संदेह, यह घटना किसी भी सभ्य समाज में सिहरन पैदा करने वाली है कि किशोर में यह आपराधिक दुस्साहस कहां से आ रहा है। जाहिर बात है कि इन किशोरों में पुलिस-प्रशासन का कोई भय नहीं था, तभी वे सरेआम चाकूबाजी करते रहे। देश की राष्ट्रीय राजधानी जहां के बारे में अकसर कहा जाता है कि पुलिस प्रशासन कानून व्यवस्था बनाने में अग्रणी रहता है, वहां यह घटना सामने आयी। सवाल उठाया जा सकता है कि देश के दूर-दराज के इलाकों में यह स्थिति कितनी गंभीर हो सकती है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि किशोरों की आपराधिक घटनाओं में तेजी से बढ़ती भूमिका की असली वजह क्या है? उल्लेखनीय है कि दयालपुर की घटना से पहले भी कई गंभीर अपराधों में किशोरों की संलिप्तता की घटनाएं गाहे-बगाहे सामने आती रही हैं। लेकिन किशोर अपराध से जुड़े कानून उन्हें जल्दी रिहा करा देते हैं। दरअसल, देश में अकसर किशोरों के गंभीर अपराधों में लिप्त होने के चलते उनकी वयस्क होने की उम्र घटाने की मांग होती है। इसकी वजह यह है कि किशोर गंभीर अपराधों में संलिप्तता के बावजूद किशोर अपराध से जुड़े कानूनों के लचीलेपन के चलते जेल से जल्दी रिहा हो जाते हैं। जेल से बाहर आने के बाद फिर दूसरे गंभीर अपराधों में लिप्त हो जाते हैं।

चिंतन-मनन

सर्वव्यापी है आत्मा

केवल वह जो क्षणिक है, छोटा या नर है, उसे ही सुरक्षा की आवश्यकता है; जो स्थायी है, बड़ा या विशाल है, उसे सुरक्षा की जरूरत नहीं। सुरक्षा का अर्थ है समय विशेष को लंबा कर देना; इसीलिए सुरक्षा परिवर्तन में बाधक भी होती है। पूर्ण सुरक्षा की स्थिति में रूपांतरण नहीं हो सकता। सुरक्षा के बिना इच्छित रूपांतरण नहीं हो सकता। एक बीज को पौधे में परिवर्तित होने के लिए सुरक्षा चाहिए; एक पौधे के वृक्ष बनने के लिए सुरक्षा चाहिए। अत्यधिक सुरक्षा रूपांतरण में या तो सहायक हो सकती है या बाधक, इसीलिए रक्षक को यह समझ होनी चाहिए कि किस मात्रा तक उसे रक्षा करनी है। सुरक्षा और रूपांतरण- दोनों काल और समय के अनुसार होते हैं और समय से परे होने के लिए इन नियमों का सम्मान आवश्यक है। सुरक्षा एक विशेष समय और नर चीजों तक ही सीमित है। चिकित्सक कब तक किसी को स्वस्थ रख सकता है या बचा सकता है? सदा के लिए? नहीं। सत्य को किसी सुरक्षा की आवश्यकता नहीं। शांति और खुशी को सुरक्षा की आवश्यकता नहीं, क्योंकि वे क्षणिक नहीं। तुम्हारे शरीर को सुरक्षा की आवश्यकता है, तुम्हारी आत्मा को नहीं; तुम्हारे मन को सुरक्षा की जरूरत है, स्वरूप को नहीं। आत्मा केवल मन और शरीर का समिश्रण नहीं है। आत्मा न मन है, न शरीर। शरीर के अस्तित्व का एकमात्र उद्देश्य है तुम्हें सचेत करना कि तुम कितने सुंदर हो; और तुमको जागरूक करना कि तुम जिन आदर्शों का सम्मान करते हो, उन सभी को तुम अपने जीवन में ढालकर, अपने चारों ओर एक दिव्य-जगत की सृष्टि करो। जो योगासन तुम करते हो, वह शरीर के लिए और जो ध्यान करते हो, वह मन के लिए है। शांत हो या विचलित; मन, मन ही रहता है। रोगी हो या निरोगी; शरीर, शरीर ही रहता है। आत्मा सर्वव्यापी है। शरीर के किसी अंग को उत्तेजित करने से मजा आता है, सुख का आभास होता है। जब आत्मा का उद्दीपन होता है, प्रेम जागृत होता है। प्रेम अनंत है, परंतु सुख सीमित है। प्रायः व्यक्ति समझते हैं कि सुख ही प्रेम है। सुख और प्रेम के फर्क को केवल भाग्यशाली ही समझ सकता है।

सत्यशोधक ज्योतिबा फुले: जिनके विचारों ने बदली समाज की दिशा

दिलीप कुमार पाठक

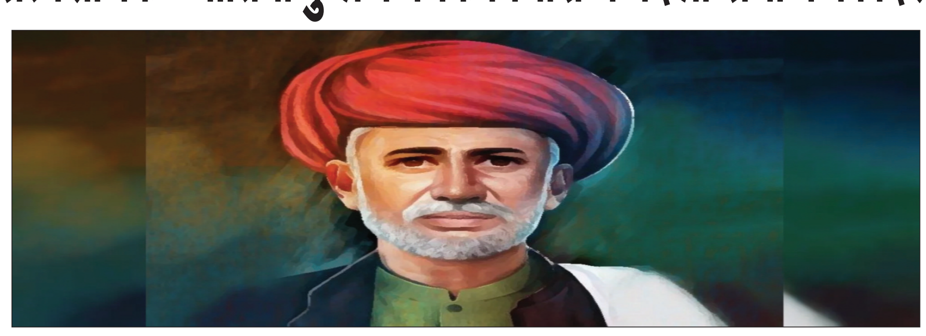

इतिहास अक्सर उन लोगों को भूल जाता है जो किसी भव्य इमारत की नींव में ईंट बनकर समा जाते हैं। लेकिन जब-जब आधुनिक भारत में न्याय और बराबरी की बात होगी, ज्योतिबा फुले का नाम सबसे ऊपर लिया जाएगा। फुले कोई पारंपरिक नेता नहीं थे, वे एक ऐसे दूरद्रष्टा शिक्षक थे जिन्होंने ब्लैकबोर्ड पर अक्षर लिखने से पहले समाज की कड़वी सच्चाइयों और गरीबों के आंसू पढ़ना सीखा था। आज हम जिस आधुनिक भारत में सांस ले रहे हैं, जहाँ महिलाएं कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं और समाज का हर वर्ग तरक्की के सपने देख रहा है, उसकी पहली मजबूत ईंट 19वीं सदी में ज्योतिबा फुले ने ही रखी थी।वह एक ऐसा दौर था जब शिक्षा पर कुछ खास लोगों का एकाधिकार था और समाज की एक बहुत बड़ी आबादी अज्ञानता के घने अंधेरे में कैद थी। ज्योतिबा ने बहुत कम उम्र में ही यह समझ लिया था कि किसी को गुलाम बनाने के लिए लोहे की जंजीरें जरूरी नहीं होतीं, बल्कि उसे अशिक्षा के पिंजरे में कैद रखना ही काफी होता है। उन्होंने बड़ी बेबाकी से समाज को आईना दिखाते हुए कहा था- शिक्षा के बिना इंसान की बुद्धि मर जाती है और बुद्धि के बिना उसका विकास और नैतिकता हमेशा के लिए रुक जाती है।

ज्योतिबा फुले के जीवन का सबसे साहसी अध्याय उनकी जीवनसंगिनी सावित्रीबाई फुले के साथ जुड़ा है। उन्होंने किसी बड़े मंच से केवल भाषण देने के बजाय, बदलाव की शुरूआत अपने घर से की। उस कट्टर समाज की कल्पना कीजिए, जहाँ औरतों का पढ़ना एक महापाप माना जाता था, वहाँ ज्योतिबा अपनी पत्नी के हाथ में कलम और किताब थमा रहे थे। जब सावित्रीबाई स्कूल पढ़ाने निकलती थीं और उन पर गोबर और कीचड़ फेंका जाता था, तो ज्योतिबा एक चट्टान की तरह उनके पीछे खड़े रहते थे। यह उन दोनों का अटूट साहस और जिद ही थी, जिसने 1848 में पुणे के भिड़ेवाड़ा में लड़कियों के लिए भारत के पहले स्कूल का रास्ता खोला और सदियों पुराने बंद दरवाजे हमेशा के लिए तोड़ दिए। फुले के सुधार केवल स्कूलों की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहे।

उनकी पैनी नजर समाज की हर उस बुराई पर थी जो एक इंसान को दूसरे इंसान से छोटा समझती थी। उन्होंने सत्यशोधक समाज की स्थापना की, जिसका एकमात्र उद्देश्य लोगों को अंधविश्वासों के मानसिक चंगुल से बाहर निकालना था। वे केवल बातों के धनी नहीं थे, बल्कि उन्होंने अपने सिद्धांतों को जीकर दिखाया। जब अछूतों के लिए पानी पीना भी अपराध माना जाता था, तब उन्होंने अपने खुद के घर का पानी का टैंक उनके लिए खोल दिया। यह उस समय के कट्टरपंथी समाज के मुंह पर एक बहुत बड़ा तमाचा था। वे जानते थे कि जब तक एक आम इंसान अपनी नजरों में खुद को गौरवशाली नहीं समझेगा, तब तक वह समाज में अपना हक कभी नहीं मांग पाएगा। अक्सर हम फुले को इतिहास की एक पुरानी तस्वीर मानकर दीवार पर टांग देते हैं, लेकिन उनके विचार आज के आधुनिक युग में भी उतने ही अनिवार्य हैं। आज हमारे पास बड़ी-बड़ी डिग्रियां तो हैं, लेकिन क्या हमारे भीतर वह सामाजिक चेतना है जो फुले पैदा करना चाहते थे? उन्होंने स्पष्ट कहा था कि शिक्षा का असली मकसद केवल नौकरी पाना नहीं, बल्कि खुद को स्वतंत्र बनाना और समाज के प्रति संवेदनशील होना है।

आज जब हम समाज में बढ़ती नफरत और भेदभाव की नई दीवारें देखते हैं, तो फुले की गुलामगिरी जैसी कालजयी रचनाएं हमें याद दिलाती हैं कि असली मानसिक आजादी पाना अभी भी एक लंबा संघर्ष है। महात्मा फुले ने कभी अपने व्यक्तिगत सुख या आराम की चिंता नहीं की। अपनी प्रतिभा और पढ़ाई के दम पर वे चाहते तो एक बहुत ही समृद्ध जीवन जी सकते थे, लेकिन उन्होंने उन लोगों के लिए कांटों भरा रास्ता चुना जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े थे। यही कारण है कि जनता ने उन्हें अपने दिल से महात्मा की उपाधि दी थी। उनकी लड़ाई किसी विशेष धर्म या जाति के खिलाफ नहीं थी, बल्कि उनकी जंग उस अमानवीय व्यवस्था के विरुद्ध थी जो इंसान और इंसान के बीच ऊंच-नीच की दीवार खड़ी करती थी। वे किसानों के दुख-दर्द को भी उतनी ही शिद्दत से समझते थे और उनके शोषण के खिलाफ हमेशा ढाल बनकर खड़े रहे।

11 अप्रैल का यह दिन हमें रुककर यह आत्मचिंतन करने का मौका देता है कि हम फुले के सपनों के भारत के कितने करीब पहुँचे हैं। क्या आज हर गांव के बच्चे के हाथ में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा है? क्या आज भी हमारी महिलाएं समाज में पूरी तरह सुरक्षित और स्वतंत्र महसूस करती हैं? महात्मा फुले ने जो मशाल डेढ़ सौ साल पहले जलाई थी, उसे बुझने न देना ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। आइए, आज हम फुले के उन सिद्धांतों को याद करें जो कहते हैं कि ज्ञान ही वह एकमात्र प्रकाश है जो हमें अंधकार से बाहर निकालकर सम्मान का जीवन दिला सकता है। उनका संघर्ष हमें भरोसा दिलाता है कि अगर हमारे इरादे नेक हों, तो एक अकेला व्यक्ति भी वक्त की धारा को मोड़ने का दम रखता है।

प्रार्थना या बीज – दोनों में उम्मीद,पर केवल एक दुनिया को खिलाकर पोषण करता है

एक प्रार्थना-एक बीज झदोनों एक खाली बंजर उम्मीद की जमीन में प्रकट होते हैं। दोनों अनदेखे। दोनों अपने साथ खुशी की चाहत और उम्मीद लेकर चलते हैं। ऑक्सीजन एवं अवसर दोनों को चाहिए झबीज को सांस लेने के लिए। प्रार्थना को ध्यान की सांसों के साथ बेहतर खुशहाली के वर्तमान एवं भविष्य के लिए।

ीज बिना मिट्टी के बेकार। प्रार्थना बिना काम के बंजर झबस एक कामना जिसका वाई-फाई कनेक्शन है,शायद।

फर्क ? और यहां से असली गेम शुरू !

प्रार्थना एक भक्त को बेहतर महसूस कराती है। बीज सबको बेहतर खाना देता है।

ः प्रार्थना अकेलेपन में साथ देती है। बीज हमें फसल में लगाव और रोजगार दोनों देता है।

ः प्रार्थना हमारी इच्छाओं को अलग करती है (त्याग माँगती है)। बीज हमारी टीम मेहनत को गुणा करता है। पसीना उचित दाम माँगता है।

ः प्रार्थना का फायदा? ज्यादातर निजी, चुनिंदा और प्राइवेट, अधिकतर लोक-परलोक की इच्छाएँ।

ः फायदा बीज का? मधुमक्खियों के लिए फूल,पक्षियों के लिए फल,इंसानों के लिए भोजन,किसानों के लिए एमएसपी से कमाई और एग्रो इंडस्ट्री के सेठों के लिए प्रॉफिट।

दृष्य की दृष्टि : हम फल खाने के लिए केवल प्रार्थना कर सकते हैं। या हम बीज लगा सकते हैं और फिर डाल पर पके आम की चोरी करने वाले बंदर-चिड़िया से बहस कर सकते हैं। एक है आस्था दूसरा है खेती।

लाउडस्पीकर या लैब्स?

आज प्रार्थना बाजार में प्रतियोगिता बन गई है। हर धर्म ने अपने भजन-भोजन - आजान को लाउडस्पीकर की जंग बना दिया है: "मेरे भगवान की प्रार्थना तुमसे ज्यादा तेज है!" जबकि बीज बैंक बिना शोर मचाएं उर्जा दे रहा है। समझदारी खड़ी चिढ़ा रही है! बीजों को लाउडस्पीकर की जरूरत नहीं। उन्हें चाहिए मिट्टी,पानी, देखभाल और अनुकूल माहौल। आओ साउंड युद्ध नहीं, बीच-बचाव बैंक बनाएँ। चेक करो : अगर प्रार्थना से चावल उगते हैं , तो हमें ट्रैक्टर नहीं, बेहतर साउंड सिस्टम चाहिए क्या ? प्रार्थना थोपी गई गैर-बराबरी को झेलना सिखा सकती है। उधर बीज बराबरी की बात कर समझ कर समझाता है।

कड़वा सच

क्या कोई भी देश सिर्फ प्रार्थना पर कामयाब हुआ है ? एक भी नहीं। पर हर उस देश ने जिसने बीज बैंक बनाया, एग्री-रिसर्च में निवेश किया, और खाने की बबार्दी रोकी झ उसने अपने लोगों को खिलाया,खुशी, सुख समृद्धि समाधान का फ्री फ्लो दिया उसी ने मानवता को जीना सिखाया।

भगवान,भक्तों के दावे के अनुसार, प्रार्थना जरूर सुनता है। पर धरती एवं इकोलॉजी की फिजिक्स सिर्फ उस किसान की सुनती है जो वास्तव में बीज 'बोता' है।

भूखमरी के खिलाफ, सीड-फ्रूट इकोनॉमिक्स शुरू करना झक्या हम सीख सकते हैं ?

अब समय है प्रार्थना को सामूहिक टीम यूनिटी की तरह टेस्ट करने काझन कि निजी एटीएम डिलीवरी मशीन की तरह। जी हां साथ मिलकर प्रार्थना जरूर करनी चाहिए। पर साथ- साथ बराबरी की फसल का बीज भी बोना भी जरूरी है। साथ काटना। साथ बांटना ही लगातार सुखी कर सकता है। साथ में उचित वैल्यू एडिशन का पेमेंट डिमांड करना भी जरुरत है।

आखिरी बातः प्रार्थना दावा कर सकती है कि वह पहाड़ हिला देती है। पर जमीन पर बोया गया एक बीज एक परिवार को भूख से इज्जत और मानव चेतना तक पहुँचा सकता है। आओ ! दोनों का सम्मान करे और पूजा करें। पर निवेश उसी नियम पर ज्यादा करें जो उगता है और सभी को सह-अस्तित्व एवं तृप्ति में मदद करता है राकेश मनचन्दा (यह प्रस्तुति पंद्रह साल पुराने मेरे लेखन का संशोधित संस्करण एवं ऊपर संलग्न रील 2023 की है)

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

डीयू में एमए कोर्स को लेकर बड़ा बदलाव, अब सिर्फ एक साल में ही पोस्ट ग्रेजुएशन करने का भी विकल्प

नई दिल्ली। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने इस वर्ष से स्नातकोत्तर (एमए) पाठ्यक्रम की अवधि को लेकर नया विकल्प पेश किया है। अब चार वर्षीय स्नातक (यूजी) कार्यक्रम पूरा करने वाले छात्रों को केवल एक वर्ष में एमए करने का अवसर मिलेगा, जो अब तक संभव नहीं था। यह पहल राष्ट्र नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप मानी जा रही है, जिसका उद्देश्य शिक्षा प्रणाली को अधिक लचीला और छात्र-केंद्रित बनाना है।

चार वर्षीय ग्रेजुएशन करने वाले छात्रों को मिलेगा विकल्प

डीयू प्रशासन के अनुसार, चार साल की ग्रेजुएशन पूरी करने वाले छात्रों के पास यह विकल्प होगा कि वे एक वर्षीय एमए कार्यक्रम चुनें या पारंपरिक दो वर्षीय एमए पाठ्यक्रम में दाखिला लें। इससे छात्रों को अपनी शैक्षणिक और करियर आवश्यकताओं के अनुसार निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिलेगी।वहीं, तीन वर्षीय स्नातक डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए दो वर्षीय एमए करना अनिवार्य रखा गया है, जिससे उनकी पढ़ाई में आवश्यक शैक्षणिक गहराई सुनिश्चित की जा सके। उच्च शिक्षा को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने की पहल

विश्वविद्यालय के इस फैसले से उन छात्रों को विशेष लाभ मिलेगा, जिन्होंने चार वर्षीय अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम के तहत रिसर्च या ऑनर्स आधारित पढ़ाई की है। ऐसे छात्र अब कम समय में उच्च शिक्षा पूरी कर सकेंगे और जल्दी रोजगार या शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ पाएंगे।शिक्षकों का मानना है कि यह कदम भारतीय उच्च शिक्षा को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने की दिशा में अहम साबित होगा। साथ ही, इससे छात्रों के समय और संसाधनों की बचत भी होगी। डीयू का यह नया माडल न केवल छात्रों को अधिक विकल्प प्रदान करता है, बल्कि उच्च शिक्षा में लचीलापन और गुणवत्ता दोनों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है। वहीं इस वर्ष एमए में प्रवेश करने वाले छात्रों में इसे लेकर काफी उत्साह है।

दिल्ली के फेमस बाजार में अचानक बढ़ी स्टोव की डिमांड, 30 हजार तक पहुंचे दाम; संकट के बीच लौटे पुराने दिन

नई दिल्ली। एलपीजी की किल्लत के बीच एशिया के प्रमुख बाजारों में से एक सदर बाजार में करीब 14 बाद केरोसिन स्टोव की वापसी हुई है। यहां की कुछ दुकानों पर उसकी बिक्री होने लगी है। दुकानदारों के अनुसार, उसकी बिक्री में कई गुना की बढ़ोत्तरी हुई है। पहले इसकी मांग नहीं थी। इसी तरह, डीजल चूल्हे की मांग भी खूब हो रही है। एलपीजी के व्यावसायिक सिलिंडरों की उपलब्धता में कमी के चलते यह ढाबे, कैटरिंग समेत अन्य में बड़ी राहत दे रहा है। हाल ही में सरकार ने रसोई गैस किल्लत के बीच केरोसीन (मिट्टी के तेल) की बिक्री के नियमों में ढील दी है। ताकि, नागरिकों को खाना पकाने में एलपीजी की किल्लत के बीच राहत मिले। ऐसे में बाजार की भी स्थिति बदल गई है।एलपीजी संकट से पुराने दिन वापस लौटे

दिल्ली व्यापार महासंघ के अध्यक्ष देवराज बवेजा के अनुसार, वर्ष 2012 में दिल्ली को केरोसिन मुक्त शहर अभियान के तहत तब सरकार ने दो लाख परिवारों को निशुल्क एलपीजी कनेक्शन प्रदान किए थे। वैसे, इसके पहले से ही बिक्री घटने लगी थी। जबकि, सरकार के अभियान के बाद बिक्री पूरी तरह से थम गई। अब एलपीजी संकट से पुराने दिन वापस लौटे हैं। किसी समय सदर बाजार में स्टोव और लालटेन के कई विक्रेता व निमार्ता थे। तब यह केरोसिन स्टोव मामले में पूरे देश का गढ़ था।वक्त के साथ रसोई गैस का चलन और उपलब्धता बढ़ी, तो केरोसिन स्टोव का प्रयोग घटता गया। अब, वैश्विक युद्ध की परिस्थितियों के बीच रसोई गैस की किल्लत महसूस हो रही है, तो फिर से केरोसिन स्टोव व डीजल चूल्हा लौट आया है। वैसे, मांग बढ़ने से इनके दाम भी बढ़ गए हैं। कभी 400 रुपये का स्टोव 1,800 रुपये और आठ-नौ हजार की डीजल स्टोव 30 हजार रुपये तक में बिक रही है। स्टोव का कबाड़ा तक बिक गया सदर बाजार की गली लल्लू मिश्रा, कुतुब रोड और गांधी मार्केट में स्टोव और लालटेन के कारोबारी गिनती के है। बहुत से ट्रेडर्स केरोसिन स्टोव का बिजनेस छोड़कर एलपीजी बर्नर के व्यापार में शिफ्ट हो गए। अब किसी के पास स्टोव नहीं है। स्टोव का कबाड़ा तक बिक गया है। वैसे, अभी केरोसिन की उपलब्धता को लेकर असमंजस की स्थिति है। क्योंकि, सरकार ने उसकी बिक्री के लिए पेट्रोल पंपों को अधिकृत किया है, लेकिन वहां अभी पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा केरोसिन उपलब्ध नहीं कराया है। इस बीच, डीजल से चलने वाले चूल्हे भी बाजार में छाए हुए हैं, जिनकी मांग मुख्य तौर पर कैटरिंग व ढाबे वालों की ओर से हो रही है। केरोसिन स्टोव व डीजल चूल्हा बेच रहे सुशील मित्तल ने बताया कि जब से रसोई गैस की किल्लत पैदा हुई है। तब से मांग बढ़ी है और ये बाजार में लौटे हैं। बाजार में कई तरह के केरोसिन स्टोव आते रहे हैं, जिसमें लोहे, पीतल व बत्ती वाले स्टोव हैं, फिलवक्त लोहे के स्टोव बिक्री के लिए है। देवराज बावेजा ने बताया कि आर्थिक तौर पर कमजोर वर्ग की जरूरत स्टोव है। अब गैस सिलिंडर नहीं मिल रहा, तो मजदूर वर्ग ने स्टोव पर खाना पकाना शुरू किया है। एक ओर जहां घरेलू उपयोग के लिए स्टोव है तो बड़े ढाबों के लिए केरोसिन व डीजल के बड़े चूल्हे भी आ गए हैं। उधर, भले ही केंद्र सरकार ने पंपों से केरोसिन की बिक्री की अनुमति दे दी हो, लेकिन यह अभी पंपों पर उपलब्ध नहीं है। पंप संचालकों के अनुसार, तेल कंपनियों ने इसके लिए कोई प्रविधान नहीं किया है।वैसे, जब यह उपलब्ध होंगे तो उसकी कीमत बाजार मूल्य में 80 से 85 रुपये हो सकती है। दिल्ली करीब 30 वर्ष पूर्व केरोसिन मुक्त हुई थी। अब जबकि, सरकार ने बिक्री की अनुमति दी है तो ढाबे व रेस्तरां के साथ स्ट्रीट फूड वेंडर्स इसे उम्मीद के तौर पर देख रहे हैं।

पूर्वी दिल्ली कड़कड़ी मोड़ पर मलबा रोकने पर चेयरमैन पर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश, पुलिस पर पक्षपात का आरोप

पूर्वी दिल्ली। कड़कड़ी मोड़ के पास सड़क पर मलबा डाल रहे ट्रैक्टर चालक को रोका तो निगम के जोनल चेयरमैन रामकिशोर शर्मा पर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश की गई। शर्मा ने बताया कि जब उन्होंने ट्रैक्टर चालक को मलबा डालने से रोका, तो चालक ने गुस्से में ट्रैक्टर उनकी ओर मोड़ दिया और कुचलने की कोशिश की। चेयरमैन ने तुरंत अपनी गाड़ी से लगभग तीन किलोमीटर तक ट्रैक्टर का पीछा किया और आखिरकार चालक को पकड़ लिया। इसके बावजूद पुलिस ने अभी तक ट्रैक्टर चालक के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है, जिससे चेयरमैन ने पुलिस पर पक्षपात का आरोप लगाया है।

क्रक्के बड़े जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़, पाकिस्तान भेजने की फिराक में थे सेना की गोपनीय जानकारी; 11 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा चलाए जा रहे बड़े जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने दिल्ली और पंजाब से गिरोह के 11 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह के सदस्यों ने देश के अलग-अलग हिस्सों में सीसीटीवी कैमरे लगा रखे थे। गाजियाबाद से जासूसी नेटवर्क में अब तक 24 गिरफ्तारी हुई हैं। इसी कड़ी में कार्रवाई करते हुए स्पेशल सेल ने अब दिल्ली और पंजाब से 11 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए सदस्य टेरर मॉड्यूल की तरह काम कर रहे थे। अब तक कुल 35 सदस्यों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनका नेटवर्क पूरे भारत में फैला हुआ है। जांच में खुलासा हुआ था कि गिरोह के सदस्य सैन्य ठिकानों, रेलवे स्टेशनों समेत अन्य संवेदनशील स्थानों की लोकेशन, फोटो, वीडियो पाकिस्तान भेज रहे थे। इन लोगों ने दिल्ली कैंट और सोनीपत रेलवे स्टेशन पर सोलर बेस्ड कैमरे भी लगाए थे। इन कैमरों की फीड पाकिस्तान दी गई थी।देश में 9 जगहों पर लगाए थे सीसीटीवी कैमरे दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने क्रक्क इडक स्पॉन्सर्ड आतंक, हथियार और जासूसी मॉड्यूल पर इंटर-स्टेट कार्रवाई की है। पुलिस ने सेंसिटिव सिक्योरिटी जगहों के पास लगे 9 सोलर-पावर्ड सीसीटीवी कैमरे बरामद किए हैं। कठुआ से उत्तर भारत में कई जगह सेना से जुड़े प्रतिष्ठान पर कैमरे लगाए लगाए थे। इन कैमरों की फीड एक मोबाइल एप्लीकेशन के जरिए पाक बेस्ड हैंडलर्स को भेजी जा रही थी। पुलिस ने चार पिस्टल और 24 कारतूस भी बरामद किए। मॉड्यूल के आरोपी यूपीआई अकाउंट के जरिए फंड ट्रांसफर करवा रहे थे, जिसका एक हिस्सा इन स्मगल किए गए हथियारों की बिक्री से होने वाली कमाई से आता था। वहीं, जांच में पता चला कि हथियारों की तस्करी से मिले पैसे का इस्तेमाल मॉड्यूल की एक्टिविटीज की फंडिंग के लिए किया गया। दिल्ली पुलिस की इस कार्रवाई से सिक्योरिटी जगहों पर ग्रेनेड हमला टल गया है।पुलिस के मुताबिक, ये मॉड्यूल जासूसी गतिविधियों और आतंकी गतिविधियों में भी शामिल था। ये पाकिस्तान से हथियार भी मंगा रहे थे।

ये आरोपी एन्क्रिप्टेड ऐप्स पर पाकिस्तान-बेस्ड ऑपरेटिव्स के कॉन्टैक्ट में थे। उन्हें हमारी नेशनल सिक्योरिटी को खतरा पहुंचाने वाली जासूसी और तोड़फोड़ वाली एक्टिविटीज के लिए डायरेक्शन मिल रहे थे। स्पेशल सेल रहफके दूसरे ऑपरेशन में एसीपी पूरन पंत की देखरेख में इंस्पेक्टर मनेंद्र सिंह, इंस्पेक्टर नीरज कुमार और संदीप यादव की कई टीमों ने मिलिट्री इंटेलिजेंस (टक) से मिले इनपुट पर कार्रवाई करते हुए पंजाब के पांच आरोपियों को जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया। वे सेंसिटिव सिक्योरिटी जगहों की रेकी करने और फोटो और वीडियो शेयर करने में शामिल थे। आरोपियों से हुई बरामदगी 09 सोलर CCTV कैमरे 09 रक्ट कार्ड के साथ (कपूरथला, जालंधर, पठानकोट, पटियाला, मोगा, अंबाला, कठुआ, बीकानेर, अलवर) 03 PX5 पिस्टल और 01 देसी पिस्टल 24 कारतूस हथियार लेने के लिए इस्तेमाल की गई दो चार पहिया गाड़ियां सेंसिटिव जगहों की रेकी के लिए इस्तेमाल की गई दो मोटरसाइकिल 24 मोबाइल फोन आरोपियों की प्रोफाइल एनडीआर 1. मनप्रीत सिंहः वह अविवाहित है और उसने इउअ किया है। वह एन्क्रिप्टेड ऐप के जरिए पाक हैंडलर्स के संपर्क में आया। उसने पाक हैंडलर्स के कहने पर हथियार इकट्ठा किए और पहुंचाए, सिम कार्ड अरेंज किए और पैसे भी लिए और भेजे।

2. अनमोलः वह अविवाहित है और 10th पास है। वह वॉल पेपर चिपकाने का काम करता है।

DU में सीएम रेखा गुप्ता की चाय पर चर्चा, छात्राओं से कहा- महिला आरक्षण बिल आ रहा है, अब नेतृत्व के लिए रहें तैयार

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के आर्ट्स फैकल्टी में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में आयोजित हस्ताक्षर अभियान में भाग लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के प्रशासन और नीति-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना समय की आवश्यकता है। जब महिलाएं निर्णय लेने वाले पदों पर पहुंचेंगी, तभी वे समाज, परिवार और अपनी जरूरतों से जुड़े मुद्दों पर प्रभावी बदलाव ला सकेंगी। दिल्ली में चलने वाली लखपति बिटिया और अनमोल जैसी योजनाएं इसी संवेदनशील दृष्टिकोण का परिणाम हैं, जो महिला सशक्तीकरण और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करती हैं। कार्यक्रम के दौरान अब नेतृत्व की बारी है, नारी शक्ति वंदन की जिम्मेदारी है और सशक्त नारी, समृद्ध राष्ट्र जैसे संदेशों के माध्यम से महिला नेतृत्व और समान प्रतिनिधित्व के महत्व को रेखांकित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम को एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह बेटी बचाओ से बेटी बढ़ाओ तक की यात्रा को साकार करेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व की मांग दशकों पुरानी है। 1931 से शुरू हुई यह पहल कई चरणों से गुजरी और वर्ष 2023 में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ह्यनारी शक्ति वंदन अधिनियम का कानून बनना इस लंबे संघर्ष का परिणाम है और अब इसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस ऐतिहासिक पहल का हिस्सा बनें और महिला सशक्तीकरण के इस अभियान को जन-आंदोलन का रूप दें। जब महिलाएं निर्णय प्रक्रिया में बराबरी से भाग लेंगी, तभी लोकतंत्र वास्तव में मजबूत बनेगा। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश में राजनीतिक प्रतिनिधित्व का नया अध्याय लिखेगा और भारत को एक अधिक सशक्त, संतुलित और प्रगतिशील लोकतंत्र के रूप में स्थापित करेगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर इस ऐतिहासिक पहल के प्रति अपना समर्थन दर्ज कराया। यहां उपस्थित नागरिकों से अपील की गई कि वे इस पहल के समर्थन में आगे आएं और निर्धारित नंबर 9667173333 पर मिस्ड कॉल देकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। हस्ताक्षर अभियान के बाद मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित चाय स्टॉल पर छात्राओं और महिला शिक्षकों के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने सभी के साथ चाय पीते हुए उनकी राय, अनुभव और सुझावों को गंभीरता से सुना। इस आत्मीय बातचीत के माध्यम से मुख्यमंत्री ने न केवल युवाओं और शिक्षकों से सीधा संवाद स्थापित किया, बल्कि यह भी संदेश दिया कि जनप्रतिनिधि और जनता के बीच संवाद जितना सरल और सहज होगा, नीतियां उतनी ही प्रभावी और जनोन्मुखी बनेंगी।

IGNOU ने जून 2026 TEE फॉर्म की तारीख एक बार फिर बढ़ाई, अब 26 अप्रैल तक बिना लेट फीस कर सकेंगे आवेदन

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने जून 2026 टर्म-एंड एग्जाम (टीईई) के लिए ऑनलाइन परीक्षा फार्म जमा करने की अंतिम तारीख एक बार फिर बढ़ा दी है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, अब छात्र 26 अप्रैल 2026 तक बिना लेट फीस के आवेदन कर सकेंगे। विश्वविद्यालय के इस फैसले से ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ODL) और ऑनलाइन कोर्स में नामांकित हजारों छात्रों को बड़ी राहत मिली है, जो किसी कारणवश तय समय-सीमा के अंदर फॉर्म नहीं भर पाए थे। नई समय-सीमा के अनुसार, जो छात्र 26 अप्रैल तक भी फार्म जमा नहीं कर पाएंगे, वे 27 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 के बीच 1100 रुपये की लेट फीस के साथ आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के छात्र मूल्यांकन प्रभाग ने कहा कि अब इस तारीख में आगे किसी और विस्तार की संभावना नहीं है।इग्नू ने विद्यार्थियों को सलाह दी है कि वे अंतिम समय तक इंतजार न करें और समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें, ताकि तकनीकी समस्याओं या पेमेंट फेल होने जैसी दिक्कतों से बचा जा सके। साथ ही छात्रों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे परीक्षा फॉर्म भरते समय कोर्स कोड, परीक्षा केंद्र सहित सभी जानकारियां सही-सही भरें, क्योंकि किसी भी गलती का असर एडमिट कार्ड जारी होने और परीक्षा शेड्यूल पर पड़ सकता है।

पहले यह विंडो 10 मार्च से शुरू होकर 10 अप्रैल 2026 तक निर्धारित था, जबकि 11 अप्रैल से 24 अप्रैल तक लेट फीस के साथ आवेदन का विकल्प दिया गया था। अब संशोधित शेड्यूल के तहत पूरी प्रक्रिया को आगे बढ़ा दिया गया है।

जेएनयू में गूंजेंगी श्रीरामचरितमानस की चौपाइयां, नई पीढ़ी को सनातन मूल्यों से जोड़ने का है उद्देश्य

नई दिल्ली। भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं को नई पीढ़ी से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में शनिवार को श्रीरामचरितमानस पर संगोष्ठी और दोहा वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम संस्कृति संज्ञान संस्था और जेएनयू के संस्कृत एवं प्राच्य विद्या अध्ययन संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हो रहा है, जिसका उद्देश्य सनातन सांस्कृतिक मूल्यों को पुनर्स्थापित और सशक्त करना है। संस्था का लक्ष्य वर्ष 2030 तक देश के हर परिवार तक श्रीरामचरितमानस के पाठ को पहुंचाना है। इसी क्रम में देशभर के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में मानवता के लिए श्रीरामचरितमानस विषय पर संगोष्ठियों की श्रृंखला चलाई जा रही है। अब तक 17 संगोष्ठियां आयोजित की जा चुकी हैं, जबकि पहली संगोष्ठी दिल्ली विश्वविद्यालय में अगस्त 2024 में हुई थी। कार्यक्रम में छात्रों के लिए दोहा वाचन प्रतियोगिता भी आयोजित होगी, जिसमें प्रतिभागी पांच दोहे या चौपाइयों का कंठस्थ पाठ और उनके जीवनोपयोगी संदेश प्रस्तुत करेंगे। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार और सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।

संगोष्ठी में प्रो. रजनीश मिश्र, डा. प्रदीप कुमार सिंघल, प्रो. हीरामन तिवारी सहित कई विद्वान वक्ता अपने विचार रखेंगे। साथ ही जेएनयू और डीयू के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में भाग लेंगे, जिससे कार्यक्रम ज्ञान और संस्कृति का संगम बनेगा।

दिल्ली-सहारनपुर एक्सप्रेसवे पर 3 महीने तक यातायात रहेगा प्रभावित, ट्रैफिक पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। दिल्ली-सहारनपुर एक्सप्रेसवे (पावी सादकपुर पुश्ता रोड) पर चल रहे कंस्ट्रक्शन के काम की वजह से ट्रैफिक डायवर्जन की व्यवस्था लागू की गई है। इस वजह से पावी सादकपुर से खजूरी खास चौक के बीच के हिस्से पर ट्रैफिक मूवमेंट पर असर पड़ सकता है।

वहीं, ट्रैफिक पुलिस की ओर से यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे पहले से प्लान बना लें। अपील की गई है कि प्रभावित हिस्से से बचें और आसान यात्रा के लिए दूसरे रास्ते के तौर पर दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का इस्तेमाल करें।दिल्ली-सहारनपुर एक्सप्रेसवे (OP बॉर्डर) पर काम अगले 2-3 महीनों तक जारी रहने की उम्मीद है। लेन पर रोक की वजह से ट्रैफिक की मूवमेंट धीमी हो सकती है।

प्रभावित हिस्सा

पावी सादकपुर से खजूरी खास चौक (दोनों कैरिजवे)

2-3 तीन महीने तक प्रभावित रहेगा

अगले 2-3 महीने (24 घंटे असर की उम्मीद)

वैकल्पिक मार्गों की दी गई सलाह

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे

यात्रियों के लिए सलाह

अपनी यात्रा पहले से प्लान करें और यात्रा के लिए पर्याप्त समय दें

पीक आवर्स में खजूरी खास चौक से बचें

आसानी से आने-जाने के लिए दूसरे रास्तों का इस्तेमाल करें

ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक कर्मियों के निदेर्शों का पालन करें

ट्रैफिक साइन और लेन डिसिप्लिन का पालन करें

दिल्ली-एनसीआर की मिट्टी और पानी में जहर! बैटरी रीसाइक्लिंग से खतरनाक स्तर पर लेड प्रदूषण, रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली और पड़ोसी राज्यों में मिट्टी की सेहत को लेकर बेहद चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। पर्यावरण थिंक टैंक "टॉक्सिक्स लिंक" की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली एवं एनसीआर सहित उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में भी बैटरी रीसाइक्लिंग इकाइयों के आसपास की मिट्टी लेड (सीसा) से बुरी तरह प्रदूषित हो चुकी है। रिपोर्ट में विशेष रूप से दिल्ली और उसके आसपास के उन इलाकों को शामिल किया गया है जहां बैटरियों का पुनर्चक्रण होता है। अध्ययन के सबसे डराने वाला पहलू यह है कि जांच के लिए नमूने उन जगहों से लिए गए जो प्राथमिक स्कूलों, स्थानीय समुदायों और रिहायशी बस्तियों के बेहद करीब हैं। मिट्टी के नमूनों में लेड की मात्रा 43,800 पीपीएम मिट्टी के नमूनों में लेड की मात्रा 43,800 पीपीएम तक दर्ज की गई। पर्यावरण संरक्षण (दूषित स्थलों का प्रबंधन) नियम, 2025 के अनुसार 5000 पीपीएम से अधिक लेड वाली जगह को "अत्यधिक खतरनाक" माना जाता है। यानी कई इलाकों में प्रदूषण का स्तर तय सीमा से आठ गुना ज्यादा है। रिपोर्ट बताती है कि दिल्ली के आसपास की कई इकाइयों में बैटरी के कचरे और एसिड को सीधे जमीन पर फेंका जा रहा है, जो सीधे तौर पर यहां के भूजल को जहरीला बना रहा है। अध्ययन में एक चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि दिल्ली के आसपास काम कर रही सरकारी मान्यता प्राप्त इकाइयों के पास मिट्टी में लेड का औसत स्तर, अवैध रूप से चल रही इकाइयों से भी अधिक पाया गया। यह सीधे तौर पर मॉनिटरिंग और प्रवर्तन की भारी विफलता को दशार्ता है।स्वास्थ्य पर गंभीर प्रहार

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, लेड के संपर्क में आने का कोई "सुरक्षित स्तर" नहीं है।

कम मात्रा में भी लेड बच्चों के मस्तिष्क विकास को बाधित करता है, जिससे उनकी सीखने की क्षमता घटती है और व्यवहार संबंधी विकार पैदा होते हैं। गर्भवती महिलाओं व भ्रूण के लिए यह अत्यधिक घातक है।

अत्यधिक संपर्क से कोमा, ऐंठन और मृत्यु तक हो सकती है। "टॉक्सिक्स लिंक" की चेतावनी और मांग टॉक्सिक्स लिंक के एसोसिएट डायरेक्टर सतीश सिन्हा ने जोर देकर कहा कि दिल्ली जैसे महानगर में बैटरी कचरा प्रबंधन नियमों (2022) और ईपीआर ढांचे को कड़ाई से लागू करना अब विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत है।

जस्टिस यशवंत वर्मा से पहले भी देश में 4 जज दे चुके हैं इस्तीफा, किन मामलों पर छोड़ी थी कुर्सी?

नई दिल्ली। देशभर में भ्रष्टाचार के आरोपों के लिए चर्चा में रहे न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने आखिरकार शुक्रवार को इस्तीफा दे दिया। उनके नई दिल्ली स्थित बंगले में जले हुए नोट मिलने के बाद से वे सुर्खियों में बने हुए थे। मगर यह कोई पहला मामला नहीं है। भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में कुछ ऐसे न्यायाधीश भी हुए, जिन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे और उन्होंने महाभियोग की प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही इस्तीफा देकर पद छोड़ दिया। इन चार नामों ने लंबे समय तक सुर्खियां बटोरीं।

1. न्यायमूर्ति पीडी दिनाकरण

तमिलनाडु के मूल निवासी पीडी दिनाकरण सिक्किम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश थे। उन पर कांचीपुरम जिले में करीब 197 एकड़ सरकारी और निजी जमीन हड़पने का गंभीर आरोप लगा। आय से अधिक संपत्ति रखने और पद के दुरुपयोग का भी मामला था। वर्ष 2009 में सुप्रीम कोर्ट में उनकी नियुक्ति की सिफारिश के समय ये आरोप सुर्खियों में आए। जांच समिति ने आरोपों को सही पाया। महाभियोग शुरू होने से ठीक पहले 29 जुलाई 2011 को उन्होंने इस्तीफा दे दिया।2. न्यायमूर्ति सौमित्र सेन

कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सौमित्र सेन पर 1983 के एक मामले में रिसीवर रहते हुए 33.23 लाख रुपये की हेराफेरी का आरोप लगा। कोर्ट द्वारा जमा राशि को उन्होंने अपने निजी खाते में डाल लिया था। राज्यसभा ने 2011 में उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित कर दिया। यह किसी न्यायाधीश के खिलाफ पहला सफल महाभियोग था। लोकसभा में सुनवाई से पहले 1 सितंबर 2011 को उन्होंने इस्तीफा दे दिया।3. न्यायमूर्ति दिलीप बी. भोसले

हैदराबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश दिलीप भोसले पर प्रशासनिक अनियमितताओं और पक्षपात के आरोप लगे। हालांकि, उनके खिलाफ भ्रष्टाचार का कोई बड़ा ठोस मामला नहीं था। 24 अक्टूबर 2018 में अपनी सेवानिवृत्ति की तारीख पर ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया। कई लोगों का मानना है कि यह कदम विवादों से बचने के लिए उठाया गया था। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि उन्होंने इस्तीफा विवादों से बचने और अपनी प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए दिया था। हालांकि, जस्टिस भोसले के मामले में अन्य तीन जजों की तरह स्पष्ट भ्रष्टाचार के सबूत नहीं मिले।

4. न्यायाधीश वी. रामास्वामी

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश वी. रामास्वामी भारत के पहले ऐसे जज थे, जिनके खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू हुई। उन पर पंजाब-हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रहते हुए सरकारी धन के भारी दुरुपयोग का आरोप था। आलीशान फर्नीचर, विदेश यात्राएं और व्यक्तिगत खर्च सरकारी खजाने से किए गए। 1991 में महाभियोग प्रस्ताव लाया गया, लेकिन लोकसभा में यह पास नहीं हो सका। अंततः 1994 में बढ़ते दबाव के कारण उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

इस्तीफानामा में यशवंत वर्मा ने लिखी एक-एक बात न्यायमूर्ति वर्मा ने अपने पत्र में कहा, 'इस्तीफा देने के लिए मजबूर किए जाने वाले कारण की वजह से मैं इस संस्था पर बोझ नहीं बने रहना चाहता और गहरी पीड़ा की वजह से इस्तीफा दे रहा हूं।' उन्होंने महाभियोग की कार्यवाही शुरू होने के बाद इस्तीफा दे दिया है। कानून के जानकारों का कहना है कि अब पार्लियामेंट्री कमिटी की जांच भी स्वतः ही समाप्त हो जाएगी। क्या है जस्टिस वर्मा का पूरा मामला? दिल्ली हाई कोर्ट में न्यायमूर्ति रहने के दौरान उनके दिल्ली स्थित आवास में मार्च 2025 में कथित तौर पर नकदी जलने के बाद उनका स्थानांतरण दिल्ली हाई कोर्ट से वापस इलाहाबाद हाईकोर्ट कर दिया गया था। यहां भी उनके स्थानांतरण का जमकर विरोध हुआ था। विवादों से चर्चा में आने के बाद न्यायमूर्ति के गरिमापूर्ण पद से इस्तीफा देने वालों में अब यशवंत वर्मा का भी नाम शुमार हो गया है। हालांकि, जांच पूर्ण न हो पाने के कारण उन पर लगे आरोपों की पुष्टि होना अब आसान नहीं है।

मुंबई एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 में आग, समय रहते पाया काबू

-रनवे क्षेत्र से उठा धुआं तो कुछ उड़ानें अस्थायी रूप से रोकीं

मुंबई (एजेंसी)। छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर गुरुवार शाम अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और इमरजेंसी टीमें मौके पर पहुंचीं और कुछ ही समय में आग पर काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। एयरपोर्ट प्रवक्ता के अनुसार, आग शाम करीब 6-10 बजे लगी। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने की संभावित वजह माना जा रहा है। आग ग्राउंड फ्लोर स्थित पावर हाउस के सीलिंग लेवल तक सीमित रही, लेकिन वहां मौजूद इलेक्ट्रिक ट्रे, वायरिंग, केबल, इंस्टॉलेशन और इलेक्ट्रिक पैनल को नुकसान पहुंचा। सुरक्षा के मद्देनजर एयरपोर्ट के सभी गेट कुछ समय के लिए बंद कर दिए गए, जिससे यात्रियों की लंबी कतारें लग गईं। टर्मिनल-1 से संचालित कुछ उड़ानों को एहतियातन रोका गया, जिससे फ्लाइट संचालन प्रभावित हुआ। फिलहाल स्थिति सामान्य कर दी गई है और अधिकारियों ने आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

तीन लड़कियों की मौत की वजह बनी सेल्फी... झरने के पास काई में पैर पिसलने से गहरे पानी में गिरी

अल्लूरी(एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में बेहद दर्दनाक हादसा हुआ है, इस घटना ने पूरे क्षेत्र को हिला दिया। विशाखापत्तनम के पास स्थित घटना में पिकनिक मनाने गई चार सहेलियों में से तीन की झरने के तेज बहाव में डूबने से मौत हो गई, जबकि एक लड़की को लोगों की मदद से सुरक्षित बचाया गया। जानकारी के अनुसार, जंबुवलसा गांव की चार सहेलियां अपनी परीक्षाएं खत्म होने के बाद पास की पहाड़ियों में स्थित मुलागुम्मी झरने घूमने गई थीं। सभी लड़कियां खुश और उत्साहित थीं और पिकनिक का आनंद लेकर झरने के पास पहुंचीं। शुरुआत में सब कुछ सामान्य था, लेकिन जल्द ही यह खुशी का पल एक भयानक हादसे में बदल गई। बताया जा रहा है कि 17 वर्षीय त्रिशा, 16 वर्षीय रत्नकुमारी और 16 वर्षीय पवित्रा झरने के बेहद करीब फिसलन भरी चट्टानों पर खड़ी होकर सेल्फी ले रही थीं। तभी चट्टानों पर जमी काई की वजह से संतुलन बिगड़ने के कारण तीनों लड़कियां अचानक गहरे और तेज बहाव वाले पानी में गिर गईं। चौथी सहेली ने मदद की कोशिश की, लेकिन वह खुद सुरक्षित बाहर नहीं निकल सकी। झरने के पास मौजूद लोगों ने लड़कियों की चीखें सुनकर तुरंत मदद के लिए दौड़ लगाई। ग्रामीणों ने साहस दिखाकर एक लड़की को किसी तरह बाहर निकाल कर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर है। हालांकि, बाकी तीन लड़कियां तेज बहाव में बह गईं और उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। सूचना मिलने पर पुलिस और गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची और घंटों की तलाश के बाद तीनों लड़कियों के शव बरामद किए गए।

अमरनाथ यात्रा के लिए 15 अप्रैल से शुरू होगा पंजीकरण, आधार कार्ड रखना जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाबा अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण 15 अप्रैल से शुरू होगा। पंजीकरण की अंतिम तिथि 20 मई है। श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने इसकी घोषणा की है। यह पंजीकरण देश भर के तय बैंक शाखाओं में होगा। यात्रा परमिट 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर मिलेगा। अमरनाथ यात्रा की तारीख जल्द सामने आएगी। देश के कुल 554 बैंक शाखाओं में पंजीकरण होगा। हर बैंक शाखा को रोज एक तय संख्या दी गई है। हर रास्ते के लिए अलग कोटा होगा। 13 साल से कम उम्र के बच्चों का पंजीकरण नहीं होगा। 70 साल से ज्यादा उम्र के लोगों का भी पंजीकरण नहीं होगा। 6 हफ्ते से ज्यादा गर्भवती महिलाओं का भी पंजीकरण नहीं होगा। इस बार पंजीकरण आधार से होगा। हर यात्री को बायोमैट्रिक ई-केवाईसी के बाद परमिट मिलेगा। यह प्रक्रिया एनआईसी पोर्टल पर होगी। अगर तकनीकी समस्या आई, तब मैनुअल तरीका भी अपनाया जाएगा। यात्रा के इच्छुक लोग बैंक में फोटो और डेटा लेकर पंजीकरण कर सकते है। पंजीकरण के लिए आधार कार्ड जरूरी है। हेल्थ सर्टिफिकेट भी जरूरी होगा। मोदी और राज्य सरकार की कोशिश रहेगी इस यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल पाए। यात्रा को आरामदायक बनाने पर जोर है। साथ में सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा।

आतंकी दाग से बेदाग हुए कर्नल पुरोहित बनेंगे ब्रिगेडियर, सेना ने लगाई प्रमोशन पर मुहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने एक ऐतिहासिक और भावुक फैसले में कर्नल श्रीकांत पुरोहित को ब्रिगेडियर रैंक पर पदोन्नत करने की मंजूरी दे दी है। यह फैसला कर्नल पुरोहित के लिए किसी पुनर्जन्म से कम नहीं है, क्योंकि उन्होंने अपने जीवन के करीब दो दशक कानूनी लड़ाइयों और जेल की सलाखों के पीछे बिताए हैं। 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में आरोपी बनाए जाने के बाद उनका चमकता हुआ सैन्य करियर पूरी तरह पटरी से उतर गया था। हालांकि, लंबी कानूनी जंग के बाद अब सेना ने उन्हें उनका हक देने का फैसला किया है। कर्नल पुरोहित मूल रूप से 31 मार्च, 2026 को सेवानिवृत्त होने वाले थे, लेकिन उनकी किस्मत ने तब करवट ली जब सशस्त्र बल न्यायाधिकरण (एएफटी) ने उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए उनकी रिटायरमेंट पर रोक लगा दी। ट्रिब्यूनल ने माना कि पुरोहित के साथ न्याय होना बाकी है। 31 जुलाई, 2025 को मुंबई की एक विशेष एनआईए अदालत ने उन्हें सभी आरोपों से ससम्मान बरी कर दिया था, जिसके बाद उनके प्रमोशन का रास्ता साफ हुआ। कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि उनके खिलाफ सबूतों का अभाव है और अभियोजन पक्ष की कहानी विरोधाभासों से भरी थी। सेना के सूत्रों का कहना है कि यह प्रमोशन कर्नल पुरोहित के उन खोए हुए सालों की भरपाई है जो उन्होंने ट्रायल के दौरान गंवा दिए। यदि यह विवाद न होता, तो वे अब तक मेजर जनरल के पद तक पहुंच चुके होते। उनके बैच के साथी आज सेना में शीर्ष नेतृत्व संभाल रहे हैं। इस प्रमोशन के बाद अब वे ब्रिगेडियर के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। एक समय में आतंकी कहे जाने वाले अधिकारी का एक सीनियर कमांडर के तौर पर वापस लौटना भारतीय सैन्य इतिहास की सबसे चर्चित वापसी में से एक है।

यूपी में एसआईआर की प्रक्रिया पूरी, मतदाता सूची से हटाए गए दो करोड़ से अधिक नाम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हो गई है। इस व्यापक अभियान के दौरान प्रदेश में दो करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम सूची से डिलीट किए गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिनवा ने बताया कि अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 10 अप्रैल 2026 को कर दिया गया है। यह प्रक्रिया पूरे देश में एक साथ संचालित की गई।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में गणना चरण 4 नवंबर 2025 से 26 दिसंबर 2025 तक चला, जबकि दावे और आपत्तियों के लिए 6 जनवरी से 6 मार्च 2026 तक का समय दिया गया था। इसके बाद 27 मार्च तक सभी दावों और आपत्तियों का निस्तारण किया गया। रिनवा ने कहा कि कोई भी मतदाता निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर अपना नाम देख सकता है। जिनका नाम सूची में नहीं है, वे फॉर्म-6 भरकर पुनः पंजीकरण करा सकते हैं।

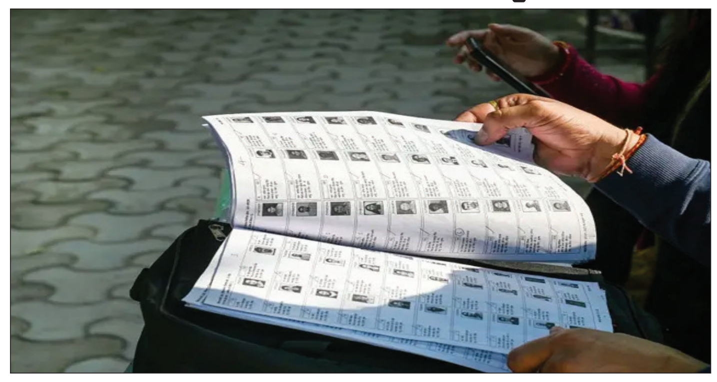

उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि इस अभियान में सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, बूथ लेवल एजेंटों और आम जनता का व्यापक सहयोग मिला। साथ ही प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया ने भी जागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभाई।

उन्होंने बताया कि 166 दिनों तक चले इस अभियान को सफल बनाने में प्रदेश के सभी 75 जनपदों के जिला निर्वाचन अधिकारियों, 403 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, 12,758 सहायक अधिकारियों, 18,026 बीएलओ सुपरवाइजरों और 1,77,516 बीएलओ ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इसके अलावा 5,82,877 बूथ लेवल एजेंटों ने भी सहयोग दिया। रिनवा ने बताया कि अंतिम मतदाता सूची के अनुसार कुल मतदाता 13,39,84,792 हैं जिसमे पुरुष मतदाता 7,30,71,061 (54.54 फीसदी) और महिला मतदाताः 6,09,09,525 (45.46 फीसदी) हैं। उन्होंने कहा कि 6 जनवरी 2026 को प्रकाशित मसौदा सूची में कुल 12,55,56,025 मतदाता शामिल थे, जिनमें 6,88,43,159 पुरुष (54.83 फीसदी), 5,67,08,747 महिलाएं (45.17 फीसदी) और 4,119 तृतीय लिंग मतदाता शामिल थे। 18-19 आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या 3,33,981 रही, जबकि जेंडर रेशियो 824 दर्ज किया गया। मतदाता वृद्धि के मामले में प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, गाजियाबाद और जौनपुर जिले आगे रहे। वहीं साहिबाबाद, जौनपुर, लखनऊ पश्चिम और फिरोजाबाद विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या में सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की गई।

राज्यसभा जाने पर बोले अखिलेश.... हम चाहते थे नीतीश पीएम बनकर रिटायर हों, सपा प्रमुख ने एनडीए पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विपक्षी गठबंधन की इच्छा थी कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनकर राजनीति से रिटायर हों, लेकिन अब हालात कुछ और ही दिशा में जाते दिख रहे हैं। सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि 'इंडिया गठबंधन के कई सहयोगी चाहते थे कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनें और उसी पद से रिटायर हों, लेकिन अब ऐसा लगता है कि वे राज्यसभा सदस्य के रूप में ही रिटायर होंगे।' उन्होंने इसे जनता के साथ 'बड़ा धोखा' करार दिया। गौरतलब है कि सपा प्रमुख ने इससे पहले भी अपने एक बयान में कहा था, कि उनकी पार्टी हमेशा चाहती थी कि विपक्ष का कोई मजबूत चेहरा प्रधानमंत्री बने। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि जब समाजवादी पार्टी ने बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन किया था, तब भी उनकी इच्छा थी कि मायावती प्रधानमंत्री बनें। उसी तरह, जब इंडिया गठबंधन का गठन हुआ तो उस समय भी कई दलों की इच्छा थी कि नीतीश कुमार इस भूमिका में सामने आएं। अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार की राजनीति में ऐसे हालात बनाए गए हैं कि अब नीतीश कुमार का राजनीतिक सफर राज्यसभा सदस्य के रूप में समाप्त होता दिख रहा है।

हिमाचल हाईकोर्ट से कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी को झटका

शिमला। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी को हिमाचल हाईकोर्ट से झटका लगा है। राज्यसभा चुनाव में भाजपा नेता हर्ष महाजन के निर्वाचन को लेकर कांग्रेस नेता सिंघवी ने याचिका दाखिल की थी। इस मामले में सिंघवी ने आवेदन दाखिल कर महाजन की ओर से दी गई गवाहों की सूची और क्रॉस एगजामिनेशन को लेकर आवेदन दाखिल किया था। हिमाचल हाईकोर्ट ने सिंघवी के उक्त आवेदन को खारिज किया। साथ ही अदालत ने महाजन की तरफ से पेश की गई गवाहों की सूची को वैध माना है। हाईकोर्ट ने कहा है कि चुनाव से जुड़े ट्रायल में गवाह आवश्यक हैं। उल्लेखनीय है कि सिंघवी ने अपने आवेदन में हाईकोर्ट के समक्ष आग्रह किया था कि केस में गवाहों की जरूरत नहीं है और न ही किसी प्रकार के विस्तृत साक्ष्यों की जररुत है। हाईकोर्ट ने सिंघवी के इस आवेदन को खारिज किया। हाईकोर्ट ने कहा कि चुनाव याचिका एक ट्रायल बेस्ड प्रोसीडिंग है। इसमें साक्ष्यों के साथ-साथ गवाहों की भूमिका भी अत्यंत आवश्यक है। अदालत ने कहा कि भाजपा नेता महाजन की तरफ से पेश की गई गवाहों की सूची प्रक्रिया के अनुरूप उचित और वैलिड है। यहां बता दें कि 10 मार्च को हाईकोर्ट ने इस आवेदन के संदर्भ में अपना फैसला सुरक्षित किया था।

आईटी कंपनी में गंदा खेल! पुलिस वेश बदलकर दबोचे यौन शोषण और जबरन धर्मांतरण कराने वाले

कोलकाता (एजेंसी)। नासिक, (ईएमएस)। महाराष्ट्र के नासिक में एक मल्टीनेशनल आईटी कंपनी के भीतर चल रहे रेप, यौन शोषण और जबरन धर्मांतरण के सनसनीखेज रैकेट का पुलिस ने बड़ा पर्दाफाश किया है। इस मामले में पुलिस ने सातवीं गिरफ्तारी करते हुए कंपनी की एचआर मैनेजर को सलाखों के पीछे पहुँचा दिया है। आरोप है कि एचआर ने पीड़ित महिला कर्मचारियों की शिकायतों को लगातार नजरअंदाज किया और इस घिनौने खेल को फलने-फूलने का मौका दिया। यदि समय रहते एक्शन लिया गया होता, तो कई महिलाओं को इस मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना से बचाया जा सकता था। पुलिस ने वेश बदलकर आरोपियों को दबोचा और पूरे मामले का पर्दाफाश किया।

इस हाई-प्रोफाइल मामले की जांच किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं रही। शिकायतें मिलने के बाद जब पुलिस को मामले की गंभीरता का अहसास हुआ, तो नासिक पुलिस ने एक गुप्त मिशन तैयार किया। सात महिला पुलिसकर्मियों की एक विशेष टीम ने अपनी पहचान छिपाकर और वेश बदलकर कंपनी के भीतर एंट्री ली। कई दिनों तक कर्मचारी बनकर रहने के दौरान इन महिला अधिकारियों ने संदिग्धों की अश्लील हरकतों और धर्मांतरण के दबाव को रंगे हाथों पकड़ा। पुलिस ने लगभग 40 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, जिनमें आरोपियों की काली करतूतों के पुख्ता सबूत मिले हैं।

अब तक इस मामले में कुल सात गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और मुंबई नाका पुलिस थाने में नौ अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस अब गिरफ्तार एचआर मैनेजर से यह उगलवाने की कोशिश कर रही है कि इस नेक्सस के पीछे और कौन-कौन से बड़े नाम शामिल हैं। क्या यह केवल एक कंपनी तक सीमित मामला है या इसके तार किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय धर्मांतरण गिरोह से जुड़े हैं? इस घटना ने कॉरपोरेट जगत में महिला सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं और प्रशासन अब जिले की अन्य कंपनियों पर भी कड़ी नजर रख रहा है।

नया कानून न्याय के मूल सिद्धांत का उल्लंघन - एडवोकेट अंसार इंदौरी

जयपुर । मानवाधिकार अधिवक्ता अंसार इंदौरी द्वारा आज संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद जिनेवा को एक पत्र जरिए ईमेल भेजा गया है, जिसमें इजरायल द्वारा हाल ही में पारित किए गए नए फांसीड्डमृत्युदंड कानून का विस्तृत विरोध किया गया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई है। उन्होंने अपने पत्र में कई बातें उठाई हैं। पत्र में लिखा गया है कि यह कानून फैसले के लिए सर्वसम्मति की आवश्यकता हटाकर मौत के दंड को सरल बहुमत से देने की संभावना खोलता है, जिससे न्यायिक गलतियों की संभावना बढ़ जाती है। इसके तहत अपील, दंडह्रास और क्षमा जैसे अवसर अत्यधिक सीमित किए गए हैं, जिससे फिलिस्तीनी कैदियों को उचित न्यायिक समीक्षा और न्यायिक निरीक्षण से वंचित करने का खतरा पैदा होता है। कानून स्पष्ट रूप से पश्चिमी तट में रहने वाले फिलिस्तीनी नागरिकों के विरुद्ध युद्ध क्षेत्रीय न्यायालयों के जरिए लागू होता है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों के अनुसार

जातीयड्डआधारित भेदभाव, असमान दंड और अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून के उल्लंघन के रूप में देखा जा रहा है। पत्र में फांसी द्वारा निष्पादन को क्रूर,

इजरायल के नए फांसी कानून के विरोध में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद को लिखा पत्र

अमानवीय और अपमानजनक दंड के रूप में चिन्हित करते हुए इसके विशेष रूप से एक विशेष समुदाय के विरुद्ध लक्षित उपयोग की मजबूत निंदा की गई है।

इस पत्र के माध्यम से मानवाधिकार अधिवक्ता ने परिषद से अपील की है कि वे इस मामले पर ध्यान दें। इजरायल को निर्देश दिया जाए कि वह भेदभावपूर्ण और अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून के विपरीत बने इस कानून को वापस ले और अपने मानवाधिकार दायित्वों का पालन करे।

राघव चड्ढा ने वीडियो जारी कर दिया अपने विरोधियों को जबाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने अपने संसदीय प्रदर्शन पर सवाल उठाने वालों को सोशल मीडिया के माध्यम से जबाव दिया। उन्होंने कहा कि वे आलोचनाओं का जवाब शब्दों से नहीं, बल्कि अपने काम से देना पसंद करते हैं। वीडियो में उन्होंने कई अहम विषयों को प्रमुखता से उठाया है, जिसमें डेटा प्राइवेसी, पितृत्व अवकाश को कानूनी अधिकार बनाने की मांग और बैंकों द्वारा न्यूनतम बैलेंस पर लगाने वाले जुर्माने को समाप्त करने जैसे जनहित के मुद्दे शामिल हैं। इसके अलावा खाद्य मिलावट, 28 दिन के मोबाइल रिचार्ज प्लान, एयरलाइंस के अतिरिक्त बैगेज शुल्क और पेपर लीक जैसे गंभीर मामलों पर भी उन्होंने अपनी बात रखी।

राघव चड्ढा ने वायु प्रदूषण, गिग वर्कर्स के शोषण, हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम में देरी, टोल प्लाजा पर अधिक वसूली और महंगे एयरपोर्ट खाद्य पदार्थों जैसे मुद्दों को भी संसद में उठाया। उन्होंने लोगों को राहत देने के लिए मुफ्त वार्षिक हेल्थ चेकअप का अधिकार देने की वकालत की। साथ ही डिजिटल कॉपीराइट स्ट्राइक, बढ़ते कर्ज-से-जीडीपी अनुपात और भीड़भाड़ वाले एयरपोर्ट्स

की समस्या पर भी चिंता जाहिर की है।

वीडियो में सरकारी बैंकों की स्थिति, दिव्यांगों और सशस्त्र बलों पर टैक्स में राहत, वर्चुअल डिजिटल एसेट्स को वैध बनाने और 'राइट टू हायर, राइट टू फायर' जैसे विषय भी शामिल रहे। उन्होंने महंगाई, पंजाब की 'कैंसर ट्रेन', जल संकट और भूजल की कमी जैसे गंभीर मुद्दों पर भी सरकार का ध्यान आकर्षित किया। इसके अतिरिक्त शिक्षा और रोजगार के बीच बढ़ती खाई, वेतन इंडेक्सेशन, किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), भ्रामक ब्रांडिंग और ग्रामीण बैंकिंग ढांचे को मजबूत करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने भगत सिंह को भारत रत्न देने, 'वन नेशन, वन मेडिकल ट्रीटमेंट', मासिक धर्म स्वच्छता और श्री ननकाना साहिब कॉरिडोर जैसे विषयों को भी उठाया। कुल मिलाकर, यह वीडियो उनके संसदीय कार्यों और जनहित से जुड़े मुद्दों को सामने लाने का एक प्रयास है, जिससे वे यह संदेश देना चाहते हैं कि उनका काम ही उनकी पहचान है।

तमिलनाडु में बड़ा उल्टफेर... एनडीए गठबंधन के समर्थन में उतरे नौ मुस्लिम संगठन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में हाल ही में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है, जिसमें नौ मुस्लिम संगठनों ने एआईएडीएमके (एआईएडीएमके) के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को बिना शर्त समर्थन देने का ऐलान कर दिया है। यह फैसला चेन्नई में हुई बैठक के बाद सामने आया, जिसमें दक्षिण भारत दरगाह मस्जिद एसोसिएशन, तमिलनाडु उर्दू मुस्लिम विकास संगठन सहित कई सूफी-सुन्नी मुस्लिम समूहों के प्रतिनिधि शामिल थे। इन संगठनों ने एआईएडीएमके महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी से मुलाकात की और राजनीतिक समर्थन की घोषणा की। बैठक के दौरान एआईएडीएमके नेतृत्व ने मुस्लिम प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि यदि उनकी सरकार सत्ता में आती है, तब राज्य में अल्पसंख्यक समुदायों, विशेषकर सूफी-सुन्नी मुसलमानों के हितों की रक्षा होगी और उनके कल्याण के लिए कार्य किया जाएगा। इस आश्वासन के बाद मुस्लिम संगठनों ने एनडीए गठबंधन को समर्थन देने का निर्णय लिया।

दक्षिण भारत दरगाह मस्जिद एसोसिएशन ने एक महत्वपूर्ण मुद्दा भी उठाया। संगठन ने हाल ही में राज्य सरकार द्वारा मुख्य काजी की नियुक्ति को लेकर आपत्ति जाहिर की है। उनका कहना है कि परंपरागत रूप से तमिलनाडु में मुख्य काजी की नियुक्ति सूफी-सुन्नी समुदाय की सहमति और परामर्श से होती रही है, लेकिन इस बार बिना समुदाय की राय लिए एक गैर-ताबी कन्नी मुस्लिम को यह पद दे दिया गया, जिससे समुदाय के एक हिस्से में असंतोष पैदा हुआ है। संगठन ने दावा किया कि तमिलनाडु में करीब 2,500 से अधिक मस्जिदें और दरगाहें हैं, जो वक्फ बोर्ड को अपने राजस्व का एक निश्चित हिस्सा दान करती हैं। इसके बावजूद वक्फ संपत्तियों से जुड़े कई मुद्दे पिछले कई वर्षों से अनसुलझे पड़े हैं। कई कानूनी विवाद और याचिकाएं भी लंबित हैं, जिसके कारण मस्जिदों और दरगाहों के प्रबंधन को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि इन समस्याओं के समाधान के लिए कई बार प्रयास किए गए, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। इसी कारण समुदाय के प्रतिनिधियों ने एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन से हस्तक्षेप और सहयोग की अपेक्षा जताई है। कुल मिलाकर, यह घटनाक्रम तमिलनाडु की राजनीति में मुस्लिम समुदाय के एक हिस्से के रुख में बदलाव और आगामी राजनीतिक समीकरणों पर संभावित प्रभाव का संकेत देता है।

अनोखा ग्रीन कॉरिडोर, 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी करेंगे उद्घाटन... 7 घंटे का सफर 2.30 घंटे में

-100 की रफ्तार से दौड़ेंगे वाहन, जानवर भी सुरक्षित

देहरादून (एजेंसी)। पहाड़ों के बीच सिंगल लेन सड़क पर सामने से अचानक हाथियों का झुंड आने से पीछे गाड़ियों को लंबा जाम लगाता था, कभी उफनती नदी.....तब कभी शिवालिक पहाड़ियों से गिरता मलबा सड़क पर जमा लगा देता था। पहले ऐसा ही नजारा दिखाता था दिल्ली से देहरादून रोड पर आने वाला मोहंड बेल्ट पर। 210 किमी लंबे और तीन राज्यों से गुजरने वाले इस एक्सप्रेस-वे का 20 किमी का हिस्सा राजाजी टाइगर रिजर्व में आता है। लेकिन यह हिस्सा अब पूरी तरह बदल चुका है।

अब मोहंड घाटी के ऊपर बने एलिवेटेड कॉरिडोर से गाड़ी 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बिना ब्रेक, बिना जाम दौड़ रही हैं और नीचे हाथियों का झुंड आराम से गुजर रहा है। 20 किमी लंबे हिस्से में एलिवेटेड पार्ट 12 किमी का है। यह ग्रीन कॉरिडोर पर्यावरण संरक्षण और विकास के बीच संतुलन का बेहतरीन मिसाल बना है। इस शानदार एक्सप्रेसवे का उद्घाटन 14 अप्रैल को पीएम नरेंद्र मोदी करने वाले है।

मोहंड घाटी जिस बरसाती नदी से घिरती थी, वहां अब नजर नहीं आती, क्योंकि उस नदी को एलिवेटेड रोड के नीचे से निकाला गया है। सड़क को 35-40 फीट ऊपर, 400 से ज्यादा पिलर्स पर खड़ा किया गया है, ताकि नदी का बहाव, जानवरों के झुंड और विकास तीनों बिना रुकावट चलते रहें।

राजाजी टाइगर रिजर्व के डायरेक्टर बताते हैं कि 14 हजार करोड़ रुपए में बने एक्सप्रेस-वे का 12 किमी का हिस्सा एशिया का सबसे लंबा वाइल्डलाइफ एलिवेटेड कॉरिडोर है। तस्वीरें इस बात का संकेत हैं कि जानवर इसके नीचे से सुरक्षित निकल रहे हैं। ऊपर से भारी वाहन 80 की स्पीड में बाएं और हल्के वाहन 100 की स्पीड पर दाएं चलने वाले है।

पे-पर-यूज टोल सिस्टम, टोल पारंपरिक नाकों वाला नहीं, बल्कि क्लोज्ड टोलिंग सिस्टम होगा। एंट्री-एग्जिट के आधार पर दूरी के हिसाब से शुल्क कटेगा। फास्टैग से बिना रुके भुगतान, जाम की समस्या नहीं। सहारनपुर के कुम्हारहेड़ा में एक टोल प्लाजा पहले से सक्रिय, बाकी एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स पर टोल गेट्स।

इस शानदार एक्सप्रेसवे के बनने से सफर तेज, खर्च कम होगा। 6-7 घंटे का सफर अब 2.5-3 घंटे में, दूरी 260 किमी से 210 किमी होगी। 20 किमी जोखिम भरा पहाड़ी रास्ता अब 12 किमी एलिवेटेड, एक्सीडेंट रिस्क कम होगा। इतना ही नहीं सालाना 93 लाख किलो कार्बन उत्सर्जन घटेगा। इस एक्सप्रेसवे के बनने से पर्यटन, व्यापार को बूस्ट मिलेगा। हरिद्वार-ऋषिकेश-देहरादून का सफर आसान, छुटमलपुर इंटरचेंज से लॉजिस्टिक्स तेज। पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। वहीं बागपत,

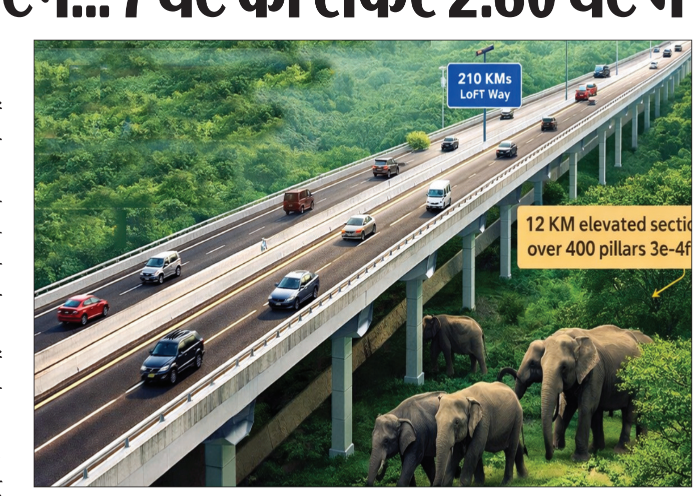

शामली, सहारनपुर जैसे शहरों में एक्सप्रेसवे पर नए ग्रोथ हब के रूप में विकसित होने वाले है।

द्वितीय वार्षिक परीक्षा के आवेदन हेतु बढाई अंतिम तिथि बिना विलम्ब शुल्क 12 अप्रैल तक सकते हैं आवेदन

चंडीगढ़(एजेंसी)। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा नई शिक्षा नीति के तहत सैकेण्डरी/सीनियर सैकेण्डरी (नियमित) एवं गुरूकुल/विद्यापीठ (पूर्व मध्यमा सह माध्यमिक/उत्तर मध्यमा सह वरिष्ठ माध्यमिक) की दो बार परीक्षा आयोजित करवाने का निर्णय लिया गया है। इस परीक्षा हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 10 अप्रैल, 2026 निर्धारित की गई थी, जिसे अब बढाकर 12 अप्रैल, 2026 कर दिया गया है। परीक्षार्थी बिना विलम्ब शुल्क के समय रहते आवेदन कर सकते हैं।बोर्ड प्रवक्ता ने यह जानकारी देते हुए बताया कि ऐसे सभी नियमित परीक्षार्थी जो वार्षिक परीक्षा फरवरी/मार्च-2026 में प्रविष्ट हुए हैं लेकिन अपनी दी गई परीक्षा से संतुष्ट नहीं हैं, ऐसे परीक्षार्थियों को शिक्षा बोर्ड द्वारा अंक सुधार का मौका दिया गया है। उन्होंने बताया कि इच्छुक परीक्षार्थी अतिरिक्त विषय को छोडक़र अधिकतम किन्हीं भी 03 विषयों की पुन: परीक्षा देने के लिए स्वयंपाठी तौर पर 1000/-रूपये शुल्क सहित बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट 222.ड्ढह्यद्गद्ध.शह्म्द्द.द्बठ्ठ पर 12 अप्रैल, 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने आगे बताया कि इसके अतिरिक्त जो परीक्षार्थी अपरिहार्य कारणों जैसे गंभीर बीमारी/चोट/खेल व सांस्कृतिक प्रतियोगिता इत्यादि परिस्थितियों के कारण वार्षिक परीक्षा में प्रविष्ट नहीं हो पाए, ऐसे सभी परीक्षार्थी बोर्ड कार्यालय में निर्धारित तिथियों में संपर्क करते हुए निर्धारित शुल्क ऑफलाइन व पात्रता संबंधित दस्तावेज जमा करवाकर परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। यदि कोई परीक्षार्थी प्रथम वार्षिक परीक्षा में सभी विषयों की परीक्षा में अनुपस्थित रहा है और पुन: परीक्षा हेतु आवेदन करता है तो ऐसे परीक्षार्थी का आवेदन पत्र अयोग्य मानते हुए रद्द किया जाएगा। इसके लिए परीक्षार्थी स्वयं जिम्मेदार होगा।उन्होंने बताया कि परीक्षा की तिथि बारे परीक्षार्थियों को शीघ्र ही सूचित कर दिया जाएगा। ऑनलाइन आवेदन करते समय किसी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान हेतु हैल्पलाईन नंबर 01664-254300 पर संपर्क कर सकते हैं।

हरियाणा में एक आईएएस व दो एचसीएस अधिकारियों के तबादले

चंडीगढ़(एजेंसी)। -हरियाणा ने तत्काल प्रभाव से एक आईएएस और 2 एचसीएस अधिकारियों के स्थानांतरण एवं नियुक्ति आदेश जारी किए हैं।आईएएस अधिकारी डॉ. सुभिता ढाका को रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां नियुक्त किया गया है।वहीं, एचसीएस अधिकारी सुश्री चिनार को स्कूल शिक्षा विभाग में उप सचिव नियुक्त किया गया है।श्री हरि राम को श्री अप्रतिम सिंह के स्थान पर उपमंडल अधिकारी (नागरिक), हथीन नियुक्त किया गया है।श्री अप्रतिम सिंह के नियुक्ति के आदेश बाद में जारी किए जाएंगे। वे अपना कार्यभार छोड़ने के बाद मुख्य सचिव कार्यालय में अपनी ज्वाइनिंग रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

हरियाणा में 4 आईएएस व 13 एचसीएस अधिकारियों के तबादले

चंडीगढ़(एजेंसी)। हरियाणा ने तत्काल प्रभाव से 4 आईएएस और 13 एचसीएस अधिकारियों के स्थानांतरण एवं नियुक्ति आदेश जारी किए हैं।आईएएस अधिकारी श्री विजय कुमार सिद्धप्पा भाविकट्टी, को राज्यपाल का सचिव, श्रम आयुक्त तथा श्रम विभाग का विशेष सचिव नियुक्त किया गया है।श्री अनीश यादव, जो वर्तमान में विकास एवं पंचायत विभाग के निदेशक तथा विशेष सचिव के पद पर कार्यरत थे, को हैफेड तथा हरियाणा इंटरनेशनल हॉर्टिकल्चर मार्केटिंग कॉरपोरेशन, गनौर के प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है।श्री विक्रम को दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम, उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम का प्रबंध निदेशक तथा ऊर्जा विभाग का विशेष सचिव लगाया गया है। वे हरियाणा मिनरल्स लिमिटेड, नई दिल्ली के प्रबंध निदेशक भी रहेंगे।श्री सचिन गुप्ता, जो वर्तमान में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त सचिव तथा एचएसएमआईटीसी के प्रबंध निदेशक तथा रोहतक के उपायुक्त हैं, को हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, रोहतक के प्रशासक तथा शहरी सम्पदा, रोहतक अतिरिक्त निदेशक का कार्यभार भी सौंपा गया है।एचसीएस अधिकारियों में श्री अमित कुमार-1 को उपमंडल अधिकारी (नागरिक), पुन्हाना लगाया गया है। श्री वीरेंद्र चौधरी को श्री शम्भू के स्थान पर जिला परिषद कुरुक्षेत्र तथा डीआरडीए कुरुक्षेत्र का मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया गया है।श्री मनीष कुमार लोहान, जो वर्तमान में नागरिक उड्डयन विभाग के अतिरिक्त निदेशक के पद पर कार्यरत हैं, को खान एवं भूविज्ञान विभाग तथा सूचना, जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग के अतिरिक्त निदेशक का कार्यभार भी सौंपा गया है श्री सुरेंद्र सिंह-2 को मेडिकल कॉलेज खानपुर कलां, सोनीपत में अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) नियुक्त किया गया है।श्री वेद प्रकाश को उपमंडल अधिकारी (नागरिक) डबवाली; श्री भूपेंद्र सिंह को उपमंडल अधिकारी (नागरिक), पलवल तथा श्री अश्वीर सिंह को उपमंडल अधिकारी (नागरिक) बरवाला लगाया गया है।श्री संजीव कुमार को श्री मनोज कुमार-1 के स्थान पर उपमंडल अधिकारी (नागरिक) बावल नियुक्त किया गया है।इसी प्रकार, एचसीएस अधिकारी सुश्री अनमोल को सहकारी चीनी मिल, सोनीपत का प्रबंध निदेशक लगाया गया है।सुश्री ज्योति नागपाल को सिटी मजिस्ट्रेट गुरुग्राम; सुश्री सपना यादव को संयुक्त निदेशक (प्रशासन), हिपा गुरुग्राम; श्री हनी बंसल को उपमंडल अधिकारी (नागरिक) फरीदाबाद तथा श्री अंकित कुमार-2 को उपमंडल अधिकारी (नागरिक) गोहाना नियुक्त किया गया है।एचसीएस अधिकारी श्री शंभू तथा श्री मनोज कुमार-1 के नियुक्ति आदेश बाद में जारी किए जाएंगे। दोनों अधिकारी कार्यमुक्त होने के बाद मुख्य सचिव कार्यालय में अपनी ज्वाइनिंग रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

शॉर्ट सर्किट से वर्कशाप में लगी आग, मशीनें जली

फरीदाबाद, (एजेंसी)। मुजेसर क्षेत्र में एक वर्कशॉप में शॉर्ट सर्किट होने के कारण आग लग गई। यह आग कमलेश इंटरप्राइजेज नामक वर्कशॉप में लगी। इस वर्कशॉप में ग्लब्स बनाने का काम किया जाता है। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और करीब आधे घंटे के अंदर आग पर काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी को चोट नहीं आई, हालांकि दो मशीनें और कुछ सामान जलकर खराब हो गया। स्थानीय निवासी अजीत ने बताया कि शुक्रवार को सुबह वर्कशॉप में काम करने वाले दो-तीन मजदूर पहुंचे थे। जैसे ही एक मजदूर ने मशीन चालू की, अचानक मशीन में शॉर्ट सर्किट हो गया। शॉर्ट सर्किट होने के बाद मशीन में आग लग गई और उससे जुड़े बिजली के बॉक्स में भी आग फैल गई। इसी दौरान तेज आवाज भी हुई और वर्कशॉप के अंदर से धुआं निकलने लगा। वर्कशॉप से धुआं निकलता देख आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। अजीत भी अंदर पहुंचे और सबसे पहले बिजली के मीटर और बॉक्स से बिजली की सप्लाई बंद करवाई, ताकि आग और ज्यादा न फैले। इसके बाद आसपास के लोगों ने मिलकर पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश शुरू कर दी। कुछ लोगों ने वर्कशॉप के अंदर रखा सामान भी बाहर निकालना शुरू कर दिया ताकि नुकसान कम हो सके। इस दौरान दमकल विभाग को भी आग लगने की सूचना दे दी गई थी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की एक गाड़ी सबसे पहले मौके पर पहुंची और कुछ ही मिनट बाद दूसरी गाड़ी भी पहुंच गई। दमकल कर्मियों ने तुरंत आग बुझाने का काम शुरू किया और करीब आधे घंटे की मेहनत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। आग लगने से मशीन के आसपास रखे ग्लब्स, प्लास्टिक के डिब्बे और कुछ अन्य सामान जल गया।

पेयजल सप्लाई के लिए की जाएगी गुरूग्राम वाटर सप्लाई चैनल की रिमोडलिंग - मुख्यमंत्री नायब सिंह

70 किलोमीटर लम्बे सप्लाई चैनल के निर्माण पर आएगी 1993 करोड़ रुपये की लागत

आगामी 2050 तक की आबादी को सुलभ होगा पर्याप्त पेयजल

चंडीगढ़(एजेंसी)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरूग्राम में पेयजल सप्लाई के लिए बनाए जा रहे गुरूग्राम वाटर सप्लाई चैनल का कार्य तेज गति से पूरा किया जाए ताकि लोगों को निश्चित समय में पर्याप्त मात्रा में पेयजल सुलभ हो सके।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शुक्रवार को रिमोडलिंग ऑफ गुरूग्राम वाटर सप्लाई चैनल की स्टेडिंग फाईनेंस कमेटी की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, सिंचाई मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरूण गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल सहित सिंचाई विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।मुख्यमंत्री ने कहा कि सोनीपत के काकरोई हैड से बसई जल घर तक बनने वाले इस चैनल से गुरूग्राम को 686 क्यूसेक पानी मिलेगा, जो आगामी 2050 तक की आबादी को पर्याप्त मात्रा में सुलभ हो सकेगा। लगभग 70 किलोमीटर लम्बाई के इस चैनल के निर्माण पर लगभग 1993 करोड़ रुपए से अधिक की राशि व्यय की जाएगी। इस कार्य में पूर्ण रूप से अण्डर ग्राउण्ड पाइप लाईन बिछाई जाएगी ताकि पानी की शुद्धता को बरकरार रखा जा सके।

उन्होंने कहा कि इस सप्लाई चैनल की क्षमता को बढ़ाकर एक हजार क्यूसिक की जाए ताकि इसका लाभ ओर अधिक आबादी को अधिक समय तक मिलता रहे। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत करवाया कि गुरूग्राम को 500 क्यूसिक पानी सप्लाई एनसीआर कैनाल से किया जाएगा। इस प्रकार गुरूग्राम को आगामी वर्षो में 1500 क्यूसिक पानी की सप्लाई होगी। इसके अलावा मेवात क्षेत्र के लिए भी 389 क्यूसिक पेयजल का अलग से प्रावधान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्य पारदर्शी ढंग से किया जाए और उच्च क्वालिटी का होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पेयजल सप्लाई प्रोजेक्ट का कार्य अढाई साल में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसकी लगातार मोनिटरिगं की जाए और इस कार्य को लक्ष्य से लगभग तीन माह पहले पूरा कर लिया जाए। गुरूग्राम की आबादी लगातार बढ़ रही है और अब गुरुग्राम महाग्राम बन गया है। इसकी पूरी आबादी को निर्बाध रूप से स्वच्छ पेयजल सुलभ करवाना हरियाणा सरकार का दायित्व एंव जिम्मेवारी है।मुख्यमंत्री ने कहा कि अण्डर ग्राउण्ड बिछाई जाने वाली इस पेयजल पाईप लाईन पर सोलर पैनल लगाने का भी प्रावधान किया जाए ताकि सौर ऊर्जा से बिजली सुलभ हो सके। इसके अलावा गुरूग्राम वाटर सप्लाई चैनल से मिलने वाले पानी का उचित डिस्ट्रीब्यूशन सुनिश्चत करने के लिए वाटर ट्रिटमेंट प्लांट बनाने के लिए भी जगह का चयन कर लिया जाए ताकि उन पर जल्द कार्य शुरू करवाया जा सके।

मुख्यमंत्री अगले महीने स्वचालित राजस्व प्रणाली शुरू करेंगे

1,900 पटवारियों की जल्द होगी नियुक्ति

चंडीगढ़(एजेंसी)। हरियाणा सरकार अगले महीने एक स्वचालित राजस्व प्रशासन प्रणाली शुरू करने जा रही है, जो कागजरहित और नागरिक-केंद्रित शासन की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। यह पहल मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में की जा रही है। इस सुधार अभियान का नेतृत्व करते हुए वित्त आयुक्त (राजस्व एवं आपदा प्रबंधन) डॉ. सुमिता मिश्रा ने शुक्रवार को मंडलायुक्तों और उपायुक्तों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में राज्य की राजस्व व्यवस्था में तेजी, जवाबदेही और तकनीक के माध्यम से व्यापक बदलाव पर जोर दिया गया।

डॉ. मिश्रा ने निर्देश दिए कि लगभग 1,900 नव-प्रशिक्षित और तकनीकी रूप से दक्ष पटवारियों को जल्द से जल्द जिलों में तैनात किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये डिजिटल रूप से सक्षम अधिकारी नई राजस्व प्रणाली की रीढ़ बनेंगे और तकनीकी ढांचे को मजबूत करेंगे। उन्होंने उपायुक्तों को निर्देश दिए कि निर्धारित समय-सीमा से अधिक लंबित मामलों को तुरंत निपटाया जाए और पांच दिन से अधिक की देरी को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिलों को प्राथमिकता के आधार पर लंबित मामलों को खत्म करने के निर्देश दिए गए हैं।

फिल्ड स्तर पर ये 1,900 तकनीकी पटवारी भूमि प्रशासन से जुड़े अहम कार्यों को संभालेंगे, जैसे भूमि रिकॉर्ड का आधार से लिंक करना, लाल डोरा नक्शों का अपडेट, रोवर तकनीक से भूमि का सटीक सीमांकन, एग्रीस्टैक के तहत डिजिटल डेटा का सत्यापन और कब्जे से जुड़े खसरा-खाना कष्ट मामलों का त्वरित निपटान आदि। उन्होंने कहा कि इनकी नियुक्ति से कार्यभार कम होगा और कार्यक्षमता में सुधार आएगा।

डॉ. मिश्रा ने निर्देश दिए कि लंबित इंतकाल (म्यूटेशन) मामलों को तय समय में लगभग शून्य तक लाया जाए ताकि ऑटो-म्यूटेशन प्रणाली पूरी तरह लागू की जा सके। जिलों को प्रवेश और स्वीकृति के बाद दोनों स्तरों पर तेजी से अनुमोदन करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सीमांकन के मामलों में रोवर आधारित तकनीक से लंबित ऑनलाइन मामलों को समय-सीमा में निपटाया जाएगा।

समीक्षा में डिजिटल शासन में हुई प्रगति भी सामने आई। पेपरलेस रजिस्ट्रेशन प्रणाली के तहत 3.23 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से करीब 84 प्रतिशत स्वीकृत हो चुके हैं, जिससे प्रक्रियाओं में तेजी और मानवीय हस्तक्षेप में कमी आई है। भूमि रिकॉर्ड के क्षेत्र में लगभग 85 प्रतिशत जियो-रेफरेंस्ड गांव अब भू-नक्शा पोर्टल पर उपलब्ध हैं, जिससे डेटा की सटीकता और उपलब्धता बढ़ी है।

कृषि डिजिटलीकरण में भी अच्छी प्रगति हुई है। एग्रीस्टैक किसान रजिस्ट्रेशन पर कार्य तेजी से चल रहा है, जबकि डिजिटल फसल सर्वेक्षण 54 प्रतिशत से अधिक पूरा हो चुका है। जमाबंदी अपडेट लगभग 86 प्रतिशत तक पहुंच चुका है और शेष मामलों को जल्द निपटाया जा रहा है।

डॉ मिश्रा ने कहा कि आगामी स्वचालित प्रणाली हरियाणा के राजस्व प्रशासन में एक नया अध्याय शुरू करेगी, जिसमें इंतकाल, रजिस्ट्रेशन और रिकॉर्ड प्रबंधन को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जोड़ा जाएगा। नागरिक ऑनलाइन दस्तावेज अपलोड कर सकेंगे, डिजिटल रिकॉर्ड देख सकेंगे और जल्दी स्वीकृति प्राप्त कर सकेंगे, जिससे कार्यालयों के चक्कर कम होंगे और देरी में कमी आएगी।समीक्षा बैठक में युवा आपदा मित्र योजना की प्रगति पर भी चर्चा की। इस योजना के तहत 5,000 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है और उन्हें इमरजेंसी रिस्पॉन्डर किट (श्वक्रद्ग) और बीमा सुविधा दी जा रही है। सोनीपत और कुरुक्षेत्र में प्रशिक्षण पूरा हो चुका है, जबकि गुरुग्राम, फरीदाबाद, नूंह, रेवाड़ी, यमुनानगर और पंचकूला में विस्तार जारी है। सभी जिलों को निर्देश दिए गए हैं कि किट वितरण और दस्तावेजीकरण सही तरीके से सुनिश्चित किया जाए, ताकि स्वयंसेवकों को प्रेरित किया जा सके।

पीएम श्री स्कूलों को लेकर नई दिल्ली में हुई महत्वपूर्ण बैठक

चंडीगढ़,(एजेंसी)। भारत सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग (ष्ठश्वस्थ्वरु) और हरियाणा सरकार के शिक्षा विभाग के बीच कर्तव्य भवन, नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता श्री संजय कुमार, आईएएस, सचिव, ष्ठश्वस्थ्वरु भारत सरकार ने की। इस अवसर पर श्री धीरज साहू, आईएएस, अतिरिक्त सचिव, भारत सरकार भी उपस्थित रहे।हरियाणा की ओर से प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व श्री विजय सिंह दहिया, आईएएस, प्रधान सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग ने किया। उनके साथ श्रीमती वर्षा खांगवाल, आईएएस, राज्य परियोजना निदेशक; डॉ. मयंक वर्मा, एचसीएस, संयुक्त राज्य परियोजना निदेशक; डॉ. बलकिशन यादव, सलाहकार (योजना) सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक का मुख्य उद्देश्य हरियाणा के पीएम श्री स्कूलों के लिए भारत सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त करना था। हरियाणा सरकार ने लगभग 200 करोड़ परियोजनाओं का प्रस्ताव सफलतापूर्वक प्रस्तुत किया।इन प्रस्तावों का उद्देश्य पीएम श्री स्कूलों का सर्वांगीण विकास करते हुए उन्हें उत्कृष्टता के केंद्र बनाना है। इन में स्कूल भवन और अन्य बुनियादी ढांचे का विस्तार, खेल सुविधाओं का विकास, कौशल विकास (स्किलिंग) सुविधाओं की स्थापना, स्कूलों को पर्यावरण के अनुकूल बनाना, नवाचार क्लब (इनोवेशन क्लब) की स्थापना, रोबोटिक्स और एआई प्रशिक्षण की शुरुआत, दिव्यांग बच्चों (ष्ट्ङ्खस्ह्) के लिए विशेष योजनाएं, ताकि उनका नामांकन बढ़े और वे मुख्यधारा की शिक्षा से जुड़ सकें।बैठक के दौरान भारत सरकार ने हरियाणा सरकार की विभिन्न सराहनीय पहलों की प्रशंसा की। इनमें कुशल बिजनेस चैलेंज (जो छात्रों में उद्यमिता कौशल विकसित करने के लिए है), सरकारी स्कूलों के छात्रों के इसरो दौरे और आईसीएमआर के साथ मिलकर शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं।प्रधान सचिव श्री विजय सिंह दहिया ने बताया कि हरियाणा में वर्तमान में 250 पीएम श्री स्कूल हैं, जिनमें लगभग 1.5 लाख छात्र पढ़ते हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य इन स्कूलों को उत्कृष्ट मॉडल स्कूलों के रूप में विकसित करना है। उन्होंने कहा कि बैठक सकारात्मक रही और हरियाणा को जल्द प्रस्तावित फंड प्राप्त होगा।

सरकारी जमीन से कब्जा हटाने की तैयारी

पलवल, (एजेंसी)। पलवल में सरकारी जमीन से कब्जा साफ किया जाएगा और इसके लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। विभिन्न गांवों में कार्रवाई के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं। एसडीएम प्रीति रावत ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। जारी आदेशों के अनुसार गांव अमरोली में पंचायत रास्ते से अतिक्रमण हटाने की जिम्मेदारी जिला बागवानी अधिकारी पुष्पेंद्र को सौंपी गई है। वहीं गांव मांदकोल में सरकारी रास्तों पर कब्जा हटाने के लिए बीडीपीओ प्रवीण कुमार को तैनात किया गया है। यहां कार्रवाई शुरू हो चुकी है और कार्य पूरा होने तक जारी रहेगी। गांव तातारपुर में 20 अप्रैल को फिरनी रास्ते से और हरफली में 23 अप्रैल को जोहड़ की जमीन से कब्जे हटाए जाएंगे।

भारत 1.20 लाख मान्यता प्राप्त स्टार्टअप के साथ विकास की नई शक्ति का प्रतीकः राज्यपाल

- हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने टाईकॉन चंडीगढ़-2026 की दो दिवसीय कान्फ्रेंस का किया शुभारंभ
- हरियाणा सरकार की स्टार्टअप नीति के चलते राज्य ने 7000 से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप का योगदान किया
- युवाओं से रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने की सोच रखने का आह्वान किया

चंडीगढ़(एजेंसी)। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि आज भारत का स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र नवाचार-आधारित विकास की शक्ति का प्रमाण है जिसमें 1 लाख 20 हजार से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स हैं जिनसे 12 लाख से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं।

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने यह बात आज चंडीगढ़ स्थित हयात रिजेंसी में टाईकॉन चंडीगढ़-2026 की दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि उपस्थितगण को संबोधित करते हुए कही। उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए आयोजित इस कॉन्फ्रेंस की सराहना करते हुए उन्होंने आयोजकों को बधाई व शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं को रोजगार मांगने की नहीं बल्कि रोजगार देने की सोच के साथ नवाचार की ओर प्रवृत्त होना चाहिए। ऐसा करके हम माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों के अनुरूप विकसित भारत बनाने के यज्ञ में अपनी आहुति डाल सकते हैं।

राज्यपाल प्रो. घोष ने कहा कि भारत देश में विशाल मध्यम वर्ग है जिनकी जरूरतों को ध्यान में रखकर यदि आधुनिक तकनीक के साथ नए प्रयोग किए जाएं तो युवा वर्ग के सामने रोजगार की कोई कमी नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि देश में खाद्य प्रौद्योगिकी जैसे अनेक क्षेत्रों में नवीन प्रयोग करने की असीम संभावनाएं हैं, क्योंकि देश में इसके लिए कच्चा माल प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है।

राज्यपाल प्रो. घोष ने कहा कि यह खुशी और गर्व की बात है कि हरियाणा राज्य 7000 से अधिक स्टार्टअप्स के साथ एक महत्वपूर्ण योगदान कर्ता के रूप में उभरा है। उन्होंने हरियाणा की स्टार्टअप नीति की सराहना करते हुए इसे उद्यमियों के अनुकूल बताया।

प्रो. घोष ने कहा कि हरियाणा के गुरुग्राम ने खुद को एक वैश्विक स्टार्टअप और प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में स्थापित कर लिया है।

उन्होंने कहा कि टाईकॉन चंडीगढ़ उत्तर भारत के नवाचार और उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है। उन्होंने कहा कि यह बहुत उत्साहजनक है कि पंचकूला एक उभरते हुए विकास केंद्र के रूप में सामने आ रहा है। अपनी सुनियोजित अवसंरचना, रणनीतिक कनेक्टिविटी और चंडीगढ़ के निकट होने के कारण, पंचकूला अगली पीढ़ी के स्टार्टअप्स, आईटी कंपनियों और नवाचार-आधारित निवेश को आकर्षित करने के लिए अच्छी स्थिति में है।

उन्होंने कहा कि मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि टाई चंडीगढ़ 23 देशों में फैले 67 से अधिक चैप्टर्स वाले वैश्विक टाई नेटवर्क का हिस्सा है और यह सबसे सक्रिय और प्रभावशाली इकाइयों में से एक है। 450 से अधिक चार्टर सदस्यों और उद्यमियों के मजबूत समुदाय के साथ, इसने पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़ और अन्य क्षेत्रों में सैकड़ों स्टार्टअप्स को मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान किया है। इसके प्रमुख कार्यक्रम, टाई वुमैन, टाई यूनिवर्सिटी और टाई यंग एंटरप्रोन्योर सभी स्तरों पर प्रतिभा को विकसित कर रहे हैं जो हर वर्ष 300 से अधिक प्रतिभागियों को जोड़ते हुए भविष्य के उद्यमियों की मजबूत आधारशिला तैयार कर रहे हैं।

उन्होंने खुशी जताई कि टाई चंडीगढ़-2026 में 2000 से अधिक प्रतिनिधि, 50 से अधिक निवेशक, 80 से अधिक वक्ता और 50 से अधिक स्टार्टअप्स शामिल हैं, उन्होंने इसे पारिस्थितिकी तंत्र के विस्तार और ऊर्जा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के स्वप्न को साकार करने के लिए यह आवश्यक है कि हम सहयोग, नवाचार और समावेशन के माध्यम से इस पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूत बनाते रहें। इस अवसर पर लेडी गवर्नर श्रीमती मित्रा घोष, टाई चंडीगढ़ के अध्यक्ष पुनीत वर्मा, पूर्व अध्यक्ष मुरली बुक्कापटनम, ब्रह्म अलरेजा, रवि शर्मा, विशाल केडिया, सुमेध सचदेव, आशु शर्मा, ऋतिका सिंह, पूजा नायर, जेबी सिंह, अजय तिवारी, हिरदेश मदान, सतीश के. अरोड़ा व हरित मोहन सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-7-8-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-2-5-7

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-7-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-4-6

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ नरम रहेगा। शुभांक-5-7-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अतः वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-3-5-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-4-7-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-1-4-6

काकुरो पहेली - 3855

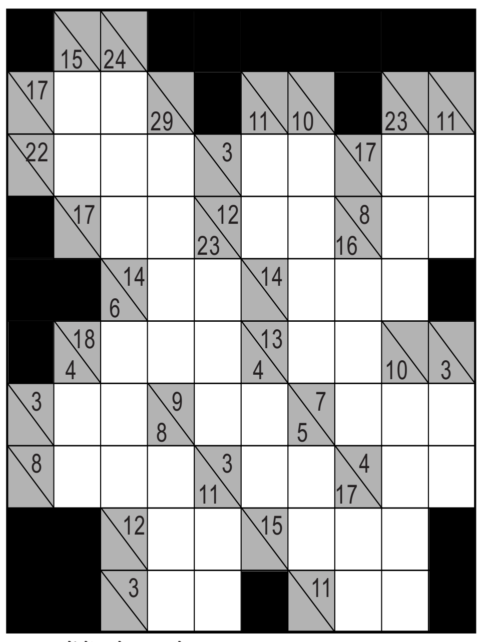

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

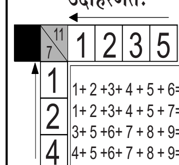

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3854 का हल

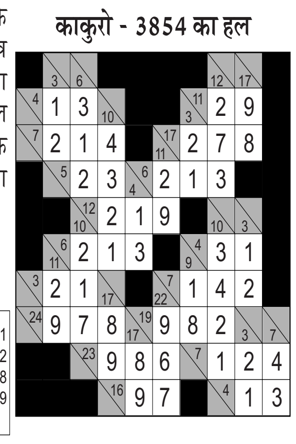

हंसी के फूव्वारें

मालकिन ने नई नौकरानी से पूछा-'देखो ! मैं ज्यादा बातचीत नहीं करती. अगर मैं अंगुली से इशारा करूँ तो समझ लो कि मैं बुला रही हूँ.'

इस पर नौकरानी बोली-'जी ! मैं भी बहुत कम बोलना पसन्द करती हूँ. अगर मैं अपना सिर हिला दूं तो समझ जाइये कि मैं नहीं आ सकती.'

□ □ □

जेल की एक कोठरी में बैठे तीन कैदी बता रहे थे कि वे क्यों पकड़कर बन्द कर दिये गए ?

पहला-'मै चुनाव में राजनारायण के पास में काम कर रहा था !'

दूसरा-'और मैं राजनारायण के खिलाफ काम कर रहा था !'

तीसरा-'राजनारायण मैं खुद हूँ.'

□ □ □

प्रेमिका बोली, ''मैं किसी ऐसे व्यक्ति के साथ विवाह न करूंगी जो झूठ बोलता हो.''

प्रेमी बोला, ''तब तो तुम सारा जीवन कुंवारी रहोगी.''

□ □ □

मंत्री जी ने अस्पताल के नवनिर्मित ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन करते हुए अपने भाषण में कहा—''भाइयों, ऑपरेशन थिएटर का निर्माण एक अच्छी बात है. इतने बड़े अस्पताल में रोगियों के मनोरंजन के लिए उनका अपना थिएटर होना बहुत जरूरी है.''

फिल्म वर्ग पहेली- 3855

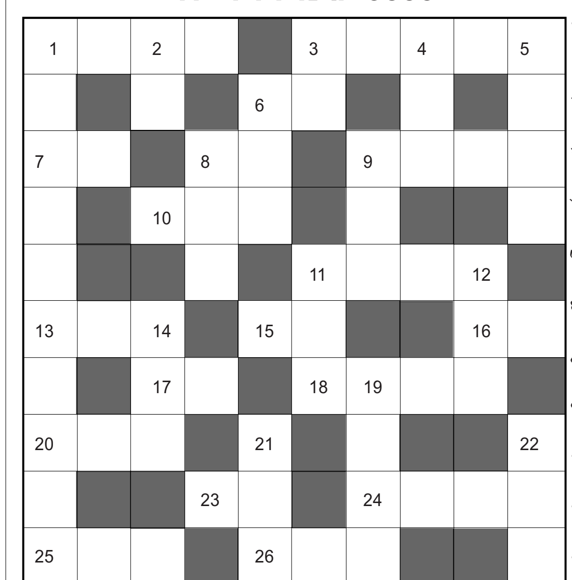

बायें से दायें:-

१. इमरान हाशमी, दीपल शॉ की 'क्योंकि इतना प्यार' गीत वाली फिल्म-४
३. 'सौ दर्द हैं सौ राहतें' गीत वाली प्रीती, सलमान, अक्षय की फिल्म-२,१,२
६. आमिर खान, माधुरी दीक्षित की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
७. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली अमिताभ, मनोज की फिल्म-२
८. मोहित अहलावत, निशा की 'धीमी धीमी सी जिंदगी' गीतवाली फिल्म-२
९. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा की फिल्म-४
१०. अनिलकपूर, स्मिता की 'आसमान छत हो मेरी' गीत वाली फिल्म-३
११. 'एक था बचपन' गीत वाली अशोक कुमार, संजीव, सुमिता की फिल्म-४
१३. सनी, मीनाक्षी शेशाद्रि की 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-२
१६. नसीर, जैकी, शिल्पा, की 'लड़का लड़की से' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं ऐसा क्यों हूँ' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक की फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, लीना की 'दुनिया ने मुझको समझा नाकारा' गीत वाली फिल्म-४
२०. 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली अनिलकपूर, पूनम की फिल्म-३
२३. संजयदत्त, उर्मिला की 'ये जान ले ले रे' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'प्यार मुझसे जो किया' गीत वाली फारूख शेख, दीप्ति की फिल्म-२,२
२५. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'दूल्हा दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'चोरी चोरी जब नजरें मिली' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'मितवा, कहे धड़कने तुझसे' गीत वाली अमिताभ, शाहरूख, जॉन, अभिषेक, काजोल की फिल्म-२,४,१,३
२. अजय, अभिषेक, रानी, करीना, 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' गीत वाली फिल्म-२
३. 'एक लड़की बस गई' गीत वाली सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
४. राहुल खन्ना, जॉन, मिथुन, लारा, अमीषा की 'बेचैन मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-३
५. 'कश पे कश लगाने दे' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२
६. ऋषि कपूर, शाहरूख, दिव्या की 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'तुम्हारे प्यार में' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा की फिल्म-३
९. नाना, सलमान, मनीषा, सीमा की 'आज मैं ऊपर आसमां नीचे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मेरी बन्नो की आएगी' गीत वाली जैकी, जूही, अमृतासिंह की फिल्म-३
१२. अक्षय खन्ना, सोनाली बेंद्रे की 'सावन बरसे तरसे दिल' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'दूध का कर्ज' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी ?-३
१९. जैकी श्रॉफ मोहसिन खान, नीलम की 'दे दो दे दो मुझे दिल' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली संजय दत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२२. गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल की 'म्हारो गाँव काथिया पारे' गीत वाली श्याम बेनेगल निर्देशित फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3854

सूडोकु -3855

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3854 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 3855

बाएँ से दाएँ

1.अत्यावश्यक-6
5.कारागार,जेल-4
8.पानी,नीर-2
9.मीन,मत्स्य-3
10.लक्ष्मी,कमला-2
11.कलाकार,फनकार-4
12.मर्द,मादा का विलोम-2
14.हसरत,मुराद-4
15.कैद में,अवरुद्ध,रुका-2
17.भूमि,धरती-3
19.मतवासा,मदहोश-4
21.फिल्मी दुनिया-3,3
24.दुर्भाग्यशाली-5
27.ठोकर लगना,भिड़ना-4
29.दौंडी पीटना-3
31.सांप,सर्प-2
32.दाल-4
33.हूर,अप्सरा-2
35.गाड़ी चलाने वाला-4
36.पिता का छोटा भाई-2
38.पुत्र,बेटा-3
39.टौंटी,नलका-2
40.ललचाना,तड़फाना-4
41.टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे

1.ईश्वर,अनश्वर-3,3
2.तेलहन-2
3.सुखद वस्तु, वर देना-4
4.करधनी,कमर पेटी-5
5.गलीचा-3
6.दिन-2
7.समस्या का हल-4
11.धरोहर,थाती-4
13.मिट्टी,धूल-2
16.चमकना-4
18.वायुसेना का एक विमान-3
19.इतराना-4
20.परत-2
22.जाप करना-3
23.किवाड़,द्वार-2
25.उदाहरणतः-4
26.परवरिश-3,3
28.राग छेड़ना-5
29.भेंट,मेल-मिलाप-4
30.दिया,दीपक-2
32.औषधालय, दवाखाना-4
34.खाली होना-3
37.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.नया,नवीन-2

शब्द पहेली -3854 का हल

रोज ब्रश करते हो, कितनी देर करते हो, ध्यान रखना कीटाणु दाँतों में सड़न पैदा करते हैं। डेंटिस्ट से लेकर टीचर तक सब बच्चों को यही शिक्षा देते आए हैं। परंतु यह शोध पढ़ने के बाद शायद उनका सोच बदले।

मुँह के कीटाणु ज्यादातर फायदेमंद

रोज ब्रश करते हो, कितनी देर करते हो, ध्यान रखना कीटाणु दाँतों में सड़न पैदा करते हैं। डेंटिस्ट से लेकर टीचर तक सब बच्चों को यही शिक्षा देते आए हैं। परंतु यह शोध पढ़ने के बाद शायद उनका सोच बदले। एक शोध के मुताबिक मुँह में 600 कीटाणु होते हैं और इनमें से अधिकांश शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं।

अमेरिका के फोरसिथ इंस्टीट्यूट के डॉ. फ्लाइड ड्यूहर्स्ट का कहना है कि मनुष्य के मुख में सूक्ष्म कीटाणु काफी फायदेमंद हो सकते हैं। न केवल दंत विशेषज्ञों के लिए वरन अन्य चिकित्सा विशेषज्ञों के लिए भी यह खबर फायदेमंद हो सकती है।

वैज्ञानिक अभी तक यह गिन सके हैं और अब यह जानने की भी कोशिश कर रहे हैं कि क्या इनका संबंध हृदयरोग, पक्षाघात या समय से पहले जन्म से होता है। मुँह में पाए जाने वाले अधिकांश बैक्टेरिया फायदेमंद होते हैं। ये दाँत और मसूड़ों की सेहत बनाकर रखते हैं।

ह्यूमन ओरल माइक्रोबियोम डाटाबेस वैज्ञानिकों ने तैयार किया है। लंदन के किंग्स कॉलेज के वैज्ञानिकों ने यह जानकारी जुटाई है। वैज्ञानिकों ने यह भी पता लगाया है कि यह कीटाणु किस तरह के होते हैं और इनका चयापचय कैसा होता है, साथ ही इनमें बीमारी पैदा करने की क्षमता कितनी होती है।

यह सारी जानकारी उनके डीएनए और प्रोटीन से जोड़कर देखी जाएगी। वैज्ञानिक यह भी देख रहे हैं कि इन कीटाणुओं का डीएनए कैसा है, साथ ही इनका अनुवांशिकी किस तरह से बना है। यह सारी जानकारी अगले तीन साल में एकत्र कर ली जाएगी।

स्वस्थ रहने के नौ टिप्स

- अगर सुख की नींद सोना हो तो सोते समय 'चिंता' न करें, प्रभुनाम का 'चिंतन' करें।
- पाचन शक्ति ठीक रखनी हो तो ठीक वक्त पर भोजन करें और प्रत्येक कौर को 32 बार चबाएँ।
- यदि यौनशक्ति ठीक रखनी हो तो कामुक चिंतन न किया करें और सप्ताह में एक से अधिक बार सहवास न किया करें।
- यह गलतफहमी है कि अण्डा, माँस खाने से बल बढ़ता है और शराब पीने से आनंद आता है। अण्डा, माँस खाने से शरीर मोटा-तगड़ा जरूर हो सकता है पर कुछ बीमारियाँ भी इसी से पैदा होती हैं। शराब पीने से आनंद नहीं आता, बेहोशी आती है और बीमारियाँ होती हैं।
- अपनी आर्थिक शक्ति से अधिक धन खर्च करने वाला कर्जदार हो जाता है। अपनी शारीरिक शक्ति से अधिक श्रम करने वाला कमजोर हो जाता है। अपनी क्षमता से अधिक विषय भोग करने वाला जल्दी बूढ़ा और नपुंसक हो जाता है और अपने से अधिक बलवान से शत्रुता करने वाला नष्ट हो जाता है।
- भोजन करते समय और सोते समय किसी भी प्रकार की चिंता, क्रोध या शोक नहीं करना चाहिए। भोजन से पहले हाथ और सोने से पहले पैर धोना तथा दोनों वक्त मुँह साफ करना हितकारी होता है।
- यदि आप मुफ्त में स्वस्थ और चुस्त बने रहना चाहते हैं तो आपको तीन काम करना चाहिए। पहला तो प्रातः जल्दी उठकर वायु सेवन के लिए लम्बी सैर के लिए जाना और दूसरा ठीक वक्त पर खूब अच्छी तरह चबा-चबाकर खाना तथा तीसरा दोनों वक्त शौच अवश्य जाना।
- बीमारी की अवस्था में, बीमारी से मुक्त होने के बाद, भोजन करने के बाद, परिश्रम या यात्रा से थके होने पर प्रातःकाल तथा सूर्यास्त के समय और उपवास करते समय विषय भोग करना बहुत हानिकारक होता है।
- यदि आप सुख चाहते हैं तो दुःख देने वाला काम न करें, यदि आप आनंद चाहते हैं तो स्वास्थ्य की रक्षा करें। यदि आप स्वास्थ्य चाहते हैं तो व्यायाम और पथ्य का सेवन करें। संसार के सब सुख स्वस्थ व्यक्ति ही भोग सकता है। कहा भी गया है- पहला सुख निरोगी काया।

लहसुन प्रतिदिन खाएँ

तेज गंध वाली लहसुन एक संजीवनी है जो कैंसर, एड्स और हृदय रोग के विरुद्ध सुरक्षा कवच बन सकती है।

'एनल्स ऑफ इंटरनल मेडिसिन' की एक रिपोर्ट के मुताबिक प्रति सप्ताह पाँच दाना कच्ची या पकी लहसुन खाने से कैंसर का खतरा 30 से 40 फीसदी कम हो जाता है। लहसुन में कैंसर से लड़ने की विलक्षण क्षमता है। लहसुन सेवन से कोलेस्ट्रॉल में 4 से 6 फीसदी गिरावट हो सकती है।

दूसरी ओर 'जर्नल ऑफ न्यूट्रीशन' के एक अध्ययन के मुताबिक लहसुन के सेवन से कोलेस्ट्रॉल में 10 फीसदी गिरावट आती है। कुछ लोग यह मानते रहे हैं कि लहसुन से कोलेस्ट्रॉल की मात्रा घटाने में ही सफलता मिलती है, जबकि सचाई यह है कि यह हृदय रोग से लड़ने में भी सक्षम है।

लहसुन के सेवन से रक्त में थक्का बनने की प्रवृत्ति बेहद कम हो जाती है, जिससे हृदयाघात का खतरा टलता है। लहसुन का सेवन उच्च रक्तचाप में भी काफी लाभदायक माना गया है।

लहसुन में एंटीबायोटिक दवाओं से अधिक गुण हैं, जिसकी वजह से वह रोगाणुओं का नाश करती है। यही कारण है कि घाव धोने के लिए लहसुन के एक भाग रस में तीन भाग पानी मिलाकर काम में लिया जाता है।

जिनके शरीर में रक्त की कमी है, उन्हें लहसुन का सेवन अवश्य करना चाहिए, इसमें पर्याप्त मात्रा में लौह तत्व होता है जो कि रक्त निर्माण में सहायक होता है। लहसुन में विटामिन सी होने से यह स्कर्वी रोग से भी बचाता है।

यह आँतों के छिपे मल को भी बाहर निकाल देती है और कब्ज से मुक्ति दिलाती है। लहसुन का इस्तेमाल जोड़ों के दर्द या गठिया में भी होता है तथा यह सूजन का भी नाश करती है। यदि काली खाँसी की शिकायत हो, तो लहसुन के रस की पाँच-पाँच बूंदें सुबह-शाम लेनी चाहिए।

सोयाबीन कोलेस्ट्रॉल को कम करता है

अनेक बार हो चुके अध्ययनों से यह बात पता चली है कि सोयाबीन को भोजन में नियमित रूप से शामिल किया जाए तो शरीर में कोलेस्ट्रॉल लगभग 34 प्रतिशत घट जाता है।

सोयाबीन में पाया जाने वाला 'फाइटोइस्ट्रोजेन' (पौधों में पाया जाने वाला प्राकृतिक एस्ट्रोजेन) स्तन कैंसर के खतरों को कम करने में भी मददगार साबित होता है।

सोयाबीन के फाइटो इस्ट्रोजन को 'आइसो फ्लावॉन्स' के नाम से जाना जाता है। यह शरीर के प्राकृतिक एस्ट्रोजेन में रुकावट पैदा करके स्तन कैंसर के खतरे को कम करता है। साथ ही साथ मेनोपॉज के बाद महिलाओं में होने वाले 'हॉट फ्लैशेज' में भी कमी लाता है।

इतना ही नहीं, यह केमिकल कैंसर ग्रस्त गाँठ को पोषण देने वाली रक्त-वाहिनियों की वृद्धि को भी रोकता है। सोयाबीन खाने का सबसे सरल तरीका है गेहूँ के आटे में सोयाबीन का आटा मिलाकर चपातियाँ बनाना, पुलाव या बिरयानी में सोयाबीन को शामिल करना और सब्जियों के साथ सोयाबीन को पकाना।

फल खाओ, स्वस्थ रहो

जो लोग फल-तरकारियाँ नहीं खाते और सोचते हैं कि विटामिन की गोलियाँ खा लेने से आहार की कमियाँ पूरी हो जाएँगी, गलत सोच रहे हैं। रंगीन फलों और सब्जियों में विशेष एंटीऑक्सीडेंट तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर में ऑक्सीजन के हानिकारक प्रभाव को खत्म करता है।

पिज्जा-बर्गर खाकर रहने वाली पीढ़ी को तुष्ट करने के लिए डॉक्टर विटामिन की गोलियाँ लिख देते हैं जिनसे आहार में विटामिन ए, बीटाकैरोटीन और विटामिन ई की पूर्ति होने का तर्क होता है।

पिछले दिनों आहार विशेषज्ञों ने अलग से खाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंटों की समीक्षा की और पाया कि वे शरीर को कोई उल्लेखनीय फायदा नहीं पहुँचाते। चौंका देने वाला परिणाम तो यह है कि वे मौत की आशंका को ही बढ़ाते हैं। यहाँ-वहाँ से चुने (रेंडमाइज्ड) 67 मामलों के मेटर-विश्लेषण से पाया गया कि एंटीऑक्सीडेंट की सप्लीमेंट्री खुराक मृत्यु की आशंका को कम नहीं करती। इस नतीजे को 2 लाख लोगों से बातचीत कर प्राप्त की हुई जानकारी से बल मिला है।

समीक्षा करने वाले सह लेखक क्रिश्चियन ग्लड ने यह साबित कर दिया है कि इन विटामिनों का प्रभाव मरीजों को ऊपरी राहत देने से ज्यादा प्राणांतक है। समीक्षकों ने एंटीऑक्सीडेंट के बढ़-चढ़कर किए जाने वाले प्रयोग पर

तुरंत पाबंदी लगाए जाने की माँग की है।

- मनुष्य के शरीर में भोजन को पूरी तरह पचने में 12 घंटे का समय लगता है।
- शार्क मछली में कैंसर से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता होती है।

अब दाँत फिर से उगने लगेंगे

एक बार दाँत टूट जाने के बाद फिर से नकली दाँत लगवाने पड़ते हैं, लेकिन निकट भविष्य में 'डेंटल केयर एंड क्योर' के क्षेत्र में क्रांति आने वाली है।

भविष्य में की जाने वाली डेंटल सर्जरी के तरह दर्दरहित इंजेक्शनों और 'फिलिंग्स' का इस्तेमाल किया जाने लगेगा, जिसकी वजह से दाँत फिर से जीवित होकर खुद-ब-खुद काम करने लगेंगे या फिर से पूरा का पूरा दाँत नया निकल आएगा।

'अमेरिकन डेंटल एसोसिएशन' ने हाल ही में कम्प्यूटर से कंट्रोल होने वाले पहले 'एनेस थेटिक इंजेक्शनों' को लगाने की क्रिया का प्रदर्शन किया। ये इंजेक्शन बहुत ही धीमी गति से लगाए जाते हैं, ताकि दर्द बिल्कुल न हो।

अमेरिकी वैज्ञानिक एक ऐसी प्रक्रिया भी विकसित करने में जुटे हैं जो दाँतों के लिए कोई ऐसी स्थिति बनाने में मदद करेगी कि दाँत फिर से उग सकें, चाहे मरीज उम्रदराज ही क्यों न हो।

Disclaimer (अस्वीकरण) :

टाइम्स ऑफ पीडिया में पब्लिश किये गए आलेखों में व्यक्त किए गए विचार लेखक के निजी विचार हैं। इसमें दी गई किसी भी सूचना डाटा की सटीकता, संपूर्णता, व्यावहारिकता अथवा सच्चाई के प्रति टाइम्स ऑफ पीडिया उत्तरदायी नहीं है। आलेख में सभी सूचनाएं ज्यों की त्यों प्रस्तुत की गई हैं। इस आलेख में दी गई कोई भी सूचना अथवा तथ्य अथवा व्यक्त किए गए विचार टाइम्स ऑफ पीडिया के नहीं हैं, तथा टाइम्स ऑफ पीडिया उनके लिए किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं है। (TOP Legal Cell)

संक्षिप्त डायरी

मुरादाबाद में जिला पंचायत द्वारा बनाए गए नूरपुर के अमृत सरोवर की मुख्यमंत्री की तारीफ

मुरादाबाद (एजेंसी) । मुरादाबाद जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ शैफाली सिंह ने गुरुवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। डॉ शैफाली सिंह ने बताया कि इस दौरान मुख्यमंत्री द्वारा हमारे पैतृक ग्राम नूरपुर में हुए विकास कार्यों की प्रशंसा की गई व अमृत सरोवर पर हुए भव्य धार्मिक आयोजन के लिए बधाई प्रेषित की। इसके साथ ही सीएम योगी ने आगामी पंचायत चुनाव, उप्र विधानसभा चुनाव-2027 व जिला पंचायत के अंतर्गत हुए विकास कार्यों को लेकर चर्चा की। डॉ शैफाली सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री ने ग्राम नूरपुर में बने ऐतिहासिक अमृत सरोवर के लिए बधाई दी व मुरादाबाद जिला पंचायत के द्वारा कराए गए विकास कार्यों की भी सराहना की। जिला पंचायत अध्यक्ष ने बताया कि हमारे पैतृक गांव नूरपुर संभल रोड मुरादाबाद में 15 अगस्त 2022 को तत्कालीन कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र सिंह के कर कमलों द्वारा अमृत सरोवर के निर्माण हेतु शिलान्यास किया गया। निर्माण के पश्चात गांव में यह किसी पर्यटन स्थल से कम नहीं माना जा रहा है। मंडल के विभिन्न जनप्रतिनिधियों व प्रतिष्ठित उद्योगपतियों ने ग्राम नूरपुर की तुलना प्रमुख पर्यटन स्थलों से की। कहा, जिला पंचायत मुरादाबाद में अपने कार्यकाल के दौरान मेरे द्वारा प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन व प्रेरणा से संपूर्ण जनपद के सभी ब्लॉकों में 780 से अधिक गांवों में विकास कार्य करवाएं गयें हैं।

वाराणसी में पुलिस आयुक्त ने एक निरीक्षक, ग्यारह उपनिरीक्षकों को किया निलंबित

वाराणसी (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के वाराणसी कमिश्नरेट के पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने गुरुवार की रात्रि में विभिन्न थानों कैण्ट, शिवपुर व लालपुर -पाण्डेयपुर के समस्त उपनिरीक्षकों के कार्य-प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए एक निरीक्षक, ग्यारह उपनिरीक्षकों को निलम्बित कर दिया। निलम्बित हुए निरीक्षक और उप निरीक्षकों में थाना कैण्ट के निरीक्षक संतोष पासवान, उप निरीक्षक आशीष श्रीवास्तव, उप निरीक्षक भैरव श्रीवास्तव,उप निरीक्षक मुन्ना यादव, उप निरीक्षक जमुना प्रसाद तिवारी, उप निरीक्षक प्रवेश कुन्तल, थाना शिवपुर के उप निरीक्षक अशोक कुमार सिंह, उप निरीक्षक कोमल यादव, उप निरीक्षक आशीष कुमार सिंह, थाना लालपुर -पाण्डेयपुर से उप निरीक्षक प्रमोद कुमार गुप्ता, उप निरीक्षक कोमल कुमार गुप्ता, उप निरीक्षक विजेन्द्र सिंह को खराब प्रदर्शन के कारण निलम्बित कर दिया।
बता दें कि वाराणसी कमिश्नरेट के पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने लम्बित विवेचना, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य संकलन, बीडब्लू, एनबी डबलू का तामीला एवं गिरफ्तारी, बिना नंबर गाड़ियों की सीज की कार्यवाही, विपरीत दिशा में चलने वाले वाहनों की समीक्षा किया। निलम्बित सभी उपनिरीक्षकों पर विवेचना 60 दिनों से भी अधिक अवधि तक लम्बित पाई गई। शिकायती प्रार्थना पत्रों का निस्तारण भी संतोषजनक नहीं पाया गया। इस दौरान अपर पुलिस आयुक्त अपराध आलोक प्रियदर्शी, पुलिस उपायुक्त वरूणा जोन प्रमोद कुमार, अपर पुलिस उपायुक्त नीतू, सहायक पुलिस आयुक्त कैण्ट अपूर्व पाण्डेय सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम के बच्चों की शिकायतों का लिया गया संज्ञान

वाराणसी (एजेंसी) । वाराणसी में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि वाराणसी के समस्त गैर सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त विद्यालयों के प्रबन्धक व प्रधानाचार्यों को निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 12 (1) (ग) के अंतर्गत चयनित एवं आवंटित बच्चों के प्रवेश के संबंध में प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लिया गया है। प्राप्त शिकायतों में विद्यालयों द्वारा बच्चों को प्रवेश देने से इंकार करना, अभिभावकों से अवैध अथवा अनावश्यक शुल्क की मांग करना, प्रवेश हेतु अप्रासंगिक दस्तावेजों की मांग करना तथा अभिभावकों को अनावश्यक रूप से परेशान करना सम्मिलित है, जो कि अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन है। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि यदि किसी विद्यालय के विरुद्ध इस प्रकार की शिकायत प्राप्त होती है एवं जांच में आरोप सत्य पाए जाते हैं, तो संबंधित विद्यालय के विरुद्ध अधिनियम की धारा 13 के अंतर्गत कठोर विधिक कार्यवाही की जाएगी तथा ऐसे विद्यालयों को शुल्क प्रतिपूर्ति का भुगतान नहीं किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, शासन के आदेश अनुसार निर्धारित दिशा-निदेर्शों के अनुरूप प्रवेश प्रक्रिया का अनुपालन सुनिश्चित करना अनिवार्य है। पत्र निर्गत होने के पश्चात भी यदि किसी विद्यालय के विरुद्ध प्रवेश न देने संबंधी शिकायत प्राप्त होती है, तो संबंधित विद्यालय की मान्यता प्रत्याहरण की कार्यवाही की जाएगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित विद्यालय की होगी। अतः समस्त विद्यालयों को निर्देशित किया जाता है कि उपर्युक्त निदेर्शों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें।

प्रसूता योजना के नाम पर ठगी, साइबर सेल ने वापस कराए रुपये

मीरजापुर (एजेंसी) । प्रसूता को सरकारी लाभ दिलाने के नाम पर हुई साइबर ठगी के मामले में संतनगर थाना साइबर सेल ने कार्रवाई करते हुए पीड़ित के खाते में 10,600 रुपये वापस कराए। पटेहरा कला निवासी विश्वम्भर ने 13 दिसंबर 2025 को एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी कि अज्ञात व्यक्ति ने प्रसूता योजना का लाभ दिलाने का झांसा देकर उनसे रुपये ठग लिए। शिकायत के बाद साइबर सेल टीम ने जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में टीम ने कार्रवाई करते हुए पूरी धनराशि पीड़ित के खाते में वापस करा दी। शुक्रवार को पैसा वापस मिलने पर पीड़ित ने पुलिस टीम का आभार जताया। इस दौरान साइबर सेल ने पीड़ित को जागरूक करते हुए लोगों से ऐसे झांसे से बचने की अपील की। कार्रवाई में निरीक्षक राजेश कुमार, उपनिरीक्षक सुशील कुमार व आरक्षी विकास कुमार शामिल रहे।

जौनपुर में आग से गुमटियां जलकर राख

जौनपुर (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में लाइन बाजार थाना क्षेत्र स्थित वाजिदपुर तिराहे के पास सिटी टावर से पहले सड़क किनारे बनी गुमटियों में शुक्रवार सुबह 4 बजे आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते कई गुमटियां इसकी चपेट में आ गईं। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दिया। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड के अधिकारी नागेंद्र द्विवेदी अपनी टीम और दो दमकल गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में जुट गए। आग ने विकराल रूप ले लिया था, तभी अचानक आग लगी देखी। उन्होंने तुरंत लोगों को फोन कर सूचना दी और फायर स्टेशन को भी जानकारी दी, जिसके बाद फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। आग से कई दुकानदारों को भारी नुकसान हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी ने नेशनल इंटरवेंशनल काउंसिल 2026 का किया उद्घाटन

लखनऊ (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कार्डियोलॉजी सोसायटी ऑफ इण्डिया की ओर से लखनऊ के अटल बिहारी बाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय में आयोजित नेशनल इंटरवेंशनल काउंसिल 2026 का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में भारत समेत कई देशों के विशेषज्ञ चिकित्सक शामिल हुए हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बीमारू भारत सशक्त नहीं हो सकता, समृद्ध नहीं हो सकता और आत्मनिर्भर भी नहीं हो सकता है। स्वास्थ्य के लिए इलाज से पहले लोगों को अपनी दिनचर्या को बदलना होगा। इसके लिए चिकित्सकों को आगे आना होगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संस्था ने लंबी यात्रा तय करने के बाद यह सेमिनार लखनऊ में कर रही है। यह बदलते हुए भारत में उत्तर प्रदेश का नया स्वरूप है। आज भारत नई प्रतिस्पर्धा के साथ दुनिया में खड़ा है। 2017 से पहले यह उत्तर प्रदेश खुद बीमारू राज्य के रूप में खड़ा था। आज भारत में अग्रणी भूमिका में खड़ा है। यह हम सब के लिए चिंता का विषय है। भारत जैसे देश में जहां प्राचीन काल से ही इन चीजों पर ध्यान दिया जाता रहा है। समय सोना, जगना, संतुलित आहार, पौष्टिक आहार लेना हमारे जीवन का हिस्सा रहा है। यह सब हमारी दिनचर्या में शामिल था। दिनचर्या बदली, लाइफ स्टाइल बदली और उसके परिणाम भी हम सब के सामने हैं। आज हम सब जिस चुनौती से घिरे हुए हैं। इसके दो पक्ष हमारे सामने है। यह बचाव और एक उपचार का पक्ष है। आपकी उपचार में रुचि में है। आप इस क्षेत्र में रिसर्च में रुचि होगी। लेकिन मेरा मानना है कि बचाव ज्यादा जरूरी है। उसके लिए जागरूकता फैलाना चाहिए। बहुत बड़ी संख्या में इस बीमारी की चपेट में लोग आ रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि ऐसा नहीं है कि सरकार ने इस ओर कोई ठोस कदम न उठाए हों। आठ से 10 साल पहले कोई व्यक्ति बीमार पड़ता था तो परिवार को सबसे अधिक पैसे की चिंता होती थी। भारत के 60 से अधिक लोगों को हेल्थ स्कीम से जोड़ा गया है। उनका निःशुल्क इलाज हो रहा है। उप्र में आयुष्मान योजना के अलावा मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से लाभान्वित किया है। राज्य कर्मचारियों के साथ ही अभी हाल में ही आंगबाड़ी कार्यकर्त्रियों, रसोइयां, शिक्षा मित्र और अनुदेशकों को भी को निःशुल्क इलाज की व्यवस्था प्रदान की गयी है। आज यूपी में 81 मेडिकल कॉलेज और दो एम्स का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। योगी ने कहा कि सुविधा बढ़ाने के साथ सरकार ने और भी प्रयास किये हैं। उपकरण सस्ते मिलें, फार्मा पार्क स्थापित किए जा रहे हैं। यह प्रयास इलाज को सुलभ बनाएंगे। इस सब के बावजूद यदि हमने अपने लाइफ स्टाइल नहीं बदलने से अच्छा जीवन मिल सकता है। मेडिकल कॉलेजों में मरीजों को भीड़ है। क्या डॉक्टर अपने मरीज को पर्याप्त समय दे पा रहा है। चार से छह घंटे आम जन स्मार्ट फोन के सम्पर्क में है। इसलिए जरूरी है कि सभी लोग अपने दिनचर्या में बदलाव करें। इसके लिए यदि कोई चिकित्सक कहेगा तो उसकी बात लोग ज्यादा मानेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मिलावटखोरी चरम पर है। एक जिले में मैं गया था। डेरी उत्पाद के बारे में जानकारी की। आप जितना चाहो उतना डेरी उत्पाद आर्डर कर दीजिए, वह सप्लाई कर देते हैं। छापा मरवाया तो हजारों कुंतल खोया और पनीर बरामद हुआ। आज आप कार्यक्रम में जा रहे हैं, क्या खा रहे हैं, इसका कोई ठिकाना नहीं है। जो समझकर खा रहे हैं, वही है, इसका कोई भरोसा नहीं है। इसलिए अपनी दिनचर्या में बदलाव कीजिए। प्रधानमंत्री मोदी ने दवाओं के साथ योग को आगे बढ़ाया। दुनिया उसे अंगीकार कर रही है। उपचार सस्ता हो, इस दिशा में सरकार ने कार्य किया है।

विवाद के बाद फायरिंग में एक ही परिवार के पाँच घायल

सुलतानपुर (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर के बल्दीराय थाना क्षेत्र के बघौली गांव में गुरुवार रात दावत का न्योता देने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि दबंगों ने एक ही परिवार के पांच लोगों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी, जिससे सभी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में से एक की हालत नाजुक देखते हुए उसे लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह ने शुक्रवार को बताया कि बीती रात बघौली गांव निवासी समरजीत यादव की पत्नी की तेरहवीं का कार्यक्रम था। फायरिंग के दौरान चली गोलियों के छर्रों से समरजीत यादव के परिवार के 5 सदस्य लहूलुहान होकर गिर पड़े।घायलो मे संतोष पुत्र राज नरायन निवासी खंडासा, प्रीति यादव पुत्री सभाजीत, दिलीप पुत्र सभाजीत और दिव्यांश पुत्र देवेंद्र कुमार निवासी गण बिघौली व योगेंद्र यादव कुमारगंज अयोध्या घायल हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायलों में दिलीप यादव को शरीर में काफी छर्रे लगे हैं, जिसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए लखनऊ ट्रॉमा सेंटर भेज दिया है। पुलिस ने आरोपितो की धरपकड़ के लिए पुलिस की कई टीमें गठित कर दी गई हैं। घायल संतोष कुमार ने बताया कि आरोपियों के पास .315 बोर के असलहे और अन्य असलहे मौजूद थे। उसने बताया हम लोग शादी से खाना खाकर लौटकर दरवाजे पर खड़े थे। तभी त्रिवेणी, संगम और राजेश असलहों के साथ वहां पहुंचे और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। उसने बताया आरोपितो के साथ उसका कोई पुराना विवाद नहीं था। वे आपस में रिश्तेदार भी बताए जा रहे हैं। संतोष ने यह भी बताया कि शाम के समय दो पुलिसकर्मी वहां आए थे। पुलिसकर्मियों ने जब उनसे पूछा कि वे कौन हैं, तो उन्होंने बताया कि वे रिश्तेदार हैं।

बीएचयू में त्वरित एवं प्रभावी संवाद की पहलः सभी विद्यार्थियों को आधिकारिक डोमेन पर मिलेगा ई-मेल आईडी

वाराणसी (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) प्रशासन ने विद्यार्थियों से त्वरित एवं प्रभावी संवाद,सुविधापूर्ण परिसर अनुभव प्रदान करने के लिए बड़ी पहल की है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के आधिकारिक डोमेन पर ई-मेल आईडी उपलब्ध कराने की शुरूआत की है। यह निर्णय संस्थान के भीतर विभिन्न हितधारकों के बीच निर्बाध एवं प्रभावी संवाद तथा आंतरिक संस्थागत सहभागिता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से लिया गया है। विश्वविद्यालय के कंप्यूटर सेंटर के समन्वयक प्रो. राजेश कुमार ने शुक्रवार को बताया कि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय देश के उन चुनिंदा केंद्रीय विश्वविद्यालयों में से है, जो अपने सभी विद्यार्थियों को यह सुविधा उपलब्ध करा रहा है। इस पहल से विद्यार्थियों एवं संकाय तथा प्रशासन के बीच संवाद अधिक प्रभावी होने की अपेक्षा है तथा उत्तरदायित्व की भावना को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, विद्यार्थियों को व्यक्तिगत ई-मेल सेवाओं की तुलना में उन्नत सुरक्षा सुविधाएँ एवं बेहतर स्पैम सुरक्षा का लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि ई-मेल आईडी विद्यार्थियों के समर्थ पोर्टल पर उपलब्ध विवरणों के आधार पर तैयार की जाएंगी। इस व्यवस्था के क्रियान्वयन से संबंधित सभी तकनीकी प्रक्रियाओं की देखरेख कंप्यूटर सेंटर द्वारा की जाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा अतिरिक्त गूगल वर्कस्पेस लाइसेंस एवं क्लाउड स्टोरेज की व्यवस्था भी की गयी है। प्रो.राजेश कुमार के अनुसार ,इस व्यवस्था के अंतर्गत अब सभी विद्यार्थियों को डोमेन पर ई-मेल अकाउंट प्रदान किए जाएंगे। अब तक विश्वविद्यालय डोमेन ई-मेल आईडी संकाय सदस्यों, कर्मचारियों तथा पीएचडी शोधार्थियों को अनुरोध के आधार पर जारी की जाती थी। अब यह सुविधा औपचारिक रूप से सभी विद्यार्थियों को दी जा रही है, जिससे लगभग 18,000 से 20,000 विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। यह पहल आधिकारिक ई-मेल आईडी के माध्यम से संवाद को प्रोत्साहित करने की दिशा में विश्वविद्यालय के प्रयासों का हिस्सा है, जिससे संवाद अधिक सुचारु, प्रामाणिक एवं सुरक्षित होगा। डोमेन ई-मेल विद्यार्थियों को एक विश्वसनीय एवं प्रामाणिक डिजिटल पहचान प्रदान करेगा। साथ ही, इसके माध्यम से स्नातक, परास्नातक, विज्ञान, कला, मानविकी अथवा अन्य श्रेणियों के आधार पर ई-मेल समूह बनाकर लक्षित एवं विषय-विशिष्ट संवाद संभव हो सकेगा। यह सुविधा समय एवं भौगोलिक दूरी की सीमाओं से परे चौबीसों घंटे संस्थागत संवाद सुनिश्चित करेगी इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों के लिए किसी कार्यालय में भौतिक रूप से उपस्थित हुए बगैर अपने विषयों का समाधान पाना संभव हो सकेगा, फिर चाहे वह विभागाध्यक्ष कार्यालय हो, संकाय प्रमुख अथवा परीक्षा नियंता कार्यालय।
न्होंने कहा कि विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय की नीतियों, महत्वपूर्ण निर्णयों एवं नवीनतम सूचनाओं के प्रति अधिक जागरूक होना आवश्यक है, वहीं संकाय सदस्यों के लिए भी विद्यार्थियों की समस्याओं से बेहतर रूप से अवगत होना उतना ही महत्वपूर्ण है।

सुप्रीम कोर्ट के सख्त आदेश के बाद सेंट्रल मार्केट का क्या होगा? जानें क्या निर्देश

उत्तर प्रदेश (एजेंसी) । सुप्रीम कोर्ट ने 859 अवैध सेटबैक निर्माण दो महीने में तोड़ने का आदेश दिया। 44 व्यावसायिक संपत्तियां सील की गईं हैं। कोर्ट ने प्रशासन की लापरवाही पर नाराजगी जताई है। विरोध में व्यापारियों ने शहर बंद रखा। सुप्रीम कोर्ट ने मेरठ में अवैध निर्माण के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए शास्त्री नगर योजना क्षेत्र की 859 संपत्तियों पर बने अवैध सेटबैक यानी इमारत के चारों ओर छोड़ी जाने वाली अनिवार्य खाली जगह में हुए निर्माण को दो महीने के भीतर तोड़ने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा, यह मामला केवल उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश के लिए चेतावनी है। प्रशासन ने समय रहते सही कदम उठाए होते, तो इतनी बड़ी समस्या पैदा नहीं होती। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा, कानून का शासन किसी भी हाल में जनभावनाओं या दबाव के आगे नहीं झुक सकता। पीठ ने इस मामले में छह अप्रैल को सुनवाई करते हुए 859 संपत्तियों में से सेंट्रल मार्केट की 44 आवासीय संपत्तियों के व्यावसायिक इस्तेमाल पर पूर्ण रोक लगाने और इन संपत्तियों को सील करने की 9 अप्रैल तक अनुपालन रिपोर्ट मांगी थी। यूपी आवास विकास परिषद ने 8 अप्रैल से सीलिंग की कार्रवाई शुरू की और बृहस्पतिवार को कोर्ट को बताया कि ये 44 संपत्तियां सील कर दी गई हैं। हालांकि सीलिंग के दौरान अफसरों को कई बार व्यापारियों के कड़े प्रतिरोध का सामना भी करना पड़ा। बृहस्पतिवार को पीठ को बताया गया कि सील की गईं 44 संपत्तियों में छह स्कूल, छह अस्पताल, चार बैंक्वेट हॉल, तीन राष्ट्रीयकृत बैंक और एक नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी (एनबीएफसी) शामिल है। इस पर पीठ ने कड़ी नाराजगी जताई। जस्टिस पारदीवाला ने सवाल उठाया कि इन संस्थानों को अनुमति किसने दी। उन्होंने कहा कि हमारे लिए बच्चों, मरीजों और आम लोगों की जान ज्यादा महत्वपूर्ण है। अवैध निर्माण हटाने के लिए पहले नोटिस दिया जाएगा। कब्जा करने वालों को 10 से 15 दिन का समय मिलेगा कि वे खुद अवैध हिस्सा हटा लें। अगर वे ऐसा नहीं करते तो प्रशासन खुद ध्वस्तीकरण करेगा। इसका खर्च कब्जा करने वालों से वसूला जाएगा।

बलिया में सातवीं चंद्रशेखर हाफ मैराथन का लोगो लांच, की गयी तैथरियों की समीक्षा

बलिया (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के जनपद बलिया में पूर्व प्रधानमंत्री जननायक चंद्रशेखर की स्मृति में 19 अप्रैल को होने वाली सातवीं हाफ मैराथन का लोगो गुरुवार को देर शाम राज्यसभा सांसद नीरज शेखर ने अपने आवास 'झोपड़ी' पर चंद्रशेखर मैराथन समिति के सदस्यों की मौजूदगी में लांच किया। इस अवसर पर अब तक की गयीं तैयारियों की समीक्षा भी की गयी।
पटपर (पचखोरा) स्थित शारदा पेट्रोल पंप से जिला मुख्यालय स्थित वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम तक 21.1 किमी दूरी वाले इस मैराथन की सफलता को लेकर गुरुवार देरशाम हुई बैठक में विभिन्न समितियों के गठन को अंतिम रुप दिया गया। लेखा समिति, उद्घाटन समिति, व्यवस्था समिति व समापन समिति से लेकर खिलाड़ियों को रिसीव करने व उनके ठहरने के इंतजामों पर व्यापक चर्चा हुई। काफी देर तक चर्चा के बाद आयोजन समिति से जुड़े सभी सदस्यों को उनकी जिम्मेदारी सौंपी गयी। आयोजन समिति के सदस्यों को सम्बोधित करते हुए राज्यसभा सांसद नीरज शेखर ने कहा कि चंद्रशेखर हाफ मैराथन की चर्चा पूरे विश्व में हो रही है। पूर्व प्रधानमंत्री की गरिमा और वैश्विक खिलाड़ियों के आगमन को देखते हुए इस बार के आयोजन को भव्य रुप देना है। चंद्रशेखर मैराथन समिति के सचिव उपेंद्र सिंह ने पूरे आयोजन की रुपरेखा सबके सामने प्रस्तुत किया। तकनीकी विशेषज्ञ पंकज सिंह ने खिलाड़ियों के पंजीकरण और उनकी बड़ी संख्या में सहभागिता को लेकर तकनीकी चर्चा किया। इस अवसर पर राघव सिंह, बिजेंद्र राय, रियाजुद्दीन राजू, धर्मवीर सिंह, शिवजी राय चन्देल, मानवेन्द्र सिंह, इफ्तेखार खां, राकेश सिंह, अनुराग श्रीवास्तव, अखिलेश सिंह, रुस्तम अली, उमेश सिंह, संतोष सिंह, अजय सिंह, धर्मेंद्र प्रताप सिंह, रणजीत सिंह मंटू, धीरेन्द्र राय , अजय सिंह, सिद्धार्थ शंकर, नीशू श्रीवास्तव, मनोज शर्मा, बृजेश सिंह, पंकज राय, आशीष त्रिवेदी, भवतोष पाण्डेय, विरेन्द्र सिंह, जितेन्द्र प्रताप सिंह हर्षदेव राम, अविनाश सिंह , डा. प्रवीण सिंह आदि उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता सुधीर कुमार सिंह ने की जबकि संचालन अजीत सिंह ने किया।

उत्तर प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची जारी, प्रदेश में कुल 13.39 करोड़ मतदाता, 84 लाख मतदाताओं की हुई वृद्धि

लखनऊ (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश में गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) की लंबी प्रक्रिया के बाद शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी है। सूची के अनुसार उत्तर प्रदेश में 13 करोड़ 39 लाख 84 हजार 792 मतदाता हैं। इसमें 84 लाख 28 हजार 767 मतदाताओं की वृद्धि हुई है। इनमें प्रदेश में पुरुष मतदाता 7 करोड़, 30 लाख, 71 हजार 61 और महिला मतदाता 6 करोड़, नौ लाख, 9525 है। एसआईआर में विभिन्न कारणों से 8 लाख 15 हजार 996 मतदाताओं के नाम काटे गये हैं। इनमें नोटिस देने के बावजूद सही जवाब न मिलने के कारण काटे गये 3 लाख 50 हजार 436 मतदाताओं के भी नाम शामिल हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने आज लोकभवन स्थित मीडिया सेंटर में प्रेसवार्ता में बताया कि प्रदेश में 166 दिन तक चली विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के बाद प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी गई। जारी मतदाता सूची के अनुसार उत्तर प्रदेश में 13 करोड़ 39 लाख 84 हजार 792 मतदाता हैं। इसमें 84 लाख 28 हजार 767 मतदाताओं की वृद्धि हुई है। इनमें प्रदेश में पुरुष मतदाता 7 करोड़, 30 लाख, 71 हजार 61 और महिला मतदाता 6 करोड़, नौ लाख, 9525 है। तृतीय लिंग के मतदाताओं की संख्या 4 हजार 206 है। प्रदेश में 18 से 19 आयुवर्ग के मतदाताओं की कुल संख्या 17 लाख, 63 हजार 360 है। इसमें मतदाताओं में 54.54 प्रतिशत पुरुष जबकि 45.46 प्रतिशत महिला मतदाता हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के नाम छूट गए हैं वे मतदाता अभी भी फॉर्म 6 भरकर सूची में शामिल हो सकते हैं। लखनऊ समेत पांच जिलों में मतदाताओं की सर्वाधिक वृद्धि हुई मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आज जारी की गयी अंतिम मतदाता सूची में प्रदेश के पांच जिलों में सबसे अधिक मतदाताओं की संख्या बढ़ी है। इनमें प्रयागराज टॉप पर है। प्रयागराज में 3 लाख 29 हजार 421 मतदाता, लखनऊ में 2 लाख, 85 हजार 961 मतदाता, बरेली में 2 लाख 57 हजार 920 मतदाता, गाजियाबाद में 2 लाख 43 हजार 666 मतदाता और जौनपुर में 2 लाख 37 हजार 590 मतदाता बढे. हैं। इसके अलावा प्रदेश के जिन पांच विधानसभा क्षेत्रों में सबसे अधिक मतदाता वृद्धि दर्ज की गयी है। उनमें साहिबाबाद में 82 हजार,जौनपुर में 56 हजार 158 ,लखनऊ पश्चिम में 54 हजार 822,फिरोजाबाद में 47 हजार 557 मतदाता बढे.हैं। उन्होंने बताया कि एसआईआर के तहत 6 जनवरी को 12.55 करोड़ मतदाताओं की मसौदा सूची जारी की गई थी। इसके बाद 6 मार्च तक लोगों से इस ड्राफ्ट मतदाता सूची पर सभी प्रकार के दावे व आपत्तियां आंमत्रित की गयी थी, इनमें 86.69 लाख लोगों ने मतदाता सूची में नाम शामिल किए जाने के लिए फॉर्म-6 भरा। वहीं 3.18 लाख लोगों ने नाम कटवाने के लिए फॉर्म-7 भरा था। मतदाता सूची में 1.04 करोड़ लोग ऐसे हैं जिनके नाम का मिलान माता-पिता, बाबा-दादी व नाना-नानी से न होने के कारण इन्हें नोटिस दिया गया था। वहीं 2.22 करोड़ लोग तार्किक विसंगति वाले थे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

ब्रोकोली में पाए जाते है औषधीय गुण

आप जानते है ब्रोकोली एक प्रमुख सब्जी है, जो की गोभीय वर्गीय सब्जियों के अंतर्गत आती हैं। ब्रोकोली दिखने में फूलगोभी की तरह ही दिखाई देती है लेकिन इसमें पोष्टिकता फूलगोभी से ज्यादा होती है। यह एक पौष्टिक इटालियन गोभी है। जिसे मूलत: सलाद, सूप, व सब्जी के रूप में प्रयोग किया जाता है। ब्रोकोली को हरी गोभी भी कहा जाता हे ब्रोकोली में गोभी से अधिक भाव और अधिक फूल प्राप्त होते हे गोभी के पौधे पर एक ही फूल प्राप्त होता हे लेकिन ब्रोकोली के एक ही पौधे से 4 से 5 फूल प्राप्त होते हैं। भारत में इसकी खेती ज्यादातर उत्तर भारत में की जाती है।

ब्रोकोली में पाए जाने वाले औषधीय गुण

ब्रोकोली हरी सब्जी के रूप में लोहा, प्रोटीन, कैल्शियम, कार्बोहाइड्रेट, क्रोमियम, विटामिन ए और सी पाया जाता है, जो सब्जी को पौष्टिक बनाता है। इसके अलावा इसमें फाइटोकेमिकल्स और एंटी-ऑक्सीडेंट भी होता है, जो बीमारी और बॉडी इंफेक्शन से लडऩे में सहायक होता है। ब्रोकोली विटामिन सी से भरी हुई है। यह कई पोषक तत्वों से भरपूर है। यह कई बीमारियों से बचाने के साथ ब्रेस्ट कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर के भी खतरे को कम करती है।

बुवाई का समय

ब्रोकोली की खेती के लिए नर्सरी तैयार करने का समय अक्टूबर का दूसरा पखवाड़ा होता है, पर्वतीय क्षेत्रों में क़म उंचाई वाले क्षेत्रों में सितम्बर-अक्टूम्बर, मध्यम उंचाई वाले क्षेत्रों में अगस्त, सितम्बर, और अधिक़ उंचाई वाले क्षेत्रों में मार्च-अप्रैल में तैयार की जाती हैं।

दुरी

बीज को पंक्तियों में 4-5 से.मी. की दूरी पर बोना चाहिए।

गहराई

बीजों की 2.5 से.मी. की गहराई पर बुवाई करना चाहिए।

बुवाई का तरीका

ब्रोकोली की बुवाई बीजों द्वारा नर्सरी में इसकी पौध प्रो-ट्रे और क्यारियों में तैयार की जाती है, और उसके बाद खेत में रोपण किया जाता है। नर्सरी की तैयारी में इस बात का ध्यान रखें की नर्सरी जमीन से 15 सेमी. ऊंची हुई हो।

बीज की मात्रा

ब्रोकोली की नर्सरी में बुवाई के लिए 400-500 ग्राम बीज प्रति हेक्टेयर (8-10 ग्राम प्रति नाली) पर्याप्त होता है।

बीज उपचार

ब्रोकोली की पौध तैयार करने के दौरान बीज को उपचारित कर नर्सरी में लगाना चाहिए। बीज को उपचारित करने के लिए थीरम या कैप्टन दवा की उचित मात्रा का इस्तेमाल करना चाहिए।

खाद एवं रासायनिक उर्वरक

उर्वरको का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर करना उपयुक्त रहता है 7 अच्छी उपज के लिए खेत तैयार करते समय प्रति हैक्टेयर 15-20 टन गोबर / कम्पोस्ट खाद, 100 किलोग्राम नाइट्रोजन, 100 किलोग्राम फास्फोरस तथा 50 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग किया जाना अनुकूल होता है।

खरपतवार नियंत्रण

खरपतवार की रोकथाम के लिए आवश्यकतानुसार समय-समय पर निराई-गुड़ाई करना चाहिए।

सिंचाई

ब्रोकोली के पौधों को पानी की सामान्य जरूरत होती है। लेकिन पौध को खेत में लगाने के तुरंत बाद उनकी सिंचाई कर देनी चाहिए। उसके बाद इसके पौधों को आवश्यकता के आधार पर 10 से 15 दिन के अंतराल में पानी देते रहना चाहिए। इसके पौधे को पककर तैयार होने के लिए लगभग 5 से 6 सिंचाई की ही जरूरत होती है।

फसल की कटाई

ब्रोकोली की फसल की कटाई के लिए पौधरोपण के 65-70 दिन बाद तैयार हो जाते हैं, ब्रोकली का फूल जब गठा हुआ, हरा व उचित आकार का हो तभी डंठल सहित तोडऩा चाहिये। तुड़ाई करने में विलम्ब होने से शीर्ष (फूल) में पीलापन तथा स्वाद में विपरीत प्रभाव पड़ता है।

भंडारण

ब्रोकोली को तुड़ाई के बाद बाजार में बिकने तक उचित रखरखाव की आवश्यकता होती है। अन्यथा ब्रोकली खराब होने लगती है। इसके लिये या तो ब्रोकली को बर्फ के साथ पैकिंग करें या ठंडे कमरे में रखें अथवा ठंडे पानी का छिड़काव करें। उचित रखरखाव करें इसमें ब्रोकली खराब नहीं होगी तथा बाजार पहुंचने तक ताजी एवं गुणकारी रहेगी।

उत्पादन

ब्रोकोली की उन्नत तरीके से खेती करके अच्छा उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। ब्रोकोली की साधारण किस्मों से 75 से 100 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तथा संकर किस्मों से 120 से 150 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक पैदावार प्राप्त की जा सकती है।

बाकी फसलों से ज्यादा सख्त होती है बैंगन की फसल

भारत में विभिन्न प्रकार की सब्जियों को उगाया हैं, जिनमें एक बैंगन हैं। बैंगन भारत में ही पैदा हुआ और आज आलू के बाद दूसरी सबसे अधिक खपत वाली सब्जी है। भारत चीन के बाद दूसरा सबसे अधिक बैंगन उगाने वाला देश है। यह देश में 5.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में उगाया जाता है। हमारे देश के अलावा भी यह अन्य कई देशों की प्रमुख सब्जी की फसल है। बैंगन में विटामिन ए तथा बी के अलावा कैल्शियम, फ़ॉस्फ़रस और लोहे जैसे खनीज भी होते है। बैंगन की खेती पुरे वर्ष की जा सकती है, बैंगन की फसल बाकी फसलों से ज्यादा सख्त होती है। इसके सख्त होने के कारण इसे शुष्क या कम वर्षा वाले क्षेत्रों में भी उगाया जा सकता हैं। भारत देश में बैंगन उगाने वाले मुख्य राज्य मध्यप्रदेश, पश्चिमी बंगाल, उड़ीसा, कर्नाटक, बिहार, महांराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान हैं।

बुवाई का समय

बैंगन की खेती के लिए बैंगन की बुवाई पुरे वर्ष भर में किसी भी समय की जा सकती हैं।

वर्षाकालीन समय- नर्सरी तैयार करने का समय फरवरी से मार्च और मुख्य खेत में रोपाई का समय मार्च से अप्रेल उचित है।

शरदकालीन समय- नर्सरी तैयार करने का समय जून से जुलाई और मुख्य खेत में रोपाई का समय जुलाई से अगस्त उचित है।

बसंतकालीन समय- नर्सरी तैयार करने का समय दिसम्बर और मुख्य खेत में रोपाई का समय दिसम्बर से जनवरी उचित है।

दूरी

लाईन से लाईन की दूरी 60 से 70 सेंटीमीटर और लाईन में पौधे से पौधे की दूरी 60 सेंटीमीटर रखें।

गहराई

नर्सरी में बीज की बुवाई 1 से 1.5 सेन्टीमीटर की गहराई पर करें।

बुवाई का तरीका

बैंगन की खेती के लिए पौधरोपण हेतु बीजों द्वारा नर्सरी तैयार की जाती हैं।

नर्सरी तैयार करने का तरीका

एक हैक्टेयर की पौध तैयार करने के लिये एक मीटर चौडी और तीन मीटर लम्बी करीब 15 से 20 क्यारियों की आवश्यकता होती है। बीज की 1 से 1.5 सेन्टीमीटर की गहराई पर, 3 से 5 सेन्टीमीटर के अन्तर पर कतारों में बुवाई करें और बुवाई के बाद गोबर की बारीक खाद की एक सेन्टीमीटर मोटी परत से ढक दें तथा फव्वारें से सिंचाई करें।

बीज की मात्रा

एक हैक्टेयर में पौध रोपाई के लिये 500-750 ग्राम बीज और हाइब्रिड बीज की मात्रा 250 ग्राम/हेक्टेयर की आवश्यकता होती है।

बीज का उपचार

नर्सरी में बीज बुवाई से पहले बीजों को थीरम 3 ग्राम या कार्बेनडाजिम 3 ग्राम प्रति किलो बीज से उपचार करें।

खाद एवं रासायनिक उर्वरक

बैंगन की खेती में मिट्टी की जांच के अनुसार खाद और उर्वरक डालनी चाहिए। अगर मिट्टी की जांच नहीं हो पाती है तो खेत तैयार करने समय 20-30 टन/हेक्टेयर गोबर की सड़ी खाद मिट्टी में मिला देनी चाहिए। इसके बाद प्रति हेक्टेयर में 200 किलो ग्राम यूरिया, 370 किलो ग्राम सुपर फॉस्फेट और 100 किलो ग्राम पोटेशियम सल्फेट का इस्तेमाल करना चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण

खरपतवार की रोकथाम के लिए आवश्यकतानुसार समय-समय पर निराई-गुड़ाई करना चाहिए।

सिंचाई

बैंगन के पौधों की अच्छी बढ़वार लिए सिंचाई की अधिक आवश्यकता होती हैं, पौधरोपण के तुरंत बाद सिंचाई करना चाहिए। गर्मी के मौसम में हर 3-4 दिन बाद पानी देना चाहिए और सर्दियों में 12 से 15 के अंतराल में पानी देना चाहिए। कोहरे वाले दिनों में फसल को बचाने के लिए मिट्टी में नमी बनाए रखें और लगातार पानी लगाएं। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि बैंगन की फसल में पानी खड़ा न हो, क्योंकि बैंगन की फसल खड़े पानी को सहन नहीं कर सकती है। उत्तम सिंचाई के लिए ड्रीप सिंचाई पद्धति का प्रयोग करें।

फसल की कटाई

खेत में बैंगन की पैदावार होने पर फलों की तुड़ाई पकने से पहले करनी चाहिए। तुड़ाई के समय रंग और आकार का विशेष ध्यान रखना चाहिए। बैंगन का मंडी में अच्छा रेट मिले इसके लिए फल का चिकना और आकर्षक रंग का होना चाहिए।

भंडारण

बैंगन को लंबे समय के लिए भंडारण नहीं किया जा सकता है। बैंगन को आम कमरे के सामान्य तापमान में भी ज्यादा देर नहीं रख सकते हैं क्योंकि ऐसा करने से इसकी नमी खत्म हो जाती है। हालांकि बैंगन को 2 से 3 सप्ताह के लिए 10-11 डिग्री सेल्सियस तापमान और 92 प्रतिशत नमी में रखा जा सकता है। किसान भाई बैंगन को कटाई के बाद इसे सुपर, फैंसी और व्यापारिक आकार के हिसाब से छांट लें और पैकिंग के लिए, बोरियों या टोकरियों का प्रयोग करें।

उत्पादन

बैंगन की खेती में उत्पादन मौसम, विविधता से विविधता और स्थान से स्थान तक भिन्न होती है। तथापि, सामान्य तौर पर बैंगन के स्वस्थ फलों की 250 से 500 क्विंटल/हेक्टेयर प्राप्त की जा सकती हैं।

बहुत ही गुणकारी है टिंडे

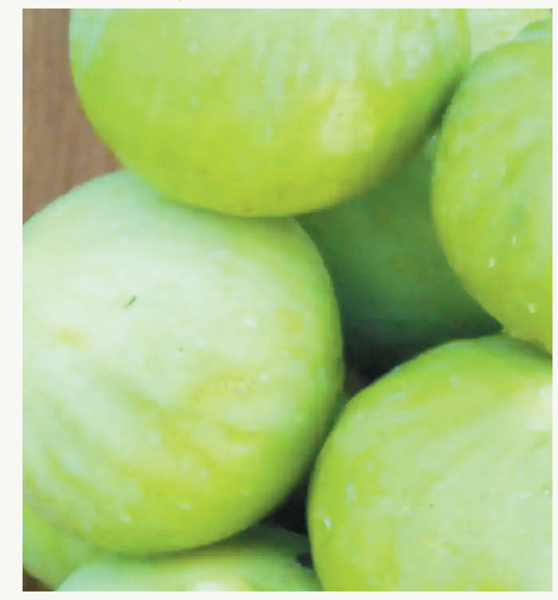

टिंडा कुकरबिटेसी कुल परिवार की यह सब्ज़ी बहुत ही गुणकारी है। टिंडे को गोल तरबूज, गोल लौकी भी कहा जाता है7 यह उत्तरी भारत की सबसे महत्तवपूर्ण गर्मियों की सब्जी है। टिंडे का मूल स्थान भारत है। इसके कच्चे फल सब्जी बनाने के लिए प्रयोग किए जाते हैं। इसके फल की औषधीय विशेषताएं भी हैं, सूखी खांसी और रक्त संचार सुधारने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। टिंडे की खेती उत्तरी भारत में, विशेषकर पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और आन्ध्रप्रदेश में की जाती है।

बुवाई का समय

टिंडे की बुवाई का समय फरवरी-मार्च जायद के लिए और खरीफ की फसल के लिए जून-जुलाई में भी बोया जा सकता है।

दुरी

बीजों को क्यारियों के दोनों तरफ बोयें और 45 से.मी. दुरी का प्रयोग करें।

बीज की गहराई

बीजों को 2-3 से.मी. की गहराई में बोयें।

बुवाई का तरीका

बीजों को सीधे या समतल क्यारियों (मेड़) पर बोया जा सकता है।

बीज की मात्रा

टिंडे की एक हेक्टेयर फसल की बुवाई के लिए 5 से 6 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है।

बीज उपचार

रोग नियंत्रण के लिए बीजों को बोने से पूर्व बाविस्टीन या मैंकोजेब 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित करके बोना चाहिए।

खाद एवं रासायनिक उर्वरक

खेत तैयारी के समय कार्बनिक खाद के रूप में गोबर की खाद 20-25 टन प्रति हेक्टेयर व 100 किलो ग्राम नाइट्रोजन, 50 किलो ग्राम फ़ोस्फोरस व 50 किलो ग्राम पोटाश की मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। सम्पूर्ण गोबर की खाद, फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा और नाइट्रोजन की 1/3 मात्रा को अंतिम जुताई के समय खेत में मिला देना चाहिए तथा शेष 2/3 नाइट्रोजन की मात्रा को दो बराबर भागों में बांटकर टापड्रेसिंग के रूप में प्रथम बार बुवाई के 25 से 30 दिन बाद तथा 40 से 45 दिन पर फूल आने के समय देना चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण

खरपतवार की रोकथाम के लिए समय-समय पर आवश्यकतना अनुसार निराई-गुड़ाई करना चाहिए।

सिंचाई

ग्रीष्म कालीन फसल की प्रति सप्ताह सिंचाई करें वर्षा कालीन फसल की सिंचाई वर्षा पर निर्भर रहती है 7 फूल एवं फलन के समय खेत में उचित नमी जरूरी है। वर्षाकालीन मौसम में जल निकास की उचित व्यवस्था आवश्यक है।

फसल की कटाई

किस्म के आधार पर बुवाई के 60 दिनों में फल तुड़ाई के लिए तैयार हो जाते हैं। जब फल पक जाएं और मध्यम आकार के हो जायें तब तुड़ाई कर लें। 4-5 दिनों के फासले पर तुड़ाई करें।

उत्पादन

टिंडे की फसल का उत्पादन बीजों की गुणवत्ता, बुवाई का समय, भूमि की क़िस्म, जलवायु व ताप आदि पर निर्भर होता है, टिंडे की फसल से अनुकूल परिस्थितियों में फसल से प्रति हेक्टेयर 80 से 120 क्विंटल पैदावार मिल जाती है।

भंडारण

फल की तुड़ाई के बाद आवश्यकतानुसार फलों को किसी छायादार स्थान पर 2 से 3 दिन तक किसी टोकरी में रखकर भंडारित कर सकते हैं। इस दौरान फलों पर बीच-बीच में पानी का छिड़काव करना जरूरी होता है।

संक्षिप्त समाचार

नाइजीरिया के दो गांवों पर बंदूकधारियों ने किया हमला, कम से कम 20 लोगों की मौत

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के उत्तर-मध्य क्षेत्र में बंदूकधारियों ने दो गांवों पर हमला कर कम से कम 20 लोगों की हत्या कर दी। स्थानीय निवासियों ने यह जानकारी दी है। ये हमले मंगलवार तड़के नाइजर राज्य के शिरोरो क्षेत्र में स्थित बगना और एरेना गांवों में हुए। शिरोरो, राजधानी अबुजा से लगभग 250 किलोमीटर दूर है। एरेना के निवासी जिब्रिन इसाह ने बताया, 'हमलावर मोटरसाइकिलों पर आए और अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। यह तड़के का समय था, इसलिए हमला पूरी तरह से अचानक हुआ।' स्थानीय लोगों के अनुसार, हमले में 20 से अधिक लोगों की मौत हुई है और कई लोग अब भी लापता हैं। हालांकि, पुलिस ने केवल तीन लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हमलावर कई घंटों तक गांवों में सक्रिय रहे, घरों में लूटपाट की और लोगों को जान बचाने के लिए पड़ोसी इलाकों में भागने पर मजबूर कर दिया।

शेख हसीना के 'सियासी अंत' पर मुहर?: आवामी लीग आतंकी संगठन घोषित, बांग्लादेश संसद ने लगाया स्थायी बैन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की संसद ने बेहद सख्त कानून पारित किया है। इसके तहत पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग पर लगे प्रतिबंध को आधिकारिक कानूनी मोहर लगा दी गई है। अब आवामी लीग बांग्लादेश में एक प्रतिबंधित संगठन है। संसद में गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने इस विधेयक को पेश किया। हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर आवामी लीग का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने कहा कि यह कानून एक ऐसी संस्था को प्रतिबंधित करने के लिए है जो 'नरसंहार और आतंकी गतिविधियों' में शामिल रही है। यह नया कानून पिछले 'आतंकवाद विरोधी अधिनियम' में संशोधन है, जिसे पहले मुहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार ने एक अध्यादेश के जरिए लागू किया था। इस कानून के लागू होने के बाद अब आवामी लीग का चुनाव आयोग में पंजीकरण स्थायी रूप से रद्द रहेगा। पार्टी न तो चुनाव लड़ सकेगी और न ही किसी तरह की राजनीतिक गतिविधि कर पाएगी। कानून में यह भी प्रावधान है कि सोशल मीडिया या मुख्यधारा की मीडिया में पार्टी के समर्थन में कोई भी बयान प्रकाशित करना अपराध माना जाएगा। यहां तक कि पार्टी के समर्थन में जुलूस निकालना या भाषण देना भी प्रतिबंधित कर दिया गया है। दिलचस्प बात यह है कि इस विधेयक का विरोध केवल बाहर से नहीं, बल्कि संसद के भीतर से भी हुआ है। मुख्य विपक्षी दल जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख शफीकुर रहमान ने बिल की समीक्षा के लिए और समय मांगा। वहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के मानवाधिकार अधिकारियों ने इस कदम की आलोचना की है। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी बड़ी राजनीतिक पार्टी पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाना लोकतंत्र के स्वस्थ भविष्य के लिए ठीक नहीं है। संवैधानिक विशेषज्ञ स्वाधीन मलिक ने कहा कि दुनिया के इतिहास में बांग्लादेश दूसरा ऐसा देश बन गया है, जिसने अपनी आजादी की लड़ाई का नेतृत्व करने वाली पार्टी को ही बैन कर दिया है।

ट्रंप को पसंद नहीं आया 10 शर्तों वाला पीस प्लान, टूट जाएगा सीजफायर?

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच हाल ही में हुआ दो हफ्तों का युद्धविराम अब अनिश्चितता के दौर में पहुंचता नजर आ रहा है। लेबनान पर लगातार हो रहे इजरायली हमलों के कारण तनाव बढ़ गया है। ईरान लगातार चेतावनी दे रहा है कि यदि ये हमले नहीं रुके तो वह सीजफायर से पीछे हट सकता है। इसी बीच, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने ईरान के कथित 10 सूत्रीय प्रस्ताव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस प्रस्ताव को पूरी तरह खारिज कर दिया था और इसे 'कूड़ेदान में फेंक दिया गया।' ईरान ने पहले दावा किया था कि उसका 10-पॉइंट प्रस्ताव अमेरिका को स्वीकार्य था, लेकिन लेविट ने इसे गलत बताया। उनके अनुसार, यह प्रस्ताव 'गैर-गंभीर' था और अमेरिकी नेतृत्व ने इसे बातचीत के लायक नहीं माना। हालांकि, बाद में ईरान की ओर से एक संशोधित योजना पेश की गई, जिसे अमेरिका ने अपने 15 सूत्रीय प्रस्ताव के साथ जोड़कर बातचीत के आधार के रूप में देखने की बात कही है। लेविट ने यह भी दोहराया कि ट्रंप प्रशासन की 'रेड लाइन' साफ है ईरान के भीतर यूरेनियम संवर्धन (एनरिचमेंट) को पूरी तरह समाप्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ईरान की 'विश लिस्ट' को किसी समझौते के रूप में स्वीकार करना संभव नहीं है। ईरान के 10 सूत्रीय प्रस्ताव में कई बड़ी मांगें शामिल थीं, जैसे उस पर किसी भी तरह का हमला न होना, होर्मुज जलडमरूमध्य पर उसका नियंत्रण बनाए रखना, यूरेनियम संवर्धन जारी रखने की अनुमति, सभी प्राथमिक और द्वितीयक प्रतिबंधों को हटाना, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों को समाप्त करना, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रस्तावों को खत्म करना, मुआवजा देना और क्षेत्र से अमेरिकी सैनिकों की वापसी। इसके अलावा, लेबनान सहित सभी मोर्चों पर युद्ध समाप्त करने की भी मांग की गई थी।

पाकिस्तान की बड़ी फजीहत; ट्रंप की टीम ने देखा था शहबाज का ट्वीट, फिर दी पोस्ट करने की इजाजत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका-ईरान संघर्ष में पाकिस्तान की कथित मध्यस्थता की पूरी कहानी एक सोशल मीडिया गलती के कारण खुलकर सामने आ गई है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक्स पर युद्धविराम की अपील वाला पोस्ट डाला था, लेकिन उसमें ड्रापफट पाकिस्तान पीएम मेसेज आन एक्स लिखा हुआ छूट गया। बाद में इसे एडिट कर हटा दिया गया, लेकिन स्क्रीनशॉट वायरल हो गए। कहा जा रहा है कि पाक पीएम ने ये पोस्ट अमेरिका के कहने पर पोस्ट की थी। अब खुद अमेरिकी मीडिया भी इस पर मुहर लगाती नजर आ रही है।

वाइट हाउस ने देखा था ट्वीट : न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, वाइट हाउस ने इस पोस्ट को एक्स पर शेयर किए जाने से पहले ही देख लिया था और अपनी मंजूरी भी दे दी थी। यह खुलासा दर्शाता है कि पाकिस्तान की स्वतंत्र कूटनीतिक पहल असल में अमेरिका की तैयार की गई स्क्रिप्ट थी।

दरअसल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को अल्टीमेटम दिया था कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को दोबारा खोलो, वरना अमेरिका ईरान के बुनियादी ढांचे और सभ्यता को नष्ट कर देगा। ट्रंप ने 7 अप्रैल (मंगलवार) को शाम 8 बजे (वाशिंगटन समय) तक की डेडलाइन दी थी। इसी बीच पाकिस्तान ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने पिछले कई हफ्तों से अमेरिका और ईरान के बीच गुप्त संपर्क साधे हुए थे। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, वाइट हाउस ने पाकिस्तान को इस अस्थायी युद्धविराम को फाइनल कराने के लिए दबाव डाला था, ताकि ट्रंप सार्वजनिक रूप से धमकियां देते हुए भी पीछे हट सकें।

इसके बाद 8 अप्रैल को सुबह शहबाज शरीफ ने अपने आधिकारिक हैंडल से पोस्ट किया कि अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह का सीजफायर हो गया है। पोस्ट में ट्रंप, जेडी वेंस, ईरानी नेताओं और अन्य को टैग किया गया था। लेकिन असली पोस्ट के ऊपर 'ड्राफट पाकिस्तान पीएम मेसेज आन एक्स' लिखा हुआ था, जो एडिट हिस्ट्री में साफ दिखाई दिया। शरीफ के स्टाफ ने इसे कॉपी-पेस्ट कर दिया और हटाना भूल गए। पाकिस्तानी अधिकारियों को खुद प्रधानमंत्री को 'पाकिस्तान पीएम' कहकर संबोधित करने की जरूरत नहीं होती- यह शब्द अमेरिकी या इजरायली ड्राफ्ट का संकेत था।

पर्दे के पीछे की कहानी : न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि वाइट हाउस ने इस स्टेटमेंट को पहले ही देख लिया था और मंजूरी दे दी थी। यानी पाकिस्तान की अपील असल में पहले से कोऑर्डिनेटेड थी। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा कि उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से बातचीत के बाद ईरान पर बमबारी दो हफ्ते के लिए रोकने का फैसला किया है। कुछ घंटों बाद शहबाज शरीफ ने दूसरा पोस्ट डालकर युद्धविराम की घोषणा का स्वागत किया।

पोस्ट के ड्राफ्ट वाले स्क्रीनशॉट वायरल हो गए। कई यूजर्स ने मजाक उड़ाया। लोग इसे कॉपी-पेस्ट पीएम, व्हाइट हाउस ने स्क्रिप्ट लिखी आदि कह रहे हैं। अमेरिकी पत्रकार रयान ग्रिम ने लिखा- शरीफ ने जो भेजा गया था, उसे कॉपी-पेस्ट कर दिया, जिसमें 'ड्राफट पाकिस्तान पीएम मेसेज आन एक्स' भी शामिल था। उनके अपने स्टाफ तो उन्हें ऐसे नहीं बुलाते।

होर्मुज में बारूदी माइन्स का खौफ! ईरान ने बदले जहाजों के रास्ते, नया रूट भी बता दिया

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने गुरुवार को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के समुद्री रास्ते से होकर गुजरने वाले जहाजों के लिए नए वैकल्पिक मार्गों की घोषणा की है। ईरान ने इस अत्यंत महत्वपूर्ण जलमार्ग के मुख्य क्षेत्र में समुद्री बारूदी माइन्स के खतरे का हवाला देते हुए यह कदम उठाया है। यह घोषणा अमेरिका और ईरान के बीच हुए एक हालिया समझौते के बाद हुई है, जिसके तहत तेहरान ने दुनिया के सबसे व्यस्त तेल व्यापार मार्गों में से एक को अस्थायी रूप से खोलने पर सहमति जताई है।

अस्थायी युद्धविराम और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का खुलना : अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति बनी है। इसके तहत ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को अस्थायी रूप से फिर से खोलने के लिए राजी हो गया है। गौरतलब है कि दुनिया भर में इस्तेमाल होने वाले कच्चे तेल का लगभग पांचवां हिस्सा (20%) इसी समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है।

रिवोल्यूशनरी गार्ड्स का बयान : ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने स्थानीय मीडिया के हवाले से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा- स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते से गुजरने वाले सभी जहाजों को सूचित किया जाता है कि समुद्री सुरक्षा के सिद्धांतों का पालन करने और समुद्री माइन्स से संभावित टकराव से बचने के लिए... उन्हें यातायात के लिए वैकल्पिक मार्ग अपनाने चाहिए। बयान के साथ ही इस जलमार्ग में प्रवेश करने और बाहर निकलने के लिए नए मार्गों के स्पष्ट निर्देश भी शेयर किए गए हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच यह दो सप्ताह का संघर्ष विराम मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात को हुआ। यह समझौता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दी गई समय सीमा खत्म होने से एक घंटे से भी कम समय पहले हुआ था। ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि यदि ईरान जलमार्ग खोलने की उनकी मांगों के सामने नहीं झुकता है, तो वे इस्लामिक गणराज्य को पूरी तरह से 'तबाह' कर देंगे।

ईरान (तेहरान) ने मार्च की शुरुआत से ही इस प्रमुख शिपिंग मार्ग को प्रभावी रूप से ब्लॉक कर रखा था। इसके परिणामस्वरूप वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी उथल-पुथल मच गई थी और कच्चे तेल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि देखने को मिली थी। इस दो सप्ताह के युद्धविराम और वैकल्पिक मार्गों की शुरुआत से अंतरराष्ट्रीय तेल आपूर्ति और वैश्विक बाजारों को फौरी तौर पर कुछ राहत मिलने की उम्मीद है, हालांकि बारूदी सुरंगों के खतरे के कारण स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है। समुद्री बारूदी माइन्स को नेवल माइन्स, सी माइन्स या नौसैनिक सुरंगें भी कहा जाता है।

पूर्व पीएम केपी ओली के बाद देउबा पर भी बालेन सरकार ने कसा शिकंजा, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में वारंट जारी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की राजनीति में बड़ा उथल-पुथल देखने को मिल रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा और उनकी पत्नी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी होने से सियासी माहौल गरमा गया है। इससे पहले केपी शर्मा ओली पर भी कार्रवाई की जा चुकी है, जिससे साफ है कि नई सरकार भ्रष्टाचार के मामलों में सख्ती दिखा रही है।

इस पूरे मामले में काठमांडू जिला अदालत ने जांच एजेंसी की मांग पर यह वारंट जारी किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फैसला जज महेंद्र खड़का की पीठ की मंजूरी के बाद लिया गया। जांच एजेंसी लंबे समय से देउबा, उनकी पत्नी और अन्य नेताओं पर मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच कर रही थी। बताया जा रहा है कि पिछले साल सितंबर में हुए जेन-जी आंदोलन के दौरान कई नेताओं के घरों से जली हुई नकदी की तस्वीरें और वीडियो सामने आए थे। इनमें देउबा के घर से जुड़े दृश्य भी थे। फॉरेंसिक जांच में इन नोटों के असली होने की पुष्टि हुई, जिसके बाद मामला गंभीर हो गया और व्यापक जांच शुरू की गई। जानकारी के अनुसार, देउबा और उनकी पत्नी इस समय नेपाल में नहीं हैं। दोनों 26 फरवरी को इलाज के लिए सिंगापुर गए थे और उसके बाद हांगकांग भी पहुंचे। अभी तक उनकी वापसी नहीं हुई है, जिससे जांच एजेंसियों की कार्रवाई और तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तारी वारंट जारी करने का मकसद इंटरपोल रेड नोटिस जारी कराने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। इससे विदेश में मौजूद आरोपियों को हिरासत में लेकर नेपाल लाया जा सकता है। पांच मार्च को हुए चुनाव के बाद नेपाल की राजनीति में बड़ा बदलाव आया है। नई सरकार बनने के बाद भ्रष्टाचार के मामलों में तेजी से कार्रवाई शुरू हुई है। यही वजह है कि अब देउबा और अन्य नेताओं के खिलाफ जांच का दायरा बढ़ाया गया है। देउबा पांच बार प्रधानमंत्री रह चुके हैं और 1991 से लगातार राजनीति में सक्रिय रहे हैं। हालांकि हालिया घटनाक्रम और जांच के चलते उनका राजनीतिक भविष्य संकट में नजर आ रहा है। नई सरकार के सख्त रुख के कारण उनके लिए स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

'पूर्ण समझौते तक अमेरिकी सेना ईरान में रहेगी', ट्रंप का अल्टीमेटम; लेबनान पर फिर बरसे बम

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप ने कहा इसमें अमेरिकी जहाज, विमान और सैनिक शामिल होंगे, साथ ही अतिरिक्त गोला-बारूद, हथियार और वह सब कुछ जो दुश्मन के कमजोर किए गए ढांचे को पूरी तरह नष्ट करने के लिए जरूरी हो। राष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि समझौते का पालन किसी भी कारण से नहीं हुआ, तो कार्रवाई बड़ी, मजबूत और ऐसी होगी जो किसी ने पहले कभी नहीं देखी। ट्रंप ने आगे कहा यह लंबे समय पहले तय हुआ था और सभी झूठी बातें और बयानबाजी के बावजूद कोई परमाणु हथियार नहीं होंगे और होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह सुरक्षित और खुला रहेगा।

लेबनान से दागे गए रॉकेट को इस्राइल ने किया निष्क्रिय : इस्राइली सेना ने जानकारी दी है कि लेबनान की ओर से उत्तरी इस्राइल की दिशा में दागे गए एक रॉकेट को सफलतापूर्वक हवा में ही रोक दिया गया। इस हमले के बाद गलील क्षेत्र में हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन बज उठे, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब इस्राइल ने हाल ही में लेबनान पर अब तक के सबसे बड़े हमलों में से एक को अंजाम दिया है। इन हमलों में सैकड़ों लोगों की मौत हुई है और कई अन्य घायल हुए हैं।

इस्राइल ने फिर दक्षिण लेबनान पर बरसाए बम : इस्राइली सेना ने एक बार फिर बेरूत के दक्षिणी इलाकों पर हमला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हमला शहर के दक्षिणी उपनगरों में किया गया। इसके अलावा इस्राइल ने दक्षिणी लेबनान के कई कस्बों सफाद अल-बत्तिख, माजदल सेलेम, चाकरा और खेरबेत सेलेम पर भी बमबारी की है। हालांकि अभी हमलों में हुए नुकसान और हताहतों की पूरी जानकारी सामने नहीं आई है। स्थिति को लेकर लगातार अपडेट का इंतजार किया जा रहा है। होर्मुज पर ईरान का बड़ा फैसला, जहाजों के लिए नए रास्ते तय ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड की नौसेना ने होर्मुज में जहाजों की आवाजाही के लिए नए वैकल्पिक रास्तों का एलान किया है। यह कदम समुद्र में संभावित बारूदी सुरंगों (माइंस) से जहाजों को सुरक्षित रखने के लिए उठाया गया है। ईरान की सरकारी मीडिया के मुताबिक, आईआरजीसी नौसेना ने सभी जहाजों को निर्देश दिया है कि वे इन तय मार्गों का पालन करें और उनकी निगरानी में ही गुजरें। नेतन्याहू बोले- ईरान कमजोर, इस्राइल मजबूत; जीत अब तक की शानदार इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ट्वीट कर कहा कि इस्राइल ने अब तक की लड़ाई में शानदार जीत हासिल की है, जो पहले असंभव लगती थी। उनका कहना है कि अब ईरान पहले से कमजोर और इस्राइल पहले से मजबूत है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच युद्धविराम वार्ता बेनतीजा, चीन की कोशिश हुई बेकार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर जारी जंगी हालात पर चीन में हुई वार्ता के दौरान पाकिस्तानी हुक्मरान स्थायी युद्धविराम तक नहीं पहुंच पाए हैं। डॉन अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, यह वार्ता बिना ठोस नतीजे के खत्म हो गई। डॉन ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि इस बैठक में अफगानिस्तान ने लगातार पाकिस्तान पर तालिबान के मुद्दे को लेकर आंखें दिखाईं और तालिबान के कुछ सवालों ने पाकिस्तानी अफसरों की परेशानी बढ़ा दी। दोनों पक्षों में समझौता नहीं हो पाया।

बीबीसी पश्तो ने भी कहा है कि चीन में हुई बैठक में तालिबान ने पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए आतंकवाद की परिभाषा स्पष्ट करने के लिए कहा। इसके अलावा तालिबान ने डूरंड लाइन (सीमा रेखा) को मान्यता नहीं देने की बात भी कही। तालिबान ने यह भी कहा कि अस्थाई युद्धविराम के बावजूद पाकिस्तानी सेना उसके क्षेत्र में हमले कर रही है। यद्यपि अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी ने कहा कि वार्ता उपयोगी रही लेकिन इसमें कोई सफलता किसी के हाथ नहीं लगी है। एजेंसी

मुत्ताकी का सख्त रवैया : चीन के अफसरों के सामने ही अफगानिस्तान के प्रतिनिधि अमीर खान मुत्ताकी ने सख्त रवैया अपनाया और पाकिस्तान को इस छह दिनी बैठक में दोटूक कह दिया कि हमारी कोशिश जंग को खत्म करने की रहेगी, लेकिन यह सब पाकिस्तान पर निर्भर करेगा।

समझौते में छह देश शामिल : पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच समझौता कराने में पाकिस्तान समेत छह देश शामिल हैं। इनमें चीन, तुर्किये, पाकिस्तान, यूएई, सऊदी अरब और कतर शामिल हैं। चीन इस शांति वार्ता का नेतृत्वकर्ता है। पाकिस्तान का कहना है कि जब तक टीटीपी को अफगानिस्तान से खत्म नहीं किया जाएगा, तब तक बात नहीं बन सकती है। दूसरी तरफ अफगानिस्तान ने टीटीपी को पाकिस्तान की समस्या बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक, बैठक में पाकिस्तान ने टीटीपी को लेकर अफगानिस्तान पर हमला किया। पाकिस्तान का कहना था कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) नामक आतंकी गुट को काबुल में पनाह दी जाती रही है। इसे तालिबान ने सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि आतंकवाद पाकिस्तान की घरेलू समस्या है। उसने पूछा, पहले यह बताए कि आतंक की परिभाषा क्या है? इसके बाद डूरंड लाइन पर पाकिस्तान को अफगानिस्तान ने खरी-खोटी सुनाई। छह दिन तक चली इस समझौता वार्ता में दोनो ही पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप किए।

फिर चलेंगी मिसाइलें, पाकिस्तान का कराया सीजफायर टूटने की कगार पर? ईरान ने दे दी धमकी

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में हुए सीजफायर पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। खबर है कि ईरान की तरफ से इजरायल को धमकी दी गई है। तेल अवीव को उड़ाने की धमकियां लेबनान में हुए हमले के जवाब में दी गई हैं। खास बात है कि मध्यस्थ पाकिस्तान ने कहा था कि सीजफायर में लेबनान में शांति भी शामिल है। जबकि, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सार्वजनिक रूप से इससे इनकार कर दिया है। ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की तरफ से इजरायल को चेतावनी जारी की गई है। इसमें कहा गया है, 'अगर कुछ घंटों में दक्षिण लेबनान में फायरिंग नहीं रुकी, तो एयर और मिसाइल यूनिट तेल अवीव में हमला करेंगी...।'

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा था, 'मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि ईरान और अमेरिका, अपने सहयोगियों के साथ, लेबनान और अन्य सभी जगहों पर तुरंत युद्धविराम के लिए सहमत हो गए हैं। यह फैसला अभी इसी वक्त से प्रभावी है।'

ट्रंप और जेडी वेंस दोनों ने मना कर दिया : अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा, 'मुझे लगता है कि कोई गलतफहमी हुई है। मुझे लगता है कि ईरानी यह मान रहे थे कि सीजफायर में लेबनान भी शामिल है। जबकि, ऐसा नहीं है।' उन्होंने कहा कि अमेरिका का मत है कि सीजफायर ईरान और अमेरिका के सहयोगियों पर फोकस होगा। जिसमें इजरायल और अरब देश शामिल हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि लेबनान को युद्धविराम समझौते में 'हिज्बुल्लाह की वजह से' शामिल नहीं किया गया है। ट्रंप ने पीबीएस न्यूज आवर के साथ बातचीत में कहा, 'उन्हें समझौते में शामिल नहीं किया गया है। इसे भी ध्यान रखा जाएगा। सब ठीक है।' जब उनसे लेबनान में इजरायल की तरफ से लगातार हमले जारी रखने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'यह समझौते का हिस्सा है - यह तो सभी जानते हैं। यह एक अलग झड़प है।'

एक दिन में 182 की मौत : इजरायल ने बुधवार को मध्य बेरूत के घनी आबादी वाले कई आवासीय और वाणिज्यिक क्षेत्रों पर हवाई हमले किए जिसमें 182 लोगों की मौत हो गई। यह इजरायल-हिजबुल्ला युद्ध के दौरान एक दिन में हुई मौत की सर्वाधिक संख्या है।

अमेरिका में जाति विवाद गहराया: भारतीय और हिंदू समुदाय को निशाना बनाने का आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में जाति आधारित भेदभाव को लेकर विवाद एक बार फिर तेज हो गया है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने कैलिफोर्निया की नागरिक अधिकार नियामक एजेंसी के खिलाफ नौवीं सर्किट अपील न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। संगठन का आरोप है कि एजेंसी ने गलत तरीके से जाति को हिंदू धर्म से जोड़ते हुए भारतीय और दक्षिण एशियाई समुदायों को निशाना बनाया है।

6 अप्रैल को दाखिल जवाबी याचिका में एचएएफ ने अदालत से अनुरोध किया है कि निचली अदालत द्वारा उसके मुकदमे को खारिज करने में जिन प्रक्रियात्मक बाधाओं का हवाला दिया गया था, उन्हें हटाया जाए। संगठन का कहना है कि जिला अदालत ने उसके दावों के मूल मुद्दों पर विचार किए बिना ही मामला खारिज कर दिया।

क्यों हो रहा यह विवाद : यह पूरा विवाद कैलिफोर्निया नागरिक अधिकार विभाग द्वारा सिस्को सिस्टम्स और उसके दो प्रबंधकों के खिलाफ दर्ज शिकायत से जुड़ा है। इस शिकायत में जाति के आधार पर भेदभाव के आरोप लगाए गए थे और यह कार्रवाई कैलिफोर्निया के फेयर एम्प्लॉयमेंट एंड हाउसिंग एक्ट के तहत की गई थी। सीआरडी ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि उसने सिस्को और उसके पूर्व प्रबंधकों के खिलाफ जाति-आधारित भेदभाव का मामला दर्ज किया है। एचएएफ का आरोप है कि सीआरडी ने अपनी कार्रवाई में जाति को हिंदू धर्म और भारतीय मूल के कर्मचारियों से जोड़ने की कोशिश की। संगठन के मुताबिक, एजेंसी की शिकायत में जाति शब्द का बार-बार इस्तेमाल किया गया और यह धारणा बनाई गई कि भारतीय कर्मचारियों के बीच जाति-आधारित भेदभाव होता है, जिसे कंपनी को रोकना चाहिए था। एजेंसी की कार्रवाई नस्लवादी और तथ्यहीन धारणाओं पर आधारित है

संगठन ने यह भी कहा कि एजेंसी की प्रस्तुति भारतीयों और हिंदुओं के बारे में नस्लवादी और तथ्यहीन धारणाओं पर आधारित है। एचएएफ ने सीआरडी के एक पुराने बयान का हवाला दिया, जिसमें भारत की जाति व्यवस्था को कठोर हिंदू सामाजिक और धार्मिक पदानुक्रम बताया गया था। हालांकि, बाद में विभाग ने इस विवादित वाक्यांश को हटा दिया और मामले को अप्रासंगिक बताया, लेकिन संगठन का कहना है कि इससे मूल समस्या खत्म नहीं होती। फाउंडेशन का कहना है कि हिंदू सामाजिक और धार्मिक पदानुक्रम जैसे शब्द हटाने के बावजूद सीआरडी अब भी कंपनी के भारतीय, दक्षिण एशियाई और हिंदू कर्मचारियों पर जाति से जुड़ी नीतियां लागू करने की कोशिश कर रहा है। इस मामले का असर केवल एक केस तक सीमित नहीं एचएएफ की सीनियर लीगल डायरेक्टर निधि शाह ने चेतावनी दी कि इस मामले का असर सिर्फ एक केस तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि हिंदू अमेरिकी, भारतीय अमेरिकी और दक्षिण एशियाई अमेरिकी समुदाय इस मुद्दे को लेकर चिंतित हैं। शाह ने आरोप लगाया कि नागरिक अधिकार विभाग अपनी प्रवर्तन शक्तियों का इस्तेमाल उन्हीं अल्पसंख्यक समूहों को अलग करने के लिए कर रहा है, जिनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी उस पर है। उन्होंने कहा कि कैलिफोर्निया के लोग, नियोक्ता और कारोबारी इस पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एजेंसी जाति के आधार पर कार्रवाई करते हुए इसका दोष हिंदू धर्म पर डाल रही है और यह आशंका जताई कि भविष्य में और हिंदू संगठनों या व्यक्तियों को निशाना बनाया जा सकता है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 918, निफ्टी 275 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से बाजार में ये तेजी आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 918.60 अंक बढ़कर 77,550.25 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 275.50 अंक उछलकर 1.10 24,050.60 पर बंद हुआ। बाजार में बढ़त ऑटो स्टॉक्स में तेजी से आई है। इस कारण निफ्टी ऑटो में सबसे अधिक 2.85 फीसदी की तेजी रही जबकि निफ्टी रियल्टी में 2.08 फीसदी और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 2.06 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक 2.01 फीसदी, निफ्टी की तेजी के साथ बंद हुआ। सूचकांकों में केवल निफ्टी आईटी ही 1.91 फीसदी गिरावट पर बंद हुआ।

आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी उछाल आया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 865.20 अंक बढ़कर 57,843.95 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 274.10 अंक ऊपर आकर 16,840.10 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, एमएंडएम, इंडिगो, एसबीआई, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, अदाणी पोर्ट्स, ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, एचयूएल, पावर ग्रिड, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति सुजुकी, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा स्टील, बीईएल और एनटीपीसी के शेयर लाभ में रहे थे जबकि सन फार्मा, इन्फोसिस, टीसीएस, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक के शेयर गिरे हैं।

इससे पहले आज सुबह बाजार की मजबूती के साथ शुरुआत हुई। सेंसेक्स 77,198 अंक पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 577.35 अंक की बढ़त के साथ 77,209 के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह` निफ्टी 50 भी मजबूती के साथ 23,880 पर खुला। एशियाई बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों ने भी बाजार को सपोर्ट दिया। हालांकि, वैश्विक स्तर पर यूएस-ईरान तनाव अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है। इस कारण निवेशक पूरी तरह

बेफिक्र नहीं हैं और सतर्कता के साथ निवेश कर रहे हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 35 पैसे की गिरावट के साथ ही 92.85 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया 10 पैसे की तेज होकर 92.41 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.58 पर खुला। फिर शुरुआती कारोबार में 92.41 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गुरुवार को तीन पैसे की मामूली बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.51 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी की बढ़त के साथ 98.69

पर रहा।

इंदौर व्यापार महोत्सव में साबु ट्रेड करेगा न्यूट्रीदाना का प्री-लॉन्च

स्टाल नंबर 7 पर मिलेगा शुद्धता और स्वाद का संगम

इंदौर ।

इंदौर में माहेश्वरी समाज द्वारा आयोजित दो दिवसीय व्यापार महोत्सव में देश की प्रतिष्ठित खाद्य उत्पाद कंपनी साबु ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड, सेलम अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज कराने जा रही है। 11 और 12 अप्रैल को आयोजित होने वाले इस महोत्सव में कंपनी न केवल अपने लोकप्रिय उत्पादों का प्रदर्शन करेगी, बल्कि अपने आगामी इनोवेटिव उत्पाद सच्चासाबु न्यूट्रीदाना की पहली झलक भी पेश करेगी।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में मार्च में निवेश 56 फीसदी बढ़कर 40,450 करोड़

- गोल्ड ईटीएफ में निवेश घटकर 2,266 करोड़ रुपये रह गया

नई दिल्ली ।

मार्च महीने में बाजार में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद निवेशकों का भरोसा शेयर आधारित म्यूचुअल फंडों में बना रहा। इक्विटी योजनाओं में शुद्ध निवेश में तेज वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि डेट फंडों से भारी निकासी ने कुल उद्योग आंकड़ों को प्रभावित किया। मार्च महीने में भारतीय शेयर आधारित म्यूचुअल फंड योजनाओं में निवेशकों का भरोसा मजबूत बना रहा, जिससे शुद्ध निवेश 56 प्रतिशत बढ़कर 40,450 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। फरवरी में यह आंकड़ा 25,978 करोड़ रुपये था। बाजार में उतार-चढ़ाव और वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद इक्विटी योजनाओं में लगातार निवेश बढ़ा, जिसका मुख्य कारण फ्लेक्सी कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप फंडों में भारी प्रवाह रहा। फ्लेक्सी कैप फंड में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश दर्ज किया गया, जबकि स्मॉल कैप में 6,263 करोड़ रुपये और मिड कैप में 6,063 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। व्यवस्थित निवेश योजना यानी एसआईपी के माध्यम से भी निवेश बढ़कर 32,087 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले महीने से अधिक है। हालांकि ईएलएसएस श्रेणी में मामूली निकासी देखी गई। वहीं गोल्ड ईटीएफ में निवेश घटकर 2,266 करोड़ रुपये रह गया। दूसरी ओर डेट फंडों से भारी निकासी के कारण पूरे उद्योग में कुल 2.4 लाख करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी दर्ज हुई, जिससे एयूएम घटकर 73.73 लाख करोड़ रुपये रह गया। यह प्रवृत्ति निवेश धारणा में बदलाव को दर्शाती है।

रियल एस्टेट दिवाला मामलों में परियोजना पूर्णता को प्राथमिकता देने की सिफारिश

- आईबीबीआई की विशेष समिति ने 155 सुझाव दिए, घर खरीदारों के हितों की सुरक्षा पर जोर

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट क्षेत्र के दिवाला मामलों के समाधान में अब वित्तीय वसूली की बजाय अटकी परियोजनाओं को पूरा करने पर अधिक ध्यान देने का सुझाव दिया गया है। रियल एस्टेट से जुड़े दिवाला मामलों में घर खरीदारों के हितों की सुरक्षा के लिए परियोजना-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने की सिफारिश की गई है। भारतीय दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) द्वारा गठित एक विशेष समिति ने सुझाव दिया है कि ऐसे मामलों में पूरी कंपनी को दिवालिया घोषित करने के बजाय केवल अटकी हुई परियोजनाओं के समाधान पर ध्यान दिया जाए। समिति का मानना है कि इस क्षेत्र में खरीदारों की प्राथमिकता पैसा वापस पाने के बजाय अपने घर का निर्माण पूरा होना और कब्जा प्राप्त करना होती है। उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर गठित इस समिति में कॉरपोरेट मामलों और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालयों के प्रतिनिधि शामिल थे। समिति ने 55 प्रमुख मुद्दों की समीक्षा कर 155 सिफारिशें की हैं। इसमें आईबीसी और रेरा के बीच बेहतर समन्वय पर भी जोर दिया गया है ताकि परियोजनाएं समय पर पूरी हों और खरीदारों का भरोसा मजबूत हो सके।

एडीबी ने भारत की विकास दर 6.9 फीसदी रहने का अनुमान लगाया

– घरेलू मांग और आसान वित्तीय परिस्थितियों से वृद्धि मजबूत रहने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। बैंक के अनुसार मजबूत घरेलू मांग और आसान वित्तपोषण परिस्थितियां अर्थव्यवस्था को सहारा देंगी। एशियन डेवलपमेंट आउटलुक रिपोर्ट में कहा गया है

कि भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका के कम शुल्क और निवेश माहौल में सुधार से भी वृद्धि को समर्थन मिलेगा। वहीं 2027 -28 में जीडीपी ग्रोथ बढ़कर 7.3 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि पश्चिम एशिया में लंबे समय तक संघर्ष जारी रहने से ऊर्जा कीमतों में वृद्धि, व्यापार बाधाएं और रेमिटेंस में कमी के जरिए भारत की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। एडीबी ने अनुमान लगाया है कि मुद्रास्फीति 2025-26 के 2.1 प्रतिशत से बढ़कर 2026-27 में 4.5 प्रतिशत हो सकती है, जिसका कारण तेल कीमतों में वृद्धि, मुद्रा में कमजोरी और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव है।

हालांकि 2027-28 में तेल कीमतों में नरमी से मुद्रास्फीति घटकर लगभग 4 प्रतिशत रहने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार घरेलू सुधार, यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते और सरकारी वेतन वृद्धि भविष्य में आर्थिक विकास को और गति दे सकते हैं।

भारत एकीकृत सामाजिक सुरक्षा ढांचा अपनाए, बढ़ेगी दक्षता और घटेगा लाभों का दोहराव एडीबी

– पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और दिव्यांगता लाभों को जोड़ने से बेहतर लक्ष्यीकरण और कम होगा राजकोषीय बोझ

नई दिल्ली ।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने भारत को सलाह दी है कि वह अपनी सामाजिक सुरक्षा प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के लिए एकीकृत सामाजिक सुरक्षा ढांचा अपनाए। इससे न केवल योजनाओं में दोहराव कम होगा, बल्कि लाभार्थियों तक सहायता बेहतर तरीके से पहुंच सकेगी और सरकारी खर्च अधिक संतुलित होगा। एडीबी ने अपनी एशिया डेवलपमेंट आउटलुक रिपोर्ट में भारत की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। बैंक ने कहा है कि भारत को एक एकीकृत सामाजिक सुरक्षा ढांचा अपनाना चाहिए, जिससे विभिन्न योजनाओं के बीच समन्वय बढ़े और संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सके। रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में केंद्र और राज्य सरकारों की कई योजनाएं समान लाभार्थी समूहों को कवर करती हैं, लेकिन इनके बीच समन्वय सीमित है। इसके कारण कई बार एक ही व्यक्ति या परिवार को अलग-अलग योजनाओं से समान प्रकार के लाभ मिल जाते हैं, जिसे ÷लाभों का दोहराव÷ कहा जाता है। एडीबी ने सुझाव दिया कि पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और दिव्यांगता कवरेज जैसी प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को एक साझा ढांचे में जोड़ा जाए। इसमें अंशदायी योजनाओं को भी शामिल किया जा सकता है, जिससे लाभ वितरण अधिक व्यवस्थित और लक्षित हो सके। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि सामाजिक सुरक्षा की जरूरतें राज्यों की जनसंख्या संरचना, रोजगार पैटर्न और वित्तीय क्षमता के अनुसार अलग-अलग होती हैं।

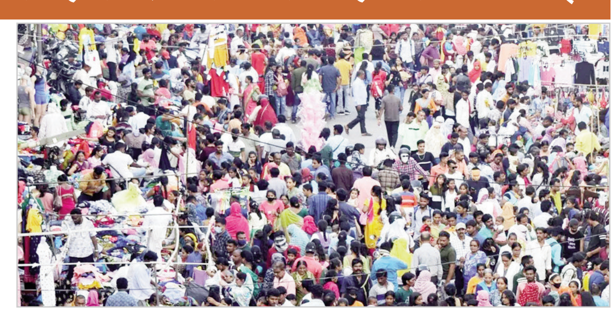

इसलिए एकीकृत ढांचा राज्यों को अपनी आवश्यकताओं के अनुसार लचीलापन देगा। मनीला स्थित इस बहुपक्षीय संस्था ने यह भी बताया कि इस सुधार से सरकारें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की सुरक्षा भूमिका को बनाए रखते हुए राजकोषीय लागत को नियंत्रित कर सकेंगी। इससे बचने वाले संसाधनों को बुनियादी ढांचे और मानव पूंजी जैसे क्षेत्रों में लगाया जा सकता है, जो दीर्घकालिक आर्थिक विकास के लिए जरूरी हैं। एडीबी ने प्रत्यक्ष लाभ अंतरण प्रणाली को और मजबूत करने की भी सिफारिश की है, ताकि सत्यापित लाभार्थियों तक ही सहायता पहुंचे और अनावश्यक दोहराव कम हो। इसके अलावा रिपोर्ट में उपभोग आधारित सब्सिडी से हटकर निवेश आधारित सहायता पर जोर दिया गया है। उदाहरण के लिए, मुफ्त बिजली की जगह घरों में सौर ऊर्जा अपनाने को बढ़ावा देना, जिससे सरकारी खर्च कम होगा और परिवारों की आर्थिक स्थिरता बढ़ेगी।

गोदरेज प्रॉपर्टीज की बिक्री बुकिंग रिकॉर्ड स्तर पर

- कंपनी की बिक्री 16 प्र तिशत बढी, 34,171 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार

नई दिल्ली।

रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रापर्टीज` लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 में मजबूत आवासीय मांग के दम पर अब तक का सबसे बेहतर प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी की बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 34,171 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि इस दौरान उसने 32,500 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा था, जिसे उसने आसानी से पार कर लिया। इस अवधि में कुल 17,515 आवासीय इकाइयों की बिक्री हुई, जिनका संयुक्त क्षेत्रफल लगभग 2.7 करोड़ वर्ग फुट रहा। मात्रा के आधार पर बिक्री में भी सालाना 5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी का यह अब तक का सबसे बड़ा वार्षिक बुकिंग मूल्य और वॉल्यूम बताया जा रहा है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार यह प्रदर्शन भारत के प्रमुख महानगरों में मजबूत आवासीय मांग को दर्शाता है। कंपनी का फोकस भविष्य में भी परियोजनाओं के विस्तार और निवेश पर रहेगा।

आरबी आई डिजिटल भुगतान में सुरक्षा बढ़ाने नए नियम लागू करेगी

– बड़े लेनदेन में देरी से क्रेडिट, डिजिटल भुगतान को बंद करने का विकल्प

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने डिजिटल भुगतान प्रणाली में बढ़ती धोखाधड़ी को रोकने के लिए कई नए और सख्त सुरक्षा उपायों का प्रस्ताव रखा है। इनमें बड़े लेनदेन में देरी से क्रेडिट, डिजिटल भुगतान को बंद करने का विकल्प और कमजोर वर्गों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा शामिल है। केंद्रीय बैंक ने इस पर सुझाव और प्रतिक्रिया 8 मई तक मांगी है।` रिजर्व बैंक आफ इं डिया ने डिजिटल भुगतान प्रणाली में तेजी से बढ़ रही धोखाधड़ी पर चिंता जताते हुए एक चर्चा पत्र जारी किया है। इसमें ग्राहकों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव शामिल किए गए हैं। सबसे प्रमुख प्रस्ताव के अनुसार, 10,000 रुपये से अधिक के पुश पेमेंट लेनदेन पर राशि को तुरंत खाते में जमा करने के बजाय लगभग एक घंटे की देरी से क्रेडिट किया जाएगा। इस दौरान ग्राहक के पास ट्रांजैक्शन रद्द करने का विकल्प रहेगा। इससे फर्जी लेनदेन पर रोक लगाने में मदद मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा आरबीआई ने ÷किल स्विच÷ प्रणाली का प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत ग्राहक अपने सभी डिजिटल भुगतान विकल्पों को एक क्लिक में बंद कर सकेंगे। आवश्यकता पड़ने पर उचित प्रमाणीकरण के बाद ही इन्हें दोबारा चालू किया जा सकेगा। बैंक ने खाताधारकों को यह सुविधा देने का भी सुझाव दिया है कि वे अपने खाते में विभिन्न प्रकार के डिजिटल लेनदेन की सीमाएं तय कर सकें। साथ ही, संदिग्ध गतिविधियों को रोकने के लिए कुछ खातों में क्रेडिट सीमा लगाने का भी प्रस्ताव है, ताकि म्यूल अकाउंट जैसी धोखाधड़ी पर रोक लग सके। 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों तथा दिव्यांग व्यक्तियों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा का भी प्रावधान सुझाया गया है। इनके बड़े डिजिटल लेनदेन के लिए किसी भरोसेमंद व्यक्ति द्वारा अतिरिक्त

अनुमति की आवश्यकता हो सकती है। आरबीआई ने यह भी बताया कि डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, 2025 में लगभग 28 लाख मामले दर्ज हुए, जिनमें हजारों करोड़ रुपये की धोखाधड़ी शामिल है।

अमेरिका जाएगा भारतीय प्रतिनिधिमंडल, व्यापार समझौते की संभावना

अंतरिम ट्रेड डील को अंतिम रूप देने की तैयारी, 500 अरब डॉलर व्यापार लक्ष्य पर फोकस

नई दिल्ली ।

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने के लिए इस महीने के अंत में भारतीय प्रतिनिधिमंडल वाशिंगटन का दौरा करेगा। दोनों देशों के बीच व्यापारिक सहयोग को मजबूत करने की दिशा में यह अहम कदम माना जा रहा है। भारत और अमेरिका ने फरवरी में एक अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे की घोषणा की थी, जिसका उद्देश्य आपसी व्यापार बढ़ाना, बाजार पहुंच को आसान बनाना और आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करना है। अब इस समझौते को आगे बढ़ाने के लिए दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय वार्ता की तैयारी है। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर इस समय अमेरिका की यात्रा पर हैं। उन्होंने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह इस महीने के अंत में वाशिंगटन पहुंचने वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने और प्रस्तावित व्यापार समझौते पर चर्चा करने के लिए उत्सुक हैं। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब एक दिन पहले ही विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने वाशिंगटन में 'भारत-अमेरिका व्यापार सुविधा पोर्टल' की शुरुआत की। दोनों देश आपसी व्यापार को 500 अरब डॉलर के लक्ष्य तक पहुंचाने की दिशा में काम कर रहे हैं। इससे पहले गोर ने अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा से भी मुलाकात की थी। क्वात्रा ने कहा था कि दोनों पक्ष अपने नेताओं द्वारा तय किए गए रणनीतिक संबंधों के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए ठोस प्रयास कर रहे हैं।

व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से चर्चा के लिए दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच आमने-सामने की यह पहली बैठक होगी। यह बैठक पहले ही होनी थी, लेकिन दो महीने पहले अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद टैरिफ पर अनिश्चितता की स्थिति बन गई, जिस कारण भारतीय प्रतिनिधिमंडल की वाशिंगटन यात्रा टल गई थी।

आपूर्ति संकट और मध्य पूर्व तनाव से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी

– होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधा और अमेरिका–ईरान तनाव से ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई में बढ़त

मुंबई ।

वैश्विक कच्चे तेल बाजार में शुक्रवार को फिर तेजी देखने को मिली, जब भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति बाधाओं की आशंकाओं ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। अमेरिका-ईरान सीजफायर को लेकर अनिश्चितता, मध्य पूर्व में सैन्य तनाव और प्रमुख समुद्री मार्गों पर जोखिम के कारण तेल की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया। ब्रेंट क्रूड 1.13 प्रतिशत बढ़कर 97.01 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 1.39 प्रतिशत चढ़कर 99.24 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड करता नजर आया। भारत के मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर भी असर दिखा, जहां 20 अप्रैल डिलीवरी वाला क्रूड ऑयल फ्यूचर्स करीब 2.43 प्रतिशत की बढ़त के साथ 9,150 रुपये प्रति बैरल पर पहुंच गया। बाजार में यह तेजी ऐसे समय आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर को लेकर स्पष्टता नहीं है। मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने के साथ-साथ सऊदी अरब के ऊर्जा ढांचे पर हमलों की आशंका और सप्लाई चेन बाधित होने के डर ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। सबसे बड़ा जोखिम स्ट्रेट आफ होर्मुज में देखा जा रहा है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। रिपोर्टों के अनुसार, इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से शिपिंग गतिविधियां सामान्य स्तर से काफी कम हो गई हैं, जिससे वैश्विक सप्लाई पर दबाव बना है। मध्य पूर्व में इज़रायल और लेबनान के बीच जारी तनाव ने भी स्थिति को और जटिल बना दिया है। वहीं, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि यदि सीजफायर की शर्तों का पालन नहीं हुआ तो सैन्य कार्रवाई की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, हालांकि उन्होंने इसे कम संभावना वाला

बताया है। विश्लेषकों के अनुसार कुछ दिन पहले तेल कीमतों में करीब 20 प्रतिशत की गिरावट आई थी, लेकिन मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों ने बाजार को फिर अस्थिर कर दिया है। ऐ शियन डेवलपमेंट बैंक ने भी कहा है कि जब तक तनाव कम नहीं होता, तब तक तेल की कीमतें ऊंची बनी रह सकती हैं, हालांकि दीर्घकाल में स्थिरता की उम्मीद की जा सकती है।

रुपया 10 पैसे की बढ़त के साथ 92.41 प्रति डॉलर पर

- रुपया गुरुवार को डॉलर के मुकाबले 92.51 पर बंद हुआ था

मुंबई।

रुपया शुक्रवार को 10 पैसे मजबूत होकर 92.41 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपये में कारोबार के दौरान भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है क्योंकि बैंकों को अपने ओवरनाइट पोजीशन को 10 करोड़ डॉलर तक सीमित करने के लिए केंद्रीय बैंक के निर्देशों की समय सीमा आज समाप्त हो रही है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.58 पर खुला। फिर शुरुआती कारोबार में 92.41 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को तीन पैसे की मामूली बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.51 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.69 पर रहा।

आईपीएल में आज सीएसके पर जीत के इरादे से उतरेगी कैपिटल्स

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल में शनिवार को होने वाले दूसरे मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स से होगा। इस मैच में सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ अपने घरेलू मैदान पर टीम को जीत दिलाना चाहेंगे। अब तक सीएसके ने इस सत्र में एक भी मैच नहीं जीता है। उसके गेंदबाजों और बल्लेबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है जिससे टीम मुश्किल में है। इस मैच में उसके पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के खेलने की संभावना है। अगर धोनी खेलते हैं तो ये सीएसके लिए काफी फायदेमंद होगा। वहीं दूसरी ओर अक्षर पटेल की कप्तानी में उतर रही दिल्ली कैपिटल का प्रदर्शन सीएसके से अच्छा रहा है। ऐसे में उसके हौंसले बुलंद हैं।

सीएसएके के लिए इस सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। टीम अपने शुरुआती मैच में आरसीबी और पंजाब किंग्स से हारी है। टीम की बल्लेबाजी ही नहीं गेंदबाजी भी कमजोर रही है। वहीं कैपिटल्स ने सत्र की शुरुआत बेहतर तरीके से की है। उसने अपने पहले तीन मैचों में से 2 में जीत हासिल की है। उसे लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत मिली जबकि गुजरात टाइटन्स से उसे केवल एक रन से ही हार मिली।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो ही टीमों के बीच अबतक हुए पिछले 31 के मुकाबलों में, दिल्ली ने 12 जीत दर्ज की हैं, जबकि चेन्नई सुपर किंग्स ने 19 जीत हासिल की हैं।

टीम इस प्रकार है

चेन्नई सुपर किंग्स- ऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), आयुष म्हात्रे, सरफराज खान, शिवम दुबे, प्रशांत वीर, जेमी ओवरटन, अंशुल कंबोज, नूर अहमद, खलील अहमद, मैट हेनरी

दिल्ली कैपिटल्स- अक्षर पटेल (कप्तान), पथुम निसांका, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश राणा, समीर रिजवी, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, विप्राज निगम, कुलदीप यादव, टी नटराजन, लुंगी एनगिडी

ऑरेंज और पर्पल कैप की सूची में बदलाव, अंगकृश रघुवंशी और अजिंक्य रहाणे शीर्ष पांच में शामिल

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच खेले हुए आईपीएल मुकाबले के बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के दावेदारों में बदलाव आये हैं। अब राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी और मुम्बई के रोहित शर्मा शीर्ष पांच से बार हो गये हैं। वहीं। केकेआर के अंगकृश रघुवंशी और कप्तान अजिंक्य रहाणे अपनी अच्छी पारियों की बदौलत शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में लखनऊ सुपर जाएंट्स के प्रिंस यादव को लाभ हुआ है।

ऑरेंज कैप की सुची में में राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पहले स्थान पर हैं। उन्होंने अभी तक खेले 3 मुकाबलों में 163.46 के स्ट्राइक रेट के साथ 170 रन बनाये हैं। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के समीर रिजवी और केकेआर के अंगकृश रघुवंशी दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं। शीर्ष पांच बल्लेबाजों में सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन और केकेआर के अजिंक्य रहाणे चौथे और पांचवे नंबर पर हैं।

पर्पल कैप की सूची में राजस्थान रॉयल्स के स्टार स्पिनर रवि बिश्नोई नंबर एक पर बने हुए हैं।उन्होंने इस लीग में अभी तक तीन मैचों में 7 विकेट लिए हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान के साथ-साथ दिल्ली कैपिटल्स के लुंगी एनगिडी और राजस्थान रॉल्यस के नंद्रे बर्गर शीर्ष-5 में शामिल हैं। लखनऊ सुपर जाएंट्स के प्रिंस यादव 5 विकेट के साथ 7वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं केकेआर के वैभव अरोड़ा 9वें पायदान पर हैं।

थर्ड अंपायर के पास जाना चाहिए था फैसला, रोवमन पॉवेल ने दिग्वेश राठी के कैच पर उठाए सवाल

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के बीच ईडन गार्डेन्स में एक रोमांचक मुकाबला खेला गया जिसे एलएसजी ने मुकुल चौधरी की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर 3 विकेट से जीता। केकेआर की पारी के दौरान सलामी बल्लेबाज फिन एलन का कैच एलएसजी के स्पिनर दिग्वेश राठी ने पकड़ा था जिस पर विवाद हुआ था। मैच के बाद रोवमन पॉवेल ने कहा कि इसे तीसरे अंपायर को भेजा जाना चाहिए था।

रोवमैन ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में रिपोर्टर्स से कहा, 'यह उनकी तरफ से एक बड़ी गलती थी, लेकिन हम इस पर गौर नहीं करेंगे और यह नहीं कहेंगे कि आज रात हमें दो पॉइंट्स का नुकसान हुआ, लेकिन मैदान पर मौजूद अंपायरों को फैसला थर्ड अंपायर को भेजना चाहिए था।'

केकेआर की पारी का दूसरा ओवर प्रिंस यादव कर रहे थे। ओवर की चौथी गेंद प्रिंस ने बैक-ऑफ-ए-लेंथ डिलीवरी फेंकी, और फिन एलन ने उसे लाइन के पार मारा, लेकिन टॉप एज लग गया। बॉल थर्ड मैन पर खड़े दिग्वेश के पास गई। ऐसा लगा कि बॉल दूर तक जाएगी, लेकिन राठी ने खुद को बाउंड्री लाइन के किनारे पर संभाला और दोनों हाथों से कैच लेने के लिए अपनी बाईं ओर खड़े हो गए। राठी बाउंड्री लाइन के बहुत करीब थे, और अंपायर जो कुछ भी हुआ उससे खुश लग रहे थे। एलन को आउट दिया गया। फैसला थर्ड अंपायर को नहीं भेजा गया, और बाद में रिप्ले से पता चला कि राठी ने शायद कुशन पर पैर रख दिया था। हालांकि, रिप्ले से कुछ भी पक्का पता नहीं चल सका।

आईपीएल में आज होगा पंजाब और सनराइजर्स का मुकाबला

मुल्लांपुर (एजेंसी)। आईपीएल में शनिवार को को होने वाले पहले मुकाबले में पंजाब किंग्स का मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। कप्तान श्रेयस अय्यर की पंजाब का लक्ष्य इस मैच में भी अपनी जीत का सिलसिला बनाये रखना रहेगा। पंजाब ने अभी तक इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इससे वह जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। उसे इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। उसने तीन में से अपने दो मैच जीते हैं वहीं उसका एक मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया था। पंजाब ने इस सत्र में 200 रन से अधिक रनों का लक्ष्य भी आसानी से हासिल कर लिया था।

टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने अब तक के मैचों में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है।

सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह के अलावा कूपर कोनोली ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं गेंदबाजी में विजयकुमार वैशाक ने प्रभावी प्रदर्शन किया है।

वहीं दूसरी ओर ईशान किशन की कप्तानी में सनराइजर्स अभी तक केवल एक मैच ही जीत पायी है। टीम की ताकत उसकी बल्लेबाजी है पर उसके बल्लेबाज इस सत्र में असफल रहे हैं। सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा भी अबतक असफल रहे हैं। उसके प्रमुख गेंदबाज

हर्षल पटेल और जयदेव उनादकट भी अबतक प्रभावी नहीं रहे हैं। केवल नीतीश कुमार रेड्डी और हेनरिक क्लासेन ही अब तक सफल रहे हैं। स्पिनर हर्ष दुबे ने पावरप्ले में अच्छा प्रदर्शन बनाये रखा है।

आईपीएल इतिहास में अब तक दोनों टीमों के बीच कुल 23 मैच खेले गए हैं। इसमें पंजाब किंग्स ने 7 तो हैदराबाद ने 17 मुकाबलों में जीत हासिल की है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पंजाब किंग्स- श्रेयस अय्यर (कप्तान), अर्शदीप सिंह, प्रियांश आर्य, पाइला अविनाश, अजमतुल्लाह उमरजई, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, कूपर कोनोली, प्रवीण दुबे, बेन ड्वारशुइस, लॉकी फर्ग्यूसन, हरनूर सिंह, हरप्रीत बराड़, मार्को यानसन, मुशीर खान, विशाल निशाद, मिचेल ओवेन, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, विष्णु विनोद, विजयकुमार वैश्यक, नेहल वढेरा, यश ठाकुर।

सनराइजर्स हैदराबाद- ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, पैट कमिंस, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंडु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी।

भारत के खिलाफ टेस्ट में राशिद के बिना ही उतरेगी अफगानिस्तान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान की टीम को जून में भारत के खिलाफ मुल्लांपुर में होने वाले होने वाले एकमात्र टेस्ट में अपने स्टार स्पिनर राशिद खान के बिना ही उतरना होगा। इसका कारण है कि राशिद को डॉक्टर ने सलाह दी है उन्हें अपनी कमर को आराम देना होगा। आजकल आईपीएल खेल रहे राशिद से डॉक्टर ने कहा है कि अगर वह अपना करियर लंबा करना चाहते हैं तो टेस्ट क्रिकेट से दूर रहें। इसी कारण राशिद मैच से बाहर रहेंगे। राशिद का कहना है कि उनकी प्राथमिकता साल 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए फिटनेस हासिल करना है। राशिद ने साल 2023 वनडे विश्व कप के बाद कमर की सर्जरी कराई थी। उन्होंने कहा कि डॉक्टर ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने की सलाह दी थी पर इसके बाद भी पिछले साल उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ एक टेस्ट खेलकर 54 ओवर किये थे।

राशिद के अनुसार डॉक्टर ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने के लिए ही कहा था। इसके बावजूद उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट खेला। उन्होंने कहा, एकदिवसीय क्रिकेट में मुझे मजा आता है और मैं अफगानिस्तान के लिए लंबे समय तक खेल सकता हूं पर फिलहाल अपनी कमर को आराम देना चाहता हूं जिससे कि उसपर अधिक दबाव न पड़े। आईपीएल के बाद भारत के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के बारे में खेलने को लेकर राशिद ने कहा कहा, ये काफी कठिन सवाल है। मैं 2025 में एक टेस्ट खेल चुका हूं और अब विश्व कप की तैयारी करूंगा। ऐसे में एक टेस्ट खेलकर अपना करियर खतरे में नहीं डाला जा सकता।

यूईएफए यूरोपा लीग- क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में ब्रागा और रियल बेटिस के बीच मैच 1-1 से ड्रॉ रहा

ब्रागा। यूईएफए यूरोपा लीग क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में ब्रागा और रियल बेटिस के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। एस्टाडियो म्युनिसिपल डे ब्रागा में खेले गए इस मैच में दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। मैच की शुरुआत में ब्रागा ने आक्रामक अंदाज अपनाया और इसका फायदा उन्हें जल्दी ही मिल गया।

डिएगो रोड्रिग्स के कॉर्नर पर फ्लोरियन ग्रिलिट्श ने शानदार फ्लिक के जरिए गोल दागते हुए टीम को बढ़त दिलाई। इस शुरुआती गोल ने घरेलू टीम को आत्मविश्वास दिया और उन्होंने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा। हालांकि, रियल बेटिस ने धीरे-धीरे वापसी की कोशिश की। 24वें मिनट में मार्क बार्ट्रा ने हेडर के जरिए बराबरी का मौका बनाया, लेकिन गेंद पोस्ट से टकराकर बाहर चली गई। इसके बाद भी बेटिस ने दबाव बनाए रखा और ब्रागा के गोलकीपर लुकास हॉर्निसेक को कई बार सतर्क रहना पड़ा, खासकर कुचो हर्नांडेज के क्लोज-रेंज हेडर को रोकते समय। दूसरे हाफ में मैच और रोमांचक हो गया। बेटिस ने आक्रमण को तेज करने के लिए बदलाव किए, जिसमें विंगर एंटनी को मैदान पर उतारा गया। हालांकि, ब्रागा ने भी मौके बनाए और ग्रिलिट्श का एक शॉट गोलकीपर पाऊ लोपेज ने शानदार तरीके से बचाया। मैच का टर्निंग पॉइंट तब आया जब ब्रागा के जीन-बैप्टिस्ट गोर्बी ने बॉक्स में फाउल कर दिया, जिससे बेटिस को पेनल्टी मिली।

हार से निराश रहाणे बोले, मुकुल ने हमसे मैच छीन लिया

कोलकाता। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के कप्तान आजिंक्य रहाणे ने लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा कि इस प्रकार की हार को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। केकेआर को इस सत्र में सभी तीन मैचों में हार झेलनी पड़ी है जबकि एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। सुपरजायंट्स के खिलाफ उसे मैच की अंतिम गेंद पर हार मिली। इस मैच में एक समय केकेआर काफी अच्छी स्थिति में थी पर मुकुल चौधरी ने अंतिम ओवरों में अर्धशतक लगाकर मैच पलट दिया। हार को लेकर रहाणे ने कहा, 'इसे स्वीकार करना थोड़ा मुश्किल क्योंकि अंत तक हम मैच में बने हुए थे। मुकुल ने अंत में जबरदस्त शॉट खेलकर मैच हमसे छीन लिया। ऐसे करीबी मैचों में ज्यादा कमियां नहीं निकाली जा सकतीं।' उन्होंने कहा, 'फील्डिंग में शायद एक-दो गलतियां हुईं पर हमारे गेंदबाजों ने अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह से निभाई। हारने के बाद कमियां निकालना आसान होता है। हमें लगा था कि इस पिच पर 180-185 का स्कोर अच्छा था क्योंकि बड़े शॉट खेलना आसान नहीं था। धीमी गेंदें रुक कर आ रही थीं इसलिए बल्लेबाजी करना कठिन था।' रहाणे ने कहा, 'मुझे लगा कि 18 ओवर तक हम बहुत अच्छी स्थिति में थे पर अंत के दो ओवरों में स्थिति खराब हो गयी क्योंकि मुकुल ने मैच पलट दिया। हमारी गेंदबाजी अच्छी थी पर मुकुल ने उससे भी अच्छी बल्लेबाजी की और उसे जीत का श्रेय मिलना ही चाहिये।'

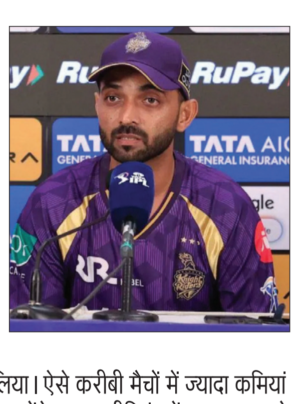

पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने की भविष्यवाणी, आईपीएल खिताब का बचाव कर सकती है आरसीबी

फरीदाबाद (हरियाणा) (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंजुम चोपड़ा ने पूरा भरोसा जताया है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) अपना इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) खिताब बचाने में सक्षम है। मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स जैसी सफल फ्रेंचाइजी से तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि प्लेऑफ में पहुंचने के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करना ही सबसे जरूरी है। RCB ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 2025 IPL के फाइनल में पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर अपना पहला IPL खिताब जीता था जिससे ट्रॉफी के लिए उनका 18 साल का इंतजार खत्म हो गया था।

चोपड़ा ने आगे कहा कि जो टीमें शुरुआत में ही लय पकड़ लेती हैं और अपनी फॉर्म बरकरार रखती हैं, वे आखिर तक जा सकती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस सीजन में कोई नया चैंपियन भी उभर सकता है, और RCB भी अपना खिताब बचा सकती है। बात करते हुए अंजुम चोपड़ा ने कहा, 'हां, वे निश्चित रूप से ऐसा कर सकते हैं। मुंबई ने ऐसा किया है, चेन्नई ने ऐसा किया है, RCB भी ऐसा कर सकती है। और फिर से, जो टीम लगातार अच्छा खेलेगी, वह प्लेऑफ में पहुंचेगी। प्लेऑफ में पहुंचने वाली सभी टीमें वहीं से शुरुआत करती हैं, जहां उन्होंने पिछली बार छोड़ा था इसलिए वे निश्चित रूप से ऐसा कर सकती हैं। कोई नया चैंपियन भी बन सकता है और RCB भी अपना IPL खिताब बचा सकती है।'

चोपड़ा का मानना है कि RCB इस सीजन में सबसे ज्यादा व्यवस्थित टीम लग रही है और मौजूदा चैंपियन होने के नाते अपनी मजबूत लय को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने न केवल वहीं से शुरुआत की है जहां उन्होंने पिछले साल छोड़ा था बल्कि मौजूदा सीजन में वे और भी ज्यादा प्रभावशाली और संतुलित नजर आ रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, 'RCB अच्छी लग रही है, वे सबसे ज्यादा व्यवस्थित टीम लग रही हैं क्योंकि वे मौजूदा चैंपियन हैं। उन्होंने वहीं से शुरुआत की है जहां उन्होंने पिछले सीजन में छोड़ा था। असल में इस सीजन में वे और भी बेहतर लग रहे हैं।' RCB ने 2026 IPL के अपने दोनों शुरुआती मैच जीते हैं और अब वह पॉइंट्स टेबल में चार अंकों और +2.501 के शानदार नेट रन रेट (NRR) के साथ तीसरे स्थान पर है।

चोपड़ा को यह भी लगा कि पंजाब किंग्स (PBKS) भी जबरदस्त फॉर्म में है, पिछले सीजन में फाइनल तक पहुंचने की वजह से उन्हें ठीक-ठीक पता है कि उस अनुभव का फायदा उठाकर आगे कैसे बढ़ना है। उन्होंने कहा, 'पंजाब भी बहुत अच्छी दिख रही है। उन्होंने पिछले साल फाइनल भी खेला था, इसलिए उन्हें पता है कि उनका सफर कहां खत्म हुआ था और उन्हें दोबारा कहां से शुरुआत करनी है। उन्होंने शुरुआत भी अच्छी की है।' PBKS ने भी 2026 IPL सीजन की शुरुआत ज़ोरदार तरीके से की है। उन्होंने अपने तीन मैचों में से दो में जीत हासिल की, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा। IPL पॉइंट्स टेबल में पंजाब 5 पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर है।

जोनाथन क्रिस्टी को हराकर आयुष शेट्टी ने किया उलटफेर, सेमीफाइनल में पहुंचे

निंगबो (चीन)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने शुक्रवार को बड़ा उलटफेर करते हुए दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी जोनाथन को हराकर बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली। आज यहां टॉप-4 में जगह बनाने के साथ ही आयुष शेट्टी 2018 में एच.एस. प्रणय के बाद इस कॉन्टिनेंटल टूर्नामेंट में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एकल बैडमिंटन खिलाड़ी बन गए हैं। यह 2023 में चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के पुरुष डबल्स गोल्ड मेडल के बाद बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत का पहला मेडल भी होगा। पुरुष एकल बैडमिंटन रैंकिंग में 25वें स्थान पर मौजूद आयुष शेट्टी ने क्वार्टर-फ़ाइनल में इंडोनेशिया के ओलंपियन और तीसरी वरीयता प्राप्त जोनाथन क्रिस्टी को 23-21, 21-17 से हराया। पहला गेम बेहद कड़ा रहा, जिसमें कोई भी खिलाड़ी निर्णायक बढ़त नहीं बना पाया। पूर्व एशियाई चैंपियन जोनाथन क्रिस्टी 11-10 की मामूली बढ़त के साथ मिड-गेम ब्रेक में गए। जोनाथन क्रिस्टी 18-15 की बढ़त बनाकर मैच पर नियंत्रण बनाते दिख रहे थे और उन्हें गेम पॉइंट भी मिल गया था, लेकिन आयुष शेट्टी ने जोरदार वापसी की और मैच को टाई-ब्रेक में ले जाकर पहला गेम जीत लिया। दूसरा गेम भी उतना ही कड़ा रहा। आयुष शेट्टी 11-9 की मामूली बढ़त के साथ ब्रेक में गए, जिसके बाद उन्होंने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत की और जीत हासिल करके सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह पहली भिड़ंत थी, जिसमें आयुष शेट्टी ने जोनाथन क्रिस्टी के ख़िलाफ़ अपनी पहली जीत दर्ज की। इससे पहले टूर्नामेंट में, आयुष शेट्टी ने पहले राउंड में दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी और मौजूदा एशियाई खेलों के चैंपियन ली शी फ़ेंग को चौंका दिया था। इसके बाद उन्होंने चीनी ताइपे के ची यू जेन को हराकर क्वार्टर-फ़ाइनल में जगह बनाई थी। सेमीफाइनल में, आयुष शेट्टी का मुक़ाबला थाईलैंड के पेरिस 2024 रजत पदक विजेता कुनलावुत विटिडसर्न और चीन की एशियाई खेलों की गोल्ड मेडल विजेता पुरुष टीम के सदस्य वेंग होंगयांग के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

हॉकी इंडिया का बड़ा निर्णय, टिम व्हाइट को जूनियर महिला टीम का कोच बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को टिम व्हाइट को जूनियर महिला टीम का कोच बनाने की घोषणा की। ऑस्ट्रेलियाई हाई-परफॉर्मेंस कोच व्हाइट ने हाल ही में जनवरी में हॉकी इंडिया लीग में अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स के हेड कोच के तौर पर काम किया था। वह भारत महिला हॉकी की अगली पीढ़ी को तैयार करने के लिए मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा, 'हम टिम व्हाइट को टीम में शामिल करके बहुत खुश हैं। बेल्जियम और ऑस्ट्रेलियाई जूनियर कार्यक्रम के साथ उनका पुराना रिकॉर्ड अपने आप में बहुत कुछ कहता है, खासकर जूनियर विश्व कप में टीमों को पोडियम फिनिश तक ले जाने में उनकी सफलता। हमारा मानना है कि हाई-परफॉर्मेंस कोचिंग और एथलीट विकास में उनका बहुत बड़ा अनुभव हमारी जूनियर महिलाओं को सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी की चुनौतियों के लिए तैयार करने में बहुत जरूरी होगा।'

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, 'टिम की नियुक्ति हमारी जूनियर टीमों को विश्व स्तरीय कोचिंग देने के हमारे लक्ष्य से मेल खाती है। जूनियर से सीनियर हॉकी में बदलाव एक अहम दौर है, और हमें विश्वास है कि टिम के निर्देशन में हमारे युवा एथलीट सबसे ऊंचे लेवल पर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जरूरी तकनीकी परिपक्वता हासिल करेंगे।

व्हाइट ने अपनी नियुक्ति पर कहा, 'हाल ही में तमिलनाडु ड्रैगन्स के कोच के तौर पर इंडिया में समय बिताने के बाद, मैं देश के जबरदस्त पैशन और समृद्ध हॉकी संस्कृति से वापस आया। मैंने जूनियर वर्ल्ड कप में इंडिया के खिलाफ कोचिंग करते हुए यहां बहुत सारी युवा प्रतिभाएं देखीं। ऐसे एथलीट्स के साथ फुल-टाइम काम करने का मौका मिलना एक विशेषाधिकार की तरह है। मेरा लक्ष्य तकनीकी रूप से मजबूत खिलाड़ियों को तैयार करना है जो गैप को भरने और सीनियर टीम में जगह बनाने के लिए तैयार हों।'

टीम के प्रति अपने विजन के बारे में उन्होंने कहा, 'मैं गेम को सिंपल रखना चाहता हूं और सामूहिक साथ ही व्यक्तिगत मजबूती पर फोकस करना चाहता हूं। हमारा लक्ष्य एक ऐसी टीम बनना होगा जो आक्रामक हॉकी को अहमियत दे लेकिन अपने रक्षात्मक खेल में भी अनुशासित रहे। यह जरूरी है कि हम पूरे 60 मिनट तक उच्च स्तर पर प्रदर्शन करने के लिए शारीरिक रूप से कड़ी मेहनत करें। 'टीम-फर्स्ट' की अवधारणा को आगे रखते हुए हम किसी भी अंतरराष्ट्रीय चुनौती के लिए अच्छी तरह तैयार रहेंगे।'

व्हाइट की नियुक्ति को भारत में जूनियर हॉकी को आधुनिक तकनीक और अनुशासन को शामिल करने के लिए एक रणनीतिक कदम के तौर पर देखा जा रहा है। उनके बैकग्राउंड में हॉकी ऑस्ट्रेलिया के लिए नेशनल जूनियर कोच के तौर पर काम करना और यूरोप में हाई-परफॉर्मेंस पाथवे की देखरेख करना शामिल है।

व्हाइट के कोचिंग करियर में बेल्जियम में हाल की सफलता और ऑस्ट्रेलिया के साथ पिछला अनुभव शामिल है। भारत आने से पहले, उन्होंने बेल्जियम अंडर-21 महिला टीम के कोच के तौर पर काम किया, और दिसंबर में 2025 जूनियर वर्ल्ड कप में उन्हें कांस्य पदक दिलाया था।

2021 और 2024 के बीच, वह बेल्जियम की महिला राष्ट्रीय टीम के कोचिंग स्टाफ का भी एक अहम हिस्सा थे। इस दौरान टीम ने विश्व रैंकिंग में काफी सुधार किया और 12 वें से 3 पर आ गई। 2024 पेरिस ओलंपिक गेम्स में सेमीफाइनल में जगह बनाने में कामयाब रही।

अपने करियर की शुरुआत में, वह ऑस्ट्रेलिया के लिए राष्ट्रीय जूनियर कोच के पद पर थे, जहां टीम ने जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीता था।

बिली जीन किंग कप : इंडोनेशिया से हारा भारत, कोरिया की जीत का सिलसिला जारी

नई दिल्ली। बिली जीन किंग कप ग्रुप-ह्व एशिया/ओशिआना मुकाबलों में भारत को गुरुवार को इंडोनेशिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में खेले गए इस मुकाबले में इंडोनेशिया ने दोनों सिंगल्स मैच जीतकर अजेय बढ़त हासिल कर ली। पहले सिंगल्स मुकाबले में वैष्णवी अडकर को प्रिस्का मैडेलिन नुग्रोहो के खिलाफ कड़े मुकाबले में 7-6(3), 6-7(3), 6-3 से हार झेलनी पड़ी। मैच काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा, जहां अडकर ने दूसरे सेट में वापसी करते हुए मुकाबला निर्णायक सेट तक पहुंचाया, लेकिन तीसरे सेट में इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने बाजी मार ली। दूसरे सिंगल्स में सहजा यमलापल्ली को जेनिस त्जेन के खिलाफ 6-2, 6-1 से एकतरफा हार का सामना करना पड़ा, जिससे इंडोनेशिया ने मुकाबला अपने नाम कर लिया। खबर लिखे जाने तक रुतुजा भोसले और अंकिता रैना इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ डबल्स मुकाबला खेल रही थीं। अन्य मुकाबलों में कोरिया गणराज्य ने न्यूजीलैंड को हराकर अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा। दायोन बैक ने वैलेंटिना इवानोव को 7-5, 6-3 से हराया, जबकि सोह्युन पार्क ने मोनिक बैरी को 6-0, 6-1 से हराकर टीम की जीत पक्की कर दी। कोरिया और इंडोनेशिया दोनों ही टीमें अब तक अपने सभी मुकाबले जीतकर तालिका में शीर्ष पर बनी हुई हैं। वहीं थाईलैंड ने भी शानदार वापसी करते हुए मंगोलिया को 3-0 से क्लीन स्वीप किया। थासापोर्न नाकलो ने अनु-वजिन गैंटोर को 6-1, 6-0 से हराया, जबकि पाचारिन चीपचांदेज ने खोंगोरज़ूल अलदारखिशिग को समान स्कोर से मात दी।

'हेरा फेरी 3' में देरी की अफवाहों को परेश रावल ने किया खारिज

फिल्म 'हेरा फेरी 3' को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह है। फैंस इस फिल्म को लेकर जिस बेकरारी से इंतजार कर रहे हैं, इसे लेकर उतनी ही तरह-तरह की अफवाहें आती रहती हैं। फिल्म को लेकर बीते दिनों ऐसी खबरें आईं कि इसमें देरी होगी। मगर, अब परेश रावल ने इस पर बात की और ऐसी अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने फिल्म की शूटिंग पर भी अपडेट दिया।

जल्द शुरू करेंगे शूटिंग

परेश रावल ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' के प्रमोशन के दौरान फिल्म 'हेरा फेरी 3' में देरी होने की अफवाहों को खारिज कर दिया। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि जिस सीक्वल का बेसब्री से इंतजार हो रहा था, वह जरूर बनेगा। अभिनेता ने मनी कंट्रोल से बात करते हुए कहा, 'किसी भी बात पर ध्यान न दें। 'हेरा फेरी 3' आ रही है। मैं जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू करूंगा'।

कब रिलीज होगी 'भूत बंगला'

बता दें कि इस फिल्म का एलान बीते वर्ष हुआ था। तब से ही 'हेरा फेरी 3' सुर्खियों में छाई हुई है। पहले ऐसी चर्चा थी कि परेश रावल ने इस प्रोजेक्ट को छोड़ दिया है, लेकिन अब वे इस फ्रैंचाइजी के साथ फिर से जुड़ गए हैं। परेश रावल के 'हेरा फेरी 3' छोड़ने के बाद यह खबर फैल गई कि अक्षय ने उन पर 25 करोड़ रुपये के हर्जाने का मुकदमा किया है। उन्होंने समय रहते चीजों को सुलझा लिया, जिसके चलते अक्षय को मामला वापस लेना पड़ा। बात करें 'भूत बंगला' की तो यह फिल्म 16 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इसमें अक्षय कुमार लीड रोल में हैं। 'भूत बंगला' हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। इसका निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। इस फिल्म में अक्षय और प्रियदर्शन ने 14 साल बाद काम किया है। फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा तब्बू, परेश रावल, राजपाल यादव, असरानी, मिथिला पालकर और वामिका गब्बी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

वो लड़की नहीं बनूंगी जो 40 साल में भी एक्टिंग में कुछ कर न पाए

पंजाबी फिल्मों की हीरोइन रही वामिका गब्बी के लिए बॉलिवुड का सफर आसान नहीं रहा। हिंदी फिल्मों में छोटी-छोटी भूमिकाएं करने वाली वामिका ने मुख्यधारा की नायिका बनने के लिए लंबा इंतजार किया। ग्रहण जैसी वेब सीरीज से चमकी वामिका ने जुबली और खुफिया जैसे ओटीटी प्रोजेक्ट्स से अपनी जमीन पुख्ता की। आज तो वे राजकुमार राव और अक्षय कुमार जैसे बड़े स्टार्स के साथ काम कर रही हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं प्रियदर्शन निर्देशित भूत बंगला से।

उस साल इंडस्ट्री से बोरिया -बिस्तर बांधकर जाने की सोच चुकी थी

राजकुमार राव के साथ भूलचूक माफ कर चुकी वामिका इन दिनों अक्षय कुमार जैसे बड़े हीरो की हीरोइन बन चुकी हैं, मगर एक समय ऐसा भी था, जब स्ट्रगल डेज में वे इंडस्ट्री छोड़ने का मन बना चुकी थीं। वे बताती हैं, 'साल 2019 मेरे लिए बहुत ज्यादा मुश्किल था। तब मैंने सोच लिया था, मुझे नहीं बनना एक्टर। यहां कुछ नहीं हो रहा, तो मैं एक्टिंग ही छोड़ देती हूं। उस साल मैंने अपना बोरिया -बिस्तर बांधने का फैसला कर लिया था। ये उस वक्त की बात है, जब मैंने विशाल सर (फिल्मकार विशाल भारद्वाज) की फिल्म मिडनाइट चिल्ड्रन के लिए ऑडिशन दिया था और मैं शॉर्ट लिस्ट हो गई।

वो लड़की नहीं बनूंगी, जो 40 साल में भी एक्टिंग में कुछ कर न पाए

पंजाबी फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत करने वाली वामिका गब्बी ने बॉलिवुड में जब वी मेट जैसी फिल्म में करीना कपूर की कजन की छोटी सी भूमिका भी की। फिर मुंबई में अपने 8 साल के करियर में फिल्मों और किरदारों के मामले में अच्छी-खासी मेहनत की है। अपने सफर को लेकर वे कहती हैं, 'मुझे तो हमेशा से अभिनय करना था, मगर आठ -नौ साल से मैं जब तक मुंबई में थी, तब जब करियर में कुछ हो नहीं रहा था। आज सोचती हूं कि तब मैंने हार क्यों नहीं मानी? मैंने ऐसी कई कहानियां सुनी थीं कि लड़कियां 17-18 साल की उम्र में हीरोइन बनने जाती हैं और 40 साल की होकर जब वापिस आती हैं, तब उनका इंडस्ट्री में कुछ नहीं होता।

डैड के लिए असरानी जी फोटो छिपकर ली थी

उनका परिवार उनके स्टारडम को कैसे देखता है? इस पर वे कहती हैं, 'आपको एक दिलचस्प बात बताऊं? मेरे डैड से उनके दोस्त अक्सर कहा करते थे, गब्बी, तेरी बेटी ऐक्ट्रेस तो बन ही जाएगी। उसे फिल्में तो मिल ही जाएंगी, मगर क्या वो किसी बड़े स्टार के साथ काम कर पाएगी? अब जब मेरी फिल्म भूत बंगला आई, तो वे बोले, अब मैं अपने दोस्तों से कह सकता हूं कि मेरी बेटी अक्षय कुमार जैसे सुपर स्टार के साथ काम कर रही है, प्रियदर्शन उसे डायरेक्ट कर रहे हैं। मेरा परिवार बहुत खुश है कि मुझे असरानी और परेश रावल सरीखे दिग्गजों के साथ काम करने का अवसर मिला। मैंने तो शूटिंग के दौरान चुपके से स्वर्गीय असरानी जी का फोटो खींचकर अपने डैड को भेजी थी। वे बहुत एक्साइटेड थे कि मैं प्रीमियर पर असरानी जी से मिलूंगा। मगर अफसोस आज वे हमारे बीच नहीं हैं।'

ऐक्ट्रेस न होती, तो जानवरों को रेस्क्यू कर रही होती

वामिका के बारे में सभी जानते हैं कि वे एनिमल लवर भी हैं। असमय -साम्य पर वे जानवरों के हक़ में आवाज बुलंद करती रहती हैं। वे कहती हैं, 'अगर मैं अभिनय न कर रही होती, तो यकीनन जानवरों को रेस्क्यू कर रही होती। मैं एक एनिमल लवर हूं और मुझे उनके बीच उन्हीं की तरह रहना पसंद है। मेरे पास 6 डॉग हैं मैंने इन्हें कोविड के दौरान रेस्क्यू किया था। मेरे कुत्तों का नाम है, फोबे, मिल्ली, जूली, फ्लुकी, गब्बर और मोमो।

'धुरंधर: द रिवेंज का जबरदस्त प्रदर्शन हमारी इंडस्ट्री के लिए अच्छी खबर है

अक्षय कुमार 14 वर्षों के बाद मशहूर निर्देशक प्रियदर्शन के साथ फिल्म 'भूत बंगला' लेकर आ रहे हैं। आज इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस फिल्म में वामिका गब्बी, राजपाल यादव, असरानी और तब्बू जैसे कलाकार भी हैं। 'भूत बंगला' पहले 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी लेकिन मेकर्स ने फिल्म को पोस्टपोन करने का फैसला किया। अब यह 17 अप्रैल को रिलीज होगी। इस बीच 'भूत बंगला' की निर्माता एकता कपूर ने फिल्म के पोस्टपोन होने की असली वजह बताई है। 'भूत बंगला' की रिलीज की तारीख आगे बढ़ाने पर एकता कपूर ने मीडिया से कहा कि फिल्म इसलिए लेट नहीं हुई क्योंकि थिएटर में 'धुरंधर 2' चल रही थी। मैं 10 अप्रैल को भी 'भूत बंगला' के लिए अच्छी स्क्रीन और शो-टाइम हासिल कर सकती थी। वैसे भी आजकल फिल्में आम तौर पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही हैं। अगर 'धुरंधर : द रिवेंज' अच्छा कर रही है, तो अच्छी बात है। हम उसके साथ किसी जंग में नहीं हैं! हमने सोचा कि हमें थिएटर में आने से पहले उसे अपना करीब 85 परसेंट रन पूरा करने देना चाहिए।' इससे पहले 'भूत बंगला' के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज टलने को लेकर कहा था 'धुरंधर : द रिवेंज का जबरदस्त प्रदर्शन हमारी फिल्म इंडस्ट्री के लिए अच्छी खबर है। प्रदर्शकों को लगता है कि 'भूत बंगला' की रिलीज टालने से दोनों फिल्मों को वह जगह, फोकस और अटेंशन मिल पाएगी, जिसकी वे हकदार हैं।'

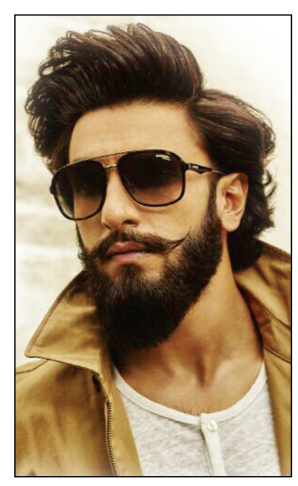

चंद्रगुप्त मौर्य पर फिल्म कर सकते हैं रणवीर सिंह

'धुरंधर' फ्रेंचाइज की सफलता के बाद अब सभी की नजर इस बात पर है कि डायरेक्टर आदित्य धर का अगला प्रोजेक्ट कौन सा होगा। एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि आदित्य, रणवीर सिंह के साथ भी एक प्रोजेक्ट पर विचार कर रहे हैं। सूत्रों के हवाले से बताया गया...' आदित्य इस समय तीन स्क्रिप्ट पर विचार कर रहे हैं। इनमें 'द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा', एक ऐतिहासिक फिल्म और एक बड़े लेवल की स्पोर्ट्स फिल्म शामिल है। उनकी अगली फिल्म इनमें से कोई एक हो सकती है, जब तक कि कोई नया प्रोजेक्ट प्राथमिकता में न आ जाए। 'द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा' आदित्य का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है। इस फिल्म पर उन्होंने पहले काफी काम किया था, लेकिन ज्यादा बजट के कारण इसे रोक दिया गया था।

सारा अर्जुन को कैसे मिला रणवीर के अपोजिट 'धुरंधर' का किरदार

फिल्म 'धुरंधर' में हर किरदार ने दर्शकों पर अपना असर छोड़ा है। इस फिल्म में रणवीर सिंह लीड रोल में नजर आए हैं, वहीं उनके अपोजिट सारा अर्जुन दिखी हैं। सारा अर्जुन ने यलीना का रोल निभाया है। यलीना की भूमिका के लिए 1200 दावेदार थे। मगर, यह रोल सारा की झोली में आया। फिल्म 'धुरंधर' के कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने हाल ही में इसका जिक्र किया।

फ्रेश चेहरे को तवज्जो देना चाहते थे छाबड़ा

मुकेश छाबड़ा ने बताया कि रणवीर सिंह के किरदार हमजा के अपोजिट यलीना का रोल पाने के लिए कई एक्टर्स ने कोशिश की थी। हाल ही में एक इंटरव्यू में मुकेश छाबड़ा ने बताया कि उन्हें और आदित्य धर दोनों को ही उन एक्टर्स से ढेरों रिक्वेस्ट मिल रही थीं, जो इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बेताब थे। हालांकि, टीम एक बात को लेकर बिल्कुल साफ थी। कलाकार ऐसा हो, जो वाकई 'धुरंधर' की दुनिया का हिस्सा लगे, जिसकी पहले से कोई बनी-बनाई इमेज न हो।

मुकेश छाबड़ा और आदित्य धर को आ रहे थे लगातार मैसेज

मुकेश छाबड़ा ने कहा, 'बहुत से लोग आदित्य को भी मैसेज कर रहे थे और कह रहे थे कि वे रणवीर के अपोजिट कास्ट होना चाहती हैं। मुझे भी मैसेज मिल रहे थे। लेकिन मैंने आदित्य से बहुत साफतौर पर कहा कि हमें एक ऐसे चेहरे की जरूरत है जो सचमुच उस जगह का लगे, जिसके साथ कोई पुराना बैगेज न जुड़ा हो। इसलिए एक नया चेहरा ज्यादा बेहतर रहेगा, क्योंकि अगर कोई ऐसा एक्टर हो जिसने रणवीर के साथ पहले दो फिल्में की हों, तो वह कनेक्शन नहीं बन पाएगा, क्योंकि फिल्म में रणवीर का किरदार पाकिस्तान जाकर उस लड़की से मिलता है'।

हजार से ज्यादा एक्ट्रेस ने दिए ऑडिशन

दिलचस्प बात यह है कि बचपन में एक्टिंग करने के बावजूद सारा अर्जुन ने अभी तक बॉलीवुड में कोई पूरी तरह से लीड रोल नहीं किया था। यह बात उनके पक्ष में रही। फिल्म बनाने वाले एक ऐसे चेहरे को पेश करने के इच्छुक थे, जो दर्शकों को बिल्कुल नया और अनजान लगे। उन्होंने आगे कहा, 'हमारा यह साफ मानना था कि अगर हम उस दुनिया में कदम रख रहे हैं, तो यह एक पूरी तरह से चौंकाने वाला अनुभव होना चाहिए। लोग यह सोचने पर मजबूर हो जाएं कि यह लड़की कौन है? हमने बहुत सारे ऑडिशन लिए, कुल मिलाकर लगभग बारह सौ से तेरह सौ के करीब। फिर, आखिरकार हमने सारा का ऑडिशन लिया।

इंडस्ट्री में अपना काम खुद बताना पड़ता है

अभिलाष थपलियाल इन दिनों वेब सीरीज 'एस्पिरेंट्स' के सीजन 3 को लेकर चर्चा में हैं, जहां उनका 'एसके' का किरदार दर्शकों के दिलों में खास जगह बना चुका है। दैनिक भास्कर से बातचीत में अभिलाष ने बताया कि इस बार भी शो को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है, खासकर दोस्ती से जुड़े इमोशनल सीन लोगों को गहराई से छू रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'एसके' का किरदार उन लोगों की कहानी है जो जिंदगी में फेल होते हैं, इसलिए दर्शक उससे खुद को जोड़ पाते हैं। अभिलाष ने अपने करियर की शुरुआत, रेडियो जॉकी से लेकर फिल्मों और वेब सीरीज तक के सफर को भी साझा किया। उन्होंने बताया कि एक्टिंग उनका पहला सपना नहीं था, बल्कि वह आर्मी जॉइन करना चाहते थे। इंडस्ट्री में आउटसाइडर होने के कारण आई चुनौतियों और लगातार खुद को साबित करने की जरूरत पर भी उन्होंने खुलकर बात की।

'एस्पिरेंट्स' सीजन 3 को लेकर कैसा रिस्पॉन्स मिल रहा है?

बहुत शानदार। एस्पिरेंट्स से लोग पहले ही जुड़ चुके हैं, इसलिए इस बार भी प्यार मिल रहा है। खासकर दोस्ती वाले सीन काफी वायरल हुए हैं। लोग कहते हैं कि देखकर भावुक हो गए।

आपके किरदार 'एसके' से लोग इतना कनेक्ट क्यों करते हैं?

क्योंकि ये सिर्फ टॉपर की कहानी नहीं है, बल्कि उन लोगों की कहानी है जो फेल हो जाते हैं। हम सब कहीं न कहीं वैसा ही महसूस करते हैं, इसलिए कनेक्शन बनता है।

क्या बचपन से ही एक्टर बनना चाहते थे?

बिल्कुल नहीं। मैं तो आर्मी जॉइन करना चाहता था। मैं फौजी परिवार से हूं, हृष्ट क्लियर करना सपना था, लेकिन वो पूरा नहीं हुआ।

एक्टिंग में एंट्री कैसे हुई?

मैं दिल्ली में रेडियो जॉकी था। वहीं फिल्म 'तेवर' के डायरेक्टर अमित शर्मा से मुलाकात हुई। उन्होंने मुझे फिल्मों में ट्राई करने को कहा। फिर मुंबई आया और पहली फिल्म पहली फिल्म 'दिल जंगली' मिली।

'एस्पिरेंट्स' से पहले करियर कैसा था?

शुरुआत में फिल्में ज्यादा नहीं चलीं, फिर टीवी और कॉमेडी शोज किए। सोशल मीडिया पर पॉलिटिकल सटायर भी करता था। लेकिन असली पहचान 'एस्पिरेंट्स' से मिली।

'एसके' का रोल कैसे मिला?

मैंने ऑडिशन दिया था। पहले मुझे लगा मैं 'अभिलाष' का किरदार करूंगा, लेकिन बाद में पता चला कि मुझे 'एसके' का रोल मिल रहा है।

'एस्पिरेंट्स' सीजन 1 के बाद क्या जिम्मेदारी बढ़ गई थी?

हां, लेकिन मैं स्क्रिप्ट में ज्यादा बदलाव नहीं करता। जो लिखा होता है, उसे ईमानदारी से निभाता हूं। मेरा मानना है 'कम में बम ', कम सीन हों, लेकिन असरदार हों।

क्या आपने एक्टिंग की ट्रेनिंग ली है?

नहीं, मैंने कोई फॉर्मल ट्रेनिंग नहीं ली। जो सीखा, लाइफ से सीखा। अलग-अलग जगह रहने से अलग-अलग भाषा और एक्सेंट पकड़ना आसान हो गया।

'एस्पिरेंट्स' के बाद करियर में क्या बदलाव आया?

इसके बाद मुझे कॉन्फिडेंस आया कि मैं खुद को एक्टर कह सकता हूं। फिर मैंने अनुराग कश्यप जैसे डायरेक्टर्स के साथ काम किया और अलग-अलग रोल मिले।

आपने किन-किन फिल्मों और प्रोजेक्ट्स में काम किया है?

'एस्पिरेंट्स' के बाद मुझे कई अच्छे प्रोजेक्ट्स मिले। मैंने फिल्म 'ब्लर' में काम किया, अनुराग कश्यप के साथ फिल्म 'केनेडी' में काम किया। और अश्विनी अय्यर तिवारी के साथ वेब सीरीज 'फाडू' में काम किया। इन प्रोजेक्ट्स ने मुझे एक एक्टर के तौर पर काफी कॉन्फिडेंस दिया।

इंडस्ट्री में सबसे बड़ा स्ट्रगल क्या रहा?

आउटसाइडर होने का। आपको खुद जाकर लोगों को बताना पड़ता है कि आप क्या कर सकते हैं। यहां कोई गॉडफादर नहीं होता। मैं आज भी डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स से मिलता हूं, खुद को पिच करता हूं। यह प्रोसेस कभी खत्म नहीं होती।

स्वामी, प्रकाशक, संपादक : अली आदिल खान द्वारा सांई प्रिन्टिग प्रेस डी-85, न्यू अशोक नगर, नोएडा, गौतमबुद्धनगर यूपी से मुद्रित कराकर सी-148, साउथमोती बांग, पो0 चान्यक्यपुरी, नई दिल्ली-110021 से प्रकाशित किया।
RNI.No. : DELMUL/2012/47011 Email.timesofpedia@gmail.com